खाड़ी युद्ध : भारत के ऊर्जा क्षेत्र को झटका एलएनजी में कटौती - 14

प्रधानमंत्री मोदी बोले- भारत की मजबूत अर्थव्यवस्था विश्व के लिए आशा की किरण - 15

दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड के बीच कप्तानों की भूमिका होगी अहम - 16

अमृत विचार

बरेली

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ | बरेली | कानपुर | मुरादाबाद | अयोध्या | हल्द्वानी

चैत्र कृष्ण पक्ष प्रतिपदा 04:49 उपरांत द्वितीया विक्रम संवत 2083

बुधवार, 4 मार्च 2026, वर्ष 7, अंक 99, पृष्ठ 18 ■ मूल्य 6 रुपये

बढ़ते हुए बाँझपन के लिए डॉ. रितिका श्रीवास्तव ने दिए सुझाव

बढ़ते हुए बाँझपन के मामलों पर चिंता जताते हुए स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. रितिका श्रीवास्तव ने जागरूकता बढ़ाने की अपील की है। उन्होंने बताया कि बदलती जीवनशैली, तनाव, गलत खान-पान, बढ़ता मोटापा और देर से विवाह इसके प्रमुख कारण हैं। डॉ. श्रीवास्तव के अनुसार 30-35 वर्ष की आयु के बाद महिलाओं में प्रजनन क्षमता कम होने लगती है, इसलिए समय पर गर्भधारण जरूरी है। उन्होंने संतुलित आहार, नियमित व्यायाम, पर्याप्त नींद और नशे से दूरी बनाने की सलाह दी। एक वर्ष तक प्रयास के बाद भी गर्भधारण न होने पर विशेषज्ञ से परामर्श लेने की भी अपील की गई है।

देखभाल का एक नया दृष्टिकोण

Radhika I.V.F & Infertility Centre
- A Unit of -
राधिका सुपर स्पेशिलिटी एण्ड एडवांस ट्रॉमा सेन्टर

होली का पावन पर्व आपके जीवन में रंग-बिरंगी खुशियां लेकर आये

HAPPY HOLI
होली पर्व एवं महिला दिवस
के उपलक्ष्य में
आई.वी.एफ. मरीजों के लिए
भारी छूट

आई.वी.एफ. पैकेज पर ₹10000 की छूट

ब्लड की सभी जाँचों पर 30% की छूट

ऑफर केवल 01 मार्च से 10 मार्च तक मान्य

अब बच्चे के लिए
इंतज़ार नहीं
आई.वी.एफ. इलाज अपनाएं
अधिक जानकारी के लिए
हमारे विशेषज्ञों से
परामर्श करें
7217087655

डा. प्रतीक गंगवार
एम.बी.बी.एस., पी.जी.डी.एस.
डिप्लोमा इन इन्फर्टिलिटी
मैनेजिंग डायरेक्टर

24 Emergency Services

डॉ. रितिका श्रीवास्तव
एम.बी.बी.एस., डी.एन.बी.(Obs.), एफ.आर.एन. (यूके), एफ.एन.ए.एस.
लैप्रोस्कोपिक सर्जन
आई.वी.एफ एवं इनफर्टिलिटी स्पैशलिस्ट

कर्मचारी नगर, मिनी बाईपास रोड, इज्जतनगर, बरेली। ✆ 0581-2990341, 7037395694

MAHENDRA GAYATRI HOSPITAL
निकट कुदेशिया फाटक, बरेली। मो. 9411090551

डा. महेन्द्र सिंह गंगवार
M.D.(Paedia.)
क्रिटिकल केयर एवं शिशु रोग विशेषज्ञ
चेयरमैन महेन्द्र गायत्री ग्रुप ऑफ इन्स्टीट्यूशन्स

डा. कुशाग्र सिंह
M.S. (Sugery), FMAS, DMAS
लैप्रोस्कोपिक एवं जनरल सर्जन
मो. 7983368142

महेन्द्र गायत्री स्कूल ऑफ नर्सिंग
महेन्द्र गायत्री पैरामेडीकल कालेज
महेन्द्र गायत्री कालेज ऑफ फार्मेसी
धनवन्तरी आयुर्वेदिक मेडीकल कॉलेज
चिटौली, फतेहगंज पश्चिमी, बरेली। Mob. 9410405769, 7599203105
● Post Basic B.Sc. Nursing ● B.Sc. Nursing ● A.N.M. ● G.N.M.,
● D.P.T. ● D.OPT. ● DIPLOMA O.T. ● B.A.M.S. ● D.PHARMA
उच्च शिक्षा एवं उच्चीकृत क्लीनिक ट्रेनिंग

ONE NATION.
ONE COOLING SOLUTION.

From small personal space to large public settings, Daikin offers diverse cooling solutions as per your specific needs.

BRING HOME A NEW DAIKIN HOT & COLD AC AND

GET ₹ 10,000*- OFF
ON EXCHANGE OF YOUR OLD AC

Green Exchange Offer

Scan to exchange your old AC

0% INTREST | BAJAJ FINSERV FINANCE AVAILABLE

COMPRESSOR 10 YEARS WARRANTY

5 YEARS COMPLETE WARRANTY

Presenting VRV S
Shaping air to your needs
The perfect air conditioning solution for small offices,shops,fitness centers and residences.

Available in 1 Ton, 1.5 Ton, 1.8 Ton, 2 Ton, 2.2 Ton, 2.5-2.6 Ton, 3 Ton, 4 Ton

Authorized Daikin Solution Plaza

Khandelwal Distributors
COMPLETE COOLING & INTERIOR SOLUTIONS

Bareilly : G-35, MCI Plaza, Civil Lines.
Mob. 9761659238, 9335888888, 9897595000
Shahjahanpur : Bahadur Ganj. Mob. 9198211777, 9335581920
(Service No. 9720477377) I www.khandelwaldistributors.com

आप सभी को रंगो के महापर्व होली की हार्दिक शुभकामनाएं

ADITYA EYE AND LASER CENTRE
आदित्य आई एण्ड लेजर सेन्टर
ट्यूलिप ग्रांड के सामने, पीलीभीत बाईपास, बरेली मो. 8077344353

100000 से अधिक
आँखों के ऑपरेशन का अनुभव

डॉ. आदित्य त्यागी
MBBS, DOMS, DNB, MNAMS
CATARACT, REFRACTIVE & GLAUCOMA SURGEON

समय : प्रातः 10 बजे से सायं 7 बजे तक (सोमवार से शनिवार)

उपलब्ध सुविधायें
बिना सुई बिना टांका आधुनिक से अधुनिक लेंस प्रत्यारोपण की सुविधा

IOL Master 700 द्वारा लेंस का नंबर
लेजर द्वारा आँख की झिल्ली हटाने की सुविधा उपलब्ध
बी-स्कैन द्वारा पर्दे की जाँच उपलब्ध
OCT द्वारा काला पानी एवं पर्दे की जांच व उपचार

कैशलेस इलाज की सुविधा उपलब्ध

Galaxy Health Insurance | SBI general Insurance | Link-K Insurance TPA Pvt. Ltd. | IFFCO-TOKIO General Insurance Muskurate Raho
Manipal Cigna Health Insurance | Liberty General Insurance | RELIANCE General Insurance | STAR Health Insurance Personal & Caring The Health Insurance Specialist
ICICI Lombard General Insurance | HDFC ERGO General Insurance | care Health Insurance | Chola MS General Insurance | acko Insurance
Go Digit General Insurance Company Limited | digit | Safeway Insurance TPA Pvt. Ltd. | New India Assurance | niva Bupa Health Insurance | FHPL | MD India

आयुष्मान कार्ड धारकों के लिए फ्री ऑपरेशन की सुविधा

होली की हार्दिक शुभकामनाएं

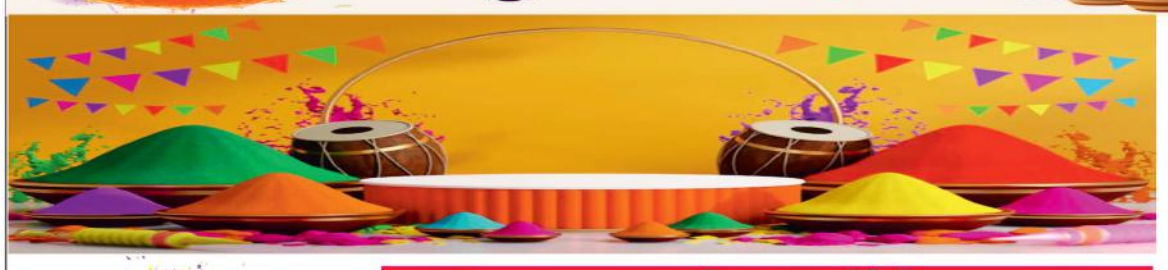

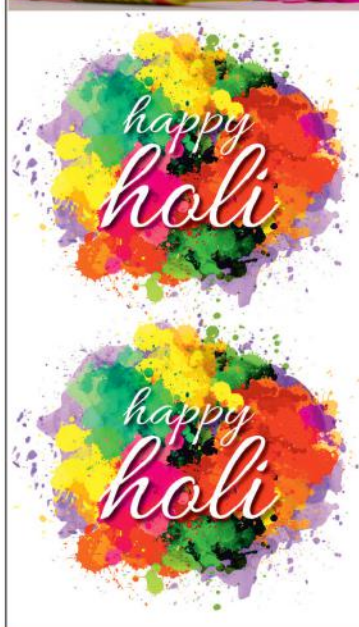

happy holi
happy holi

समस्त देशवासियों को रंगों के पावन पर्व होली की हार्दिक शुभकामनाएं
तनवीर खां
जिलाध्यक्ष
समाजवादी पार्टी, शाहजहांपुर।

आप सभी क्षेत्रवासियों को रंगों के पावन पर्व होली की हार्दिक शुभकामनाएं
जय शंकर ओझा
प्राचार्य
एसएस लॉ कॉलेज, शाहजहांपुर

आप सभी क्षेत्रवासियों को रंगों के पावन पर्व होली की हार्दिक शुभकामनाएं
राजीव कुमार सिंह
"अध्यक्ष"
उ0प्र0 औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान कर्मचारी संघ, शाहजहांपुर
अभिनीत कुमार आनंद
"मंत्री"

आप सभी क्षेत्रवासियों को रंगों के पावन पर्व होली की हार्दिक शुभकामनाएं
राजकुमार (प्रधान प्रतिनिधि)
ग्राम पंचायत -कुनियां नौआबाद
विकासखंड- मिर्जापुर जनपद शाहजहांपुर

होली पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं
शाबित्री ट्रेडिंग
घनश्यामपुर
प्रो. ठाकुर विनोद कुमार सिंह

रंगों के पावन पर्व होली की हार्दिक शुभकामनाएं
डॉ. अजीत वर्मा
हमजापुर
नगर पंचायत
निगोही

रंगों के पावन पर्व होली की हार्दिक शुभकामनाएं
ठा. सोमेन्द्र सिंह
ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत खिरिया
ब्लॉक निगोही

रंगों के पावन पर्व होली की हार्दिक शुभकामनाएं
एड. मनोज यादव
पूर्व जिला पंचायत सदस्य
निगोही शाह.
मो. 9415411444, 9793377309
रजनीश यादव
प्रधान सण्डा खास एवं अध्यक्ष, साधन सहकारी समिति लि., सण्डा खास
मो. 9415492037

रंगों के पावन पर्व होली की हार्दिक शुभकामनाएं
दीपक सिंह यादव
प्रधान
ग्राम पंचायत उदारा
ब्लाक निगोही

रंगों के पावन पर्व होली की हार्दिक शुभकामनाएं
न्यू साबरी ईंट भट्टा
पिपरिया उदभानपुर
प्रो. उबैस बेग

रंगों के पावन पर्व होली की हार्दिक शुभकामनाएं
सुशील कुमार मौर्य
ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत भवानीपुर
वि.ख. निगोही

रंगों के पावन पर्व होली की हार्दिक शुभकामनाएं
प्रो. हाजी शमीम खां
पूर्व प्रधान तालगांव
प्रो. अनीस खां
गरीब नवाज ईंट भट्टा
पतराजपुर

रंगों के पावन पर्व होली की हार्दिक शुभकामनाएं
सीताराम हॉस्पिटल निगोही, शाहजहांपुर
सर्वेश वर्मा
डायरेक्टर
डॉ. पूजा वर्मा

आप सभी को रंगों के पावन पर्व होली की हार्दिक शुभकामनाएं
आदिलोक हॉस्पिटल पुवायां रोड, निगोही
सुविधायें:- 1. नार्मल डिलीवरी की सुविधा 2. बच्चेदानी के ऑपरेशन की सुविधा 3. बड़े ऑपरेशन की सुविधा। 4. बेबी वार्मर की सुविधा। 5. इमरजेंसी वार्ड की सुविधा। 6. ऑक्सीजन की सुविधा।
डॉ. अफजल अंसारी M.B.B.S.
डॉ. अंजू तन्वर स्त्री एवं प्रसूति रोग
डॉ. अजय कुमार हड्डी रोग विशेषज्ञ
डॉ. अलोक मिश्रा डायरेक्टर एण्ड फिजिशियन
मो. 8853055274

रंगों के पावन पर्व होली की हार्दिक शुभकामनाएं
सत्यपाल सिंह यादव
प्रधान
ग्राम पंचायत ऊनखुर्द
ब्लाक निगोही

रंगों के पावन पर्व होली की हार्दिक शुभकामनाएं
प्रो. हरीश गुप्ता
सतगुरु बिल्डिंग मैटेरियल
पतराजपुर

रंगों के पावन पर्व होली की हार्दिक शुभकामनाएं
बलदेव सिंह
बाबा हार्डवेयर
भगत सिंह चौराहा निकट
निगोही, शाहजहांपुर

आप सभी क्षेत्रवासियों को रंगों के पावन पर्व होली की हार्दिक शुभकामनाएं
श्रीमती मीरा देवी
पत्नी सियाराम
ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत
सौफरी
सन्त कुमार कश्यप, प्रधान प्रतिनिधि

आप सभी क्षेत्रवासियों को रंगों के पावन पर्व होली की हार्दिक शुभकामनाएं
गौरव सक्सेना
सीएचसी प्रभारी
खुटार

happy holi
happy holi
आप सभी क्षेत्रवासियों को रंगों के पावन पर्व होली की हार्दिक शुभकामनाएं
अतिराज सिंह (प्रधान)
ग्राम पंचायत - असोली
विकासखंड मिर्जापुर जनपद शाहजहांपुर

आप सभी क्षेत्रवासियों को रंगों के पावन पर्व होली की हार्दिक शुभकामनाएं
अमरपाल सिंह (प्रधान)
ग्राम पंचायत - बर्खेमई
विकासखंड मिर्जापुर जनपद शाहजहांपुर

आप सभी क्षेत्रवासियों को रंगों के पावन पर्व होली की हार्दिक शुभकामनाएं
रमेश चन्द्र (प्रधान)
ग्राम पंचायत-जरौली कोठी
विकासखंड मिर्जापुर जनपद शाहजहांपुर

आप सभी क्षेत्रवासियों को रंगों के पावन पर्व होली की हार्दिक शुभकामनाएं
लैल एग्रिकल्चर
लक्ष्मीपुर खुटार
प्रो. मंजीत सिंह लैल
मो. 9935985652

आप सभी क्षेत्रवासियों को रंगों के पावन पर्व होली की हार्दिक शुभकामनाएं
किसान कृषि केंद्र
मैलानी रोड
तिकुनिया खुटार
प्रो0 हरजीत सिंह

आप सभी क्षेत्रवासियों को रंगों के पावन पर्व होली की हार्दिक शुभकामनाएं
सूर्या हॉस्पिटल
पूरनपुर रोड तिकुनियां, कुसुमा खुटार
डॉ. सोनी शुक्ला B.A.M.S.
महिला रोग चिकित्सक
डॉ. संदीप शुक्ला B.A.M.S.
मो. 9936016001, 9451659203

आप सभी क्षेत्रवासियों को रंगों के पावन पर्व होली की हार्दिक शुभकामनाएं
रिजवान अहमद
एडवोकेट/समाजसेवी
प्रत्याशी जिला पंचायत सदस्य
मिर्जापुर तृतीय वार्ड
निवासी इस्लामनगर पैलानी उत्तर मिर्जापुर जनपद शाहजहांपुर

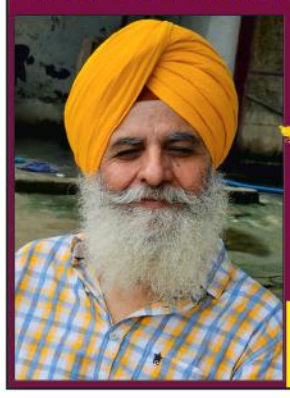

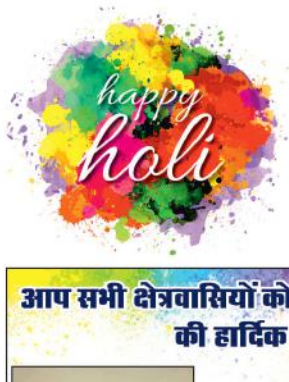

खाड़ी युद्ध : भारत के ऊर्जा क्षेत्र को झटका एलएनजी में कटौती
- 14

प्रधानमंत्री मोदी बोले- भारत की मजबूत अर्थव्यवस्था विश्व के लिए आशा की किरण
- 15

दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड के बीच कप्तानों की भूमिका होगी अहम
- 16

अमृत विचार

बरेली

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

चैत्र कृष्ण पक्ष प्रतिपदा 04:49 उपरांत द्वितीया विक्रम संवत 2083 | बुधवार, 4 मार्च 2026, वर्ष 7, अंक 99, पृष्ठ 18 | मूल्य 6 रुपये

रंगों से आगे... आत्मा के रंगों की होली

होली केवल एक ऐसा पर्व न बने जहाँ हम एक-दूसरे को रंग लगा भर दें। होली वह उत्सव बने, जहाँ हम अपनी आत्मा के रंगों में रंग जाएं। बचपन की होली आज भी स्मृतियों में उतनी ही ताज़ा है। त्योहार आने से 15-20 दिन पहले ही उसका उत्साह शुरू हो जाता था। स्कूल से लौटते ही हम मित्र शाम का इंतज़ार करते। फिर सब मिलकर कस्बे के बाहरी हिस्सों की ओर निकल पड़ते -हाथ में फावड़ा या कुल्हाड़ी जैसी कोई चीज़, सूखी टहनियाँ और लकड़ियां इकट्ठा करने के लिए। हम सूखे पेड़ों की डालियां और लकड़ियां जमा करते और एक स्थान पर उन्हें इस प्रकार सजाते जैसे कोई गुफा बना रहे हों। पूर्णिमा की रात तक हमारी होलिका दहन की तैयारी पूरी हो जाती।

हम गोबर के उपले, ईंधन और अन्य सामग्री भी एकत्र करते और मोहल्ले के लोगों को समय की सूचना देते। पूरा आयोजन केवल एक परंपरा नहीं, बल्कि आपसी समन्वय, सहयोग और आनंद का उत्सव होता था। समय के साथ तरीक़े भले बदल गए हों, पर होली का उत्साह आज भी वैसा ही जीवंत है। होली का आध्यात्मिक अर्थ रंगों और उल्लास से कहीं अधिक गहरा है। यह नवीनीकरण, क्षमा, समानता और आनंद का पर्व है। होलिका दहन में हम अपने भीतर की नकारात्मकता, अहंकार और कटुता को भी अग्नि को समर्पित करते हैं। इसके बाद रंगों का उत्सव जीवन की नई शुरुआत का प्रतीक बन जाता है जैसे अंधकार के बाद प्रकाश।

होली की सुबह एक अद्भुत दृश्य सामने आता है। घरों, गलियों और दिलों में जैसे कोई जादू उतर आता है। चेहरे रंगों से सराबोर होते हैं, हंसी संकोच की जगह ले लेती है, और वर्षों की दूरियां भी जैसे एक दिन के लिए मिट जाती हैं। यह मुक्ति केवल बाहरी नहीं, भीतर की भी होती है और यही होली का आध्यात्मिक सार है। रंग केवल सजावट नहीं, भावनाओं और संदेशों के प्रतीक हैं। लाल ऊर्जा और प्रेम का, पीला आस्था और पवित्रता का, हरा समृद्धि और नई शुरुआत का, और नीला अनंत आकाश जैसी व्यापकता का प्रतीक है। जब हम एक-दूसरे को रंग लगाते हैं, तो अनजाने में हम शुभकामनाएं, अपनापन और सकारात्मकता भी बांटते हैं।

अमृत विचार में होली केवल एक पर्व नहीं, बल्कि एक भावना है। हमारा प्रयास सदैव यही रहता है कि हम समाज के जीवन में सकारात्मक विचारों, निष्पक्ष समाचारों और नई सोच के सुंदर रंग भर सकें। इस पावन अवसर पर हम अपने सभी पाठकों, विज्ञापनदाताओं, वितरकों, सहयोगियों और समर्पित टीम के प्रत्येक सदस्य को होली की हार्दिक शुभकामनाएं देते हैं। आइए, इस होली केवल रंग न खेलें — बल्कि मन, विचार और आत्मा को भी प्रेम, विश्वास और सद्भाव के रंगों से रंग दें। आप सभी को होली की शुभकामनाएं।

पार्थो कुनार, सीओओ

भीषण हमलों का ईरान की ओर से बेखौफ जवाब

ईरान का नतांज परमाणु स्थल क्षतिग्रस्त राष्ट्रपति कार्यालय भी बना निशाना

ईरान के दो ड्रोन हमलों के बाद रियाद में बंद किया गया अमेरिका का दूतावास

इजराइल के सैन्य ठिकानों पर भी बरसीं मिसाइलें, खाड़ी देशों पर भी हमले जारी

तेहरान/तेल अवीव, एजेंसी

ईरान और अमेरिका-इजराइल के बीच युद्ध मंगलवार को चौथे दिन में प्रवेश करने के साथ और घातक हो गया। अमेरिका-इजराइल ने राजधानी तेहरान समेत ईरान के अलग-अलग हिस्सों में भीषण हवाई हमले कर तमाम इमारतों को मलबे के ढेर में तब्दील कर दिया। इन हमलों से ईरान के नतांज परमाणु स्थल को भी क्षति पहुंची, हालांकि अभी विकिरण फैलने की आशंका को खारिज कर दिया गया है। ईरान ने इन हमलों का बेखौफ जवाब दिया। ईरानी सेना ने उसने इजराइल के सैन्य क्षेत्रों के साथ कतर स्थित अमेरिकी एयरबेस अल-उदैद पर ड्रोन और मिसाइल हमले किए। सऊदी अरब की राजधानी रियाद में अमेरिकी दूतावास पर दो ड्रोन दागे गए जिसके दूतावास को बंद कर दिया गया है।

कतर के ऊर्जा संयंत्रों समेत खाड़ी के देश चौथे दिन भी ईरान के हमलों का निशाना बने। इससे पश्चिमी एशिया की ऊर्जा इकाइयों पर संकट के बादल छाए रहे। ईरान की सेना ने कतर में स्थित अमेरिकी एयरबेस अल उदैद को भी मिसाइल का निशाना बनाया। ओमान की बंदरगाह दुकम में मंगलवार को ड्रोन हमले के बाद एक तेल भंडारण इकाई को नुकसान पहुंचा।

ईरान ने सऊदी अरब की राजधानी रियाद में अमेरिकी दूतावास पर ड्रोन से हमला किया, जिससे यहां आग लग गई और इमारत को भी नुकसान पहुंचा। इसके बाद इस दूतावास को फिलहाल बंद कर दिया गया है। अमेरिकी दूतावास ने एक्स पर एक बयान में कहा कि मंगलवार को सभी अपॉइंटमेंट रद्द कर दिए गए हैं। रियाद के साथ जेद्दा और धाहरान में भी कर्मचारियों को घर में ही रहने के निर्देश दिए गए हैं।

अमेरिका और इजराइल की ओर से ईरान पर मंगलवार को भीषण हवाई हमले किए गए और तमाम सरकारी व गैरसरकारी इमारतों को मलबे के ढेर में तब्दील कर दिया गया। तेहरान में राष्ट्रपति कार्यालय के अलावा राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के भवन और ईरान के सरकारी प्रसारक कार्यालय को भी निशाना बनाने का दावा किया गया है। मिसाइल लॉन्च साइटों के भी नष्ट होने की खबरें हैं। इन हवाई हमलों में ईरान के नतांज परमाणु स्थल को क्षति पहुंची है। हालांकि अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी ने कहा है कि यह क्षति परमाणु स्थल के भूमिगत हिस्से के प्रवेश भवनों तक सीमित है। फिलहाल यहां विकिरण फैलने की आशंका नहीं है।

तेहरान में बमबारी से मलबे में तब्दील हुई एक इमारत पर लहराता ईरानी झंडा। ● एजेंसी

तेल अवीव में ईरान के मिसाइल हमले से ध्वस्त इमारत।

ईरान में मरने वालों की संख्या बढ़कर 787 हुई

ईरान की रेड क्रिसेंट की रिपोर्ट के अनुसार देश में अमेरिका-इजराइल के हवाई हमलों में मरने वालों की संख्या बढ़कर 787 से ज्यादा हो गई है। ईरान के हमलों में इजराइल में 12 लोगों की मौत हुई है। इसके अलावा 777 घायल हुए हैं जबकि 11 लोग लापता हैं। युद्ध में अब तक अमेरिका के भी छह सैनिकों के मारे जाने की पुष्टि की गई है। इसके अलावा 18 सैनिक घायल हुए हैं।

पश्चिम एशिया में तीन भारतीय नाविकों की मौत, एक घायल

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में बढ़ते सैन्य तनाव के बीच विदेशी ध्वज वाले जहाजों पर सवार तीन भारतीय नाविकों की मौत हो गई है जबकि एक घायल है। नौवहन महानिदेशालय ने मंगलवार को कहा, पश्चिम एशिया में भारतीय नाविकों से जुड़ी चार घटनाओं की सूचना मिली है। महानिदेशालय ने कहा कि प्रभावित नाविकों और उनके परिवारों को आवश्यक सहायता और सहयोग प्रदान किया जा रहा है।

अमेरिका का अपने नागरिकों को खाड़ी देशों से निकलने का निर्देश

दुबई। ईरान के बड़े पैमाने पर हमलों के मद्देनजर अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने बहरीन, इराक, जॉर्डन, कुवैत, कतर और संयुक्त अरब अमीरात में रहने वाले अमेरिकियों से देश छोड़ने का आग्रह किया है। दुबई और अबू धाबी जैसे शहरों वाले संयुक्त अरब अमीरात को लंबे समय से पश्चिम एशिया का एक सुरक्षित क्षेत्र माना जाता रहा है लेकिन हमलों के कारण उसे भी ईरान युद्ध में घसीट लिया गया है। कई दूतावासों को पहले ही बंद कर दिया गया है।

सिंधु दुबई से घर लौटीं

बेंगलुरु। ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु ने पुष्टि की है कि दुबई में फंसी रहने के बाद वह सुरक्षित रूप से अपने घर बेंगलुरु लौट आई हैं। सिंधु ने मंगलवार को एक्स पर लिखा, पिछले कुछ दिन बेहद तनावपूर्ण और अनिश्चित रहे, लेकिन अपने घर वापस आकर मैं सचमुच बहुत खुश हूं।

ईरानी ड्रोन हमले के बाद कोर्ट छोड़कर भागे खिलाड़ी

अबु धाबी। एटीपी चैलेंजर इवेंट के दौरान ईरानी ड्रोन हमले से नजदीकी ऑयल टर्मिनल में आग लगने के बाद खिलाड़ी और अधिकारी कोर्ट छोड़कर भाग गए। लाइव फीड में जापान के टेनिस खिलाड़ी हयातो मात्सुओका और रूस के डेनियल ओस्टापेनकोव, अंपायर और लाइन जजों के साथ कोर्ट से छोड़कर भागते हुए दिखाई दे रहे हैं। इसके बाद फुजैराह में भी दो मैच रोक दिए गए और खेल रद्द कर दिया गया है।

शुभकामनाएं/सूचना

समस्त सुधी पाठकों, अभिकर्ताओं एवं विज्ञापनदाताओं को रंगों के पर्व होली की हार्दिक शुभकामनाएं। इस अवसर पर बुधवार 4 मार्च को कार्यालय में अवकाश रहेगा। अतः अगला अंक शुक्रवार 6 मार्च को प्रकाशित होगा। -संपादक

ब्रीफ न्यूज

एंथ्रोपिक के 'क्लाउड एआई' की सेवाएं 24 घंटे में दूसरी बार ठप

नई दिल्ली। एंथ्रोपिक के लोकप्रिय 'क्लाउड एआई' की सेवाएं मंगलवार को कुछ क्षेत्रों में ठप हो गईं। 24 घंटे के भीतर यह इस तरह का दूसरा व्यवधान था, हालांकि यह चैटबॉट जल्द ही फिर सामान्य हो गया। सेवाओं की निगरानी करने वाले मंच 'डाउनडिटेक्टर डॉट कॉम के अनुसार, जब शिकायतों की संख्या अपने उच्चतम स्तर पर थी, तब सबसे ज्यादा समस्याएं 'क्लौड चैट' में देखी गईं। इसके बाद वेबसाइट और 'क्लाउड कोड' के इस्तेमाल में भी लोगों को परेशानी हुई। डाउनडिटेक्टर के आंकड़ों के अनुसार, भारत में दोपहर से ठीक पहले 350 से अधिक उपयोगकर्ताओं ने क्लाउड एआई की सेवा ठप होने की रिपोर्ट की, लेकिन यह व्यवधान जल्द ही कम हो गया।

हिजबुल्ला के लगातार हमलों के बाद लेबनान में घुसी इजराइल की सेना

- सीमा पर कई चौकियों को खाली करके पीछे हटीं लेबनानी फौजें
- बेरुत हमले में ईरानी कुद्स फोर्स के अध्यक्ष रेजा खजाई की मौत

तेल अवीव, एजेंसी

ईरान के समर्थन में लेबनान के आतंकी संगठन हिजबुल्ला ने मंगलवार को भी इजराइल में कई हमले किए। इसके जवाब में इजराइली सेना ने यहां भी मोर्चा खोल दिया है और लेबनान की सीमा पार कर अंदर घुस गई। लेबनानी फौजों को सीमा पर बनी कई चौकियों को खाली करके पीछे हटना पड़ा। इजराइली सेना ने 80 गांवों को खाली करने को कहा है।

इजराइली हमलों में बेरुत में ईरान की कुद्स फोर्स के अध्यक्ष रेजा खजाई की भी मौत हो गई है। इजराइली रक्षा मंत्री इजरायल काट्ज ने कहा है कि सेनाओं को लेबनान में और कई रणनीतिक जगहों पर कब्जा करने की इजाजत दे दी गई है। इससे पहले मंगलवार सुबह पांच बजे से हिजबुल्ला ने इजराइली सैन्य ठिकानों को निशाना बनाकर ड्रोन और रॉकेट हमले शुरू किए। हिजबुल्ला ने उत्तरी इजराइल में रामत डेविड एयरबेस और मेरोन मॉनिटरिंग बेस पर रडार साइटों और नियंत्रण कक्षों को निशाना बनाकर हमलावर ड्रोन भेजे। इसके साथ ही सीरियाई गोलन हाइट्स में नफाह सैन्य बेस पर रॉकेट हमले किए गए।

आमने-सामने के युद्ध के लिए तैयार : हिजबुल्ला

बेरुत। इजराइल ने दक्षिणी लेबनान में 80 से अधिक गांवों के लोगों घर छोड़कर चले जाने को कहा है, वहीं हिजबुल्ला ने कहा कि वह आमने-सामने के युद्ध के लिए तैयार है। हिजबुल्ला ने कहा कि इजराइल की ओर से लेबनान पर लगातार हमले जारी रहने के बावजूद एक साल से अधिक समय तक युद्धविराम का पालन करने के बाद उसका धैर्य समाप्त हो गया है। उसके पास प्रतिरोध की ओर लौटने और इजराइल के साथ खुला युद्ध लड़ने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है।

ईरान ने किया हमलों में 650 अमेरिकी सैनिक मारे जाने का दावा

तेहरान। ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर (आईआरजीसी) ने अमेरिकी बलों के खिलाफ उसकी जवाबी कार्रवाई में उसके 650 सैनिकों के मारे जाने का दावा किया है। यह भी कहा कि उसके मिसाइल हमले में एक अमेरिकी लड़ाकू सहयोगी पोत को भारी नुकसान पहुंचा है। अमेरिका का विमानवाहक पोत अब्राहम लिंकन भी चार क्रूज मिसाइल दागने के बाद हिंद महासागर की ओर भाग गया है। उसकी मिसाइलों और ड्रोन ने बहरीन में अमेरिकी नौसेना के पांचवें बेड़े के मुख्यालय को कई बार निशाना बनाया। बहरीन में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर हमलों में 160 सैनिक मारे गए हैं।

ईरान को अब तक भारी नुकसान, हमलों की बड़ी लहर बाकी : ट्रंप

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि अमेरिकी सुरक्षा बल लगातार ईरान को भारी नुकसान पहुंचा रहे हैं। शुरुआती हमलों में ही ईरान की 49 राजनीतिक और सैन्य हस्तियों का खात्मा कर दिया गया है। हालांकि अमेरिका के सैन्य अभियान का सबसे तीव्र चरण अभी शुरू होना बाकी है। ट्रंप ने कहा कि कार्रवाई बहुत प्रभावी है और अमेरिका अपनी सैन्य शक्ति का उपयोग कर रहा है।

ईरान ने बंद किया होर्मुज, भारत की चिंताएं बढ़ीं

- मोदी ने ओमान, कुवैत और कतर के नेताओं के साथ की नाजुक होते हालात पर चर्चा

तेहरान, एजेंसी

ईरान ने मंगलवार को अतिव्यस्त समुद्री मार्ग होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद करने का एलान कर दिया। साथ ही इस मार्ग से गुजरने वाले जहाजों को हमले की चेतावनी भी दी है। दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण तेल मार्ग को बंद करने की घोषणा से भारत की चिंता बढ़ गई है। मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस सिलसिले में खाड़ी देशों के नेताओं के साथ चर्चा की और चिंता जताई।

होर्मुज मार्ग से दुनिया भर में होने वाली तेल खपत का लगभग पांचवां हिस्सा इसी जलमार्ग से होकर गुजरता है। मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ओमान, कुवैत और कतर के नेताओं के साथ इस नाजुक स्थिति पर चर्चा की। इस बीच भारत की ओर से संघर्ष को समाप्त करने के लिए संवाद और कूटनीति का आह्वान किया गया है।

कच्चे तेल की कीमतों में आया और उछाल

ईरान की ओर से खाड़ी देशों के ऊर्जा प्रतिष्ठानों पर हमलों और होर्मुज जलडमरू मध्य समुद्री मार्ग को बंद किए जाने के एलान के बाद मंगलवार को कच्चे तेल की कीमतों में और तेज उछाल आया। अंतर्राष्ट्रीय बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 82 से 85 डॉलर प्रति बैरल के बीच पहुंच गया जो 2024 के बाद का उच्चतम स्तर है। मंगलवार को इसमें लगभग 1.4 प्रतिशत से से 6 .5 प्रतिशत की वृद्धि हुई। अमेरिकी बेंचमार्क डब्ल्यूटीआई भी उछलकर 76 से 77 डॉलर प्रति बैरल के आसपास पहुंच गया है। विशेषज्ञों का दावा है कि यदि यह संघर्ष लंबा खिंचा तो कच्चे तेल की कीमतें 100 से 150 डॉलर प्रति बैरल तक भी जा सकती हैं।

भारतीय ध्वज लगे 37 जहाज, 1100 नाविक फंसे

नई दिल्ली। होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर गुजरने वाला प्रमुख मार्ग बंद होने से 1100 से अधिक नाविकों समेत भारतीय ध्वज वाले 37 जहाज फारस की खाड़ी, ओमान की खाड़ी और आसपास के समुद्र में फंस गए हैं। इनमें से कुछ जहाज भारतीय बंदरगाहों की तरफ जा रहे थे। इन जहाजों में कच्चा तेल और एलएनजी है। कुछ जहाज पेट्रोलियम उत्पाद लाने के लिये खाड़ी देशों की ओर जा रहे थे।

आसमान में अद्भुत नजारा

नई दिल्ली। चंद्र ग्रहण के दौरान मंगलवार को लाख लोग आसमान में अद्भुत नजारा देखने के लिए लालायित रहे। यह चंद्र ग्रहण दोपहर 3:20 से लेकर 18:48 बजे तक रहा। गुवाहाटी से लेकर दिल्ली तक लोगों ने टेलिस्कोप की मदद से ब्लड मून देखा। पूर्वोत्तर राज्यों में सूर्यास्त के बाद पूर्ण चंद्र ग्रहण का स्पष्ट नजारा देखने को मिला। इससे पहले भारत में चंद्र ग्रहण सात-आठ सितंबर 2025 को दिखा था। चंद्र ग्रहण के बाद लोगों ने नदियों और सरोवरों में स्नान किया।

राज्यसभा चुनाव के लिए भाजपा ने घोषित किए नौ उम्मीदवारों के नाम

- पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन बिहार से लड़ेंगे चुनाव

नई दिल्ली, एजेंसी

भाजपा के अध्यक्ष नितिन नवीन को आगामी राज्यसभा चुनावों के लिए मंगलवार को घोषित सूची में बिहार से पार्टी का उम्मीदवार बनाया गया। भाजपा ने राज्यसभा चुनावों के लिए नौ उम्मीदवारों की सूची जारी की है, जिसमें पार्टी की पश्चिम बंगाल इकाई के पूर्व अध्यक्ष राहुल सिन्हा और छत्तीसगढ़ इकाई की उपाध्यक्ष लक्ष्मी वर्मा को उनके राज्यों से मैदान में उतारा गया है।

असम के लोक निर्माण मंत्री जोगेन मोहन और विधायक तेराश गोवाला राज्य से संसद के उच्च सदन के चुनावों के लिए भाजपा के प्रत्याशी होंगे। भाजपा ने अपनी ओडिशा इकाई के अध्यक्ष मनमोहन सामल और मौजूदा राज्यसभा सदस्य सुजीत कुमार को भी आगामी राज्यसभा चुनावों के लिए राज्य से अपना उम्मीदवार बनाया है। कुमार का कार्यकाल अप्रैल में समाप्त होगा। राज्य के पूर्व मंत्री सामल 2024 के ओडिशा विधानसभा चुनाव में हार गए थे। पार्टी नेता शिवेश कुमार बिहार से चुनाव लड़ेंगे, वहीं पार्टी के पूर्व लोकसभा सदस्य संजय भाटिया हरियाणा से राज्यसभा चुनाव में प्रत्याशी होंगे। शिवेश कुमार भाजपा की बिहार इकाई के महासचिव हैं।

राजौरी में विमान के आकार का गुब्बारा मिला

जम्मू। जम्मू कश्मीर के राजौरी जिले में पुलिस ने मंगलवार को विमान के आकार का गुब्बारा बरामद किया जिस पर 'पीआईए' लिखा हुआ था।

अधिकारियों ने बताया कि धर्मसाल थाना क्षेत्र के अंतर्गत सरहोती गांव में उर्दू में 'पीआईए' लिखा हुआ लाल और सफेद रंग का विमान के आकार का गुब्बारा मिला है। गुब्बारे के दिखने के बाद लोगों ने अधिकारियों को सूचित किया। अधिकारियों ने बताया कि टेरीथ पुलिस चौकी के पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे, गुब्बारे को अपने कब्जे में लेकर उसे जब्त कर लिया। इससे पहले, 23 फरवरी को अखनूर सेक्टर के गुनारा गांव से दो गुब्बारे बरामद किए गए थे।

जनता दर्शन | मुख्यमंत्री ने 150 फरियादियों की समस्याओं को सुना, अधिकारियों को दिए निर्देश

बेफिक्र होकर कराएं इलाज, सरकार देगी आर्थिक मदद

राज्य ब्यूरो,लखनऊ/गोरखपुर

जनता दर्शन में इलाज में आर्थिक सहायता की मांग लेकर पहुंचे लोगों को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आश्वस्त करते हुए कहा कि वे बेफिक्र होकर अच्छे अस्पताल में उपचार कराएं, सरकार उनकी हर संभव मदद करेगी।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिन मरीजों को आर्थिक सहायता की आवश्यकता है, उनके इलाज का इस्टीमेट शीघ्र तैयार कर शासन को भेजा जाए, ताकि मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से सहायता राशि उपलब्ध कराई जा सके।

होलिकोत्सव के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी ने मंगलवार सुबह गोरखनाथ मंदिर परिसर में जनता दर्शन में करीब 150 लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। मुख्यमंत्री ने एक-एक फरियादी के पास जाकर प्रार्थना पत्र लिए और अधिकारियों को त्वरित व संतुष्टिपरक निस्तारण के निर्देश दिए। किडनी की बीमारी से जूझ रहे एक व्यक्ति ने आर्थिक तंगी की बात रखी। मुख्यमंत्री ने उससे आयुष्मान कार्ड के बारे में पूछा। कार्ड न होने पर उन्होंने आश्वासन दिया कि इलाज के लिए पर्याप्त आर्थिक मदद दी जाएगी और धन की कमी आड़े नहीं आने दी जाएगी।

जनता दर्शन के दौरान लोगों की फरियादें सुनते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

समस्याओं के त्वरित समाधान के निर्देश

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि जनता की हर शिकायत का गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए, ताकि किसी को भी अनावश्यक परेशान न होना पड़े। उन्होंने कहा कि समस्याओं के समाधान में पूरी गंभीरता और संवेदनशीलता बरती जाए। मुख्यमंत्री ने जमीन कब्जाने और दबंगई के मामलों में कड़ी कानूनी कार्रवाई के निर्देश देते हुए स्पष्ट किया कि ऐसे मामलों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। साथ ही, जनता दर्शन में आए बच्चों को मुख्यमंत्री ने स्नेहपूर्वक आशीर्वाद दिया, चॉकलेट भेंट की और उन्हें मन लगाकर पढ़ाई करने के लिए प्रेरित किया।

Happy Holi

होली की हार्दिक शुभकामनाएं

Happy Holi

कॉलेज कोड-2919

आर.के.प्राइवेट आई.टी.आई.

हुल्लापुर चौराहा, हरदोई रोड, शाहजहाँपुर

NCVT भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त

सीमित सीट प्रवेश प्रारम्भ सीमित सीट

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा छात्रवृत्ति एवं फ्री टैबलेट योजना का लाभ

Trade • •Fitter • Electrician

• अनुभवी अनुदेशक • पुस्तकालय

• सुसज्जित लैब • 100% कंपनी जॉब

SESSION 2025

जरूरी कागजात

1. पासपोर्ट साइज 2 फोटो, 2. हाईस्कूल, इण्टरमीडियट व आधार कार्ड की 2-2 फोटो कॉपी

अधिक जानकारी हेतु

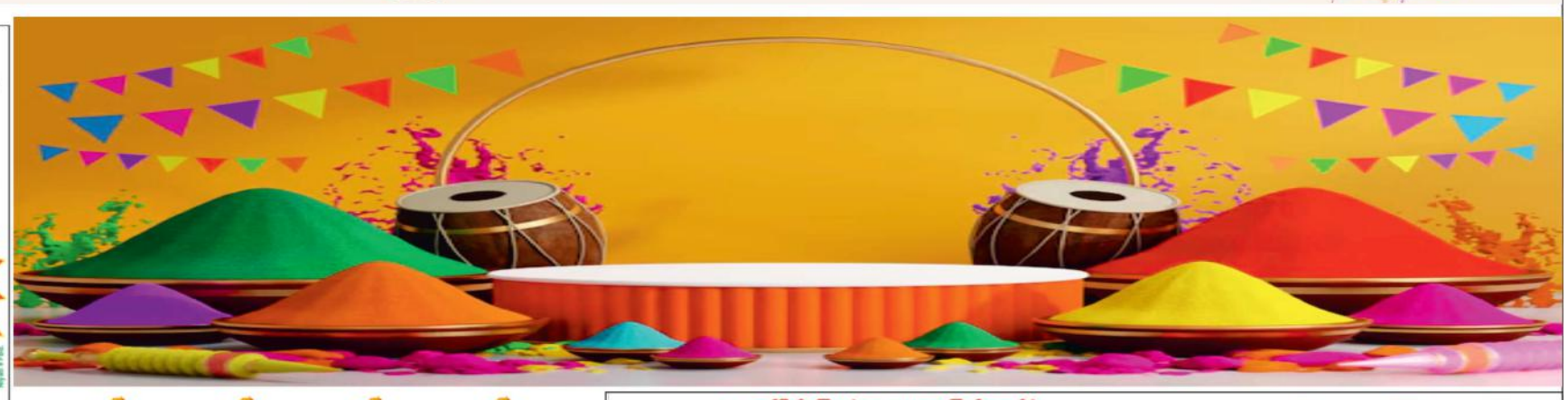

8009542272, 7525986151, 9451517129

पता - हुल्लापुर चौराहा, अल्हागंज, शाहजहाँपुर

55 वर्षों से निरंतर आपकी सेवा में

कुमार कन्फैक्शनरी

रावत परिवार की ओर से आप सभी को होली की हार्दिक शुभकामनाएं

55 वर्षों से निरंतर आपकी सेवा में

कुमार कन्फैक्शनरी

रावत परिवार की ओर से आप सभी को रंगों के पर्व होली की हार्दिक शुभकामनाएं

आप सभी क्षेत्रवासियों को रंगों के पावन पर्व होली की हार्दिक शुभकामनाएं

।। जय जवान ।। ।। जय विज्ञान ।। ।। जय किसान ।।

किसानों की पहली पसन्द

नंदा ट्राली

नंदा ब्रदर्स, बण्डा रोड, पुवायाँ

M.: 9918511111, 9628911111, 8081362210

हमारे यहाँ सभी प्रकार की ट्राली जैसे - छोटी ट्राली, सादा ट्राली, प्रेशर ट्राली, पंजाब मॉडल ट्राली उपलब्ध है।

समस्त क्षेत्रवासियों को होली पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं

डॉ. एन. के. मिश्रा एम. बी. बी. एस.

ग्लोवल हॉस्पिटल

नखाशे के सामने, निकट फल मंडी मीरानपुर कटरा शाहजहांपुर मो. 9839045793

समस्त क्षेत्रवासियों को होली पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं

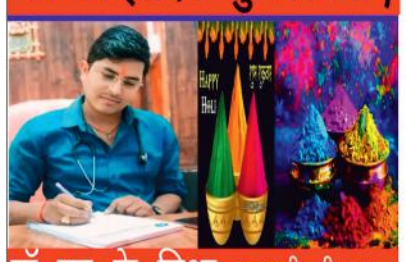

वीर विक्रम सिंह प्रिंस भाजपा विधायक

शान फिलिंग स्टेशन

शान मैरिज लॉन

प्रो0 आरिश खान

समाजसेवी

मीरानपुर कटरा खुदागंज मार्ग शाहजहांपुर मो. 9559609155

समस्त क्षेत्रवासियों को होली पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं

डॉ जोहरी लाल (अध्यक्ष) अनुग्रह दृष्टिदान संस्था नई दिल्ली

अरुण कुमार सोनू प्रा. सावित्री इंडियन गैस एजेंसी

मीरानपुर कटरा शाहजहांपुर के समस्त क्षेत्रवासियों को होली के पावन की हार्दिक शुभकामनाएं..

आप सभी क्षेत्रवासियों को रंगों के पावन पर्व होली की हार्दिक शुभकामनाएं

अमित श्रीवास्तव

एडवोकेट एवं संस्थापक

मानवता वेलफेयर सोसाइटी

सामाजिक सरोकारों के प्रति प्रतिबद्ध संस्था, शाहजहांपुर मो. 9506318394

आर0एम0एल0 ग्रुप ऑफ इन्स्टीट्यूशन्स

कुवरपुर बड़ागांव, पुवाया, शाहजहांपुर

की ओर से

रंगों के त्योहार होली की हार्दिक शुभकामनायें।

HOLI 2026

वर्षा गोस्वामी चेयरमैन

डॉ0 आर.एम.एल आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एवं चिकित्सालय

डॉ0 आर.एम.एल इन्स्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी

आर.एम.एल इन्स्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइन्सेज

आर.एम.एल लाइफ केयर हॉस्पिटल

समस्त क्षेत्रवासियों को होली पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं

ठाकुर अरुण प्रताप सिंह जिला पंचायत सदस्य

भतीजे ठा0 सुरा सिंह नवादा पूर्व विधायक प्रत्याशी 131 कटरा विधानसभा क्षेत्र

समस्त क्षेत्रवासियों को होली पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं

डॉ. फैजान खान प्रभारी चिकित्सा अधिकारी

अजीत सिंह बी. पी. एम.

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मीरानपुर कटरा जनपद शाहजहांपुर

आप सभी क्षेत्रवासियों को रंगों के पावन पर्व होली की हार्दिक शुभकामनाएं

संजय सिंह

प्रदेश महामंत्री

उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ, शाहजहांपुर

आप सभी क्षेत्रवासियों को रंगों के पावन पर्व होली की हार्दिक शुभकामनाएं

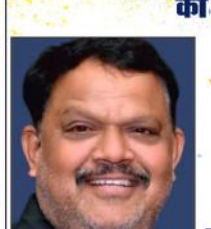

सतेंद्र कुमार सिंह

युवा जिलाध्यक्ष

भारतीय किसान यूनियन भानु

फर्मः- अर्पित एग्रो एजेंसी

8009003685, 8090703685

आप सभी क्षेत्रवासियों को रंगों के पावन पर्व होली की हार्दिक शुभकामनाएं

अनीत कुमार त्रिवेदी

एडवोकेट

पूर्व महासचिव सेन्ट्रल बार एसोसिएशन

सह संयोजक

भाजपा महानगर (विधि प्रकोष्ठ)

शाहजहांपुर

आप सभी क्षेत्रवासियों को रंगों के पावन पर्व होली की हार्दिक शुभकामनाएं

सुभाष चन्द्र मिश्रा

लेखाकार

नगर निगम, शाहजहांपुर

आप सभी क्षेत्रवासियों को रंगों के पावन पर्व होली की हार्दिक शुभकामनाएं

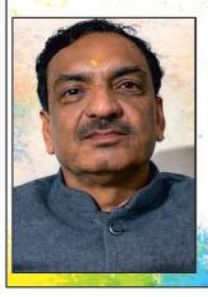

सरताज मंसूरी

क्षेत्रीय संयोजक योग

(पश्चिमी उत्तर प्रदेश-उत्तराखंड)

मुस्लिम राष्ट्रीय मंच, शाहजहांपुर

आप सभी क्षेत्रवासियों को रंगों के पावन पर्व होली की हार्दिक शुभकामनाएं

फिरोज अली प्रदेश उपाध्यक्ष

तरुण सोनी जिलाध्यक्ष

राम बाबू प्रजापति जिला मंत्री

उत्तर प्रदेश लोक निर्माण विभाग मिनिस्ट्रीयल एसोसिएशन, शाहजहांपुर

Happy Holi to all of you

MARWAH MODERN SCHOOL

POWAYAN, SHAHJAHANPUR

तारा सिंह डायरेक्टर Mob.: 9936077678

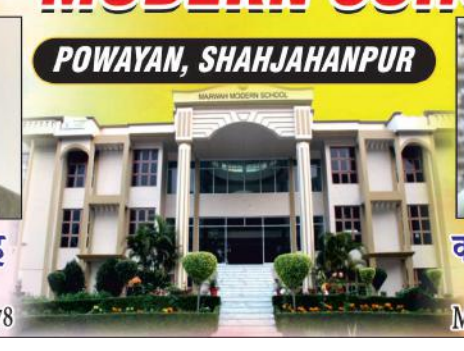

कमलजीत सिंह सह डायरेक्टर Mob.: 9936077658

आप सभी क्षेत्रवासियों को रंगों के पावन पर्व होली की हार्दिक शुभकामनाएं

डा. आनंद प्रकाश मिश्रा

(एम बी बी एस)

शुकदेव हॉस्पिटल

कांट, शाहजहांपुर

आवासः- खलील गरबी, सीतापुर आँख अस्पताल के सामने, शाहजहांपुर

मोबाइलः- 9956957490

आप सभी क्षेत्रवासियों को रंगों के पावन पर्व होली की हार्दिक शुभकामनाएं

स्थापितः- 1984

आर्य महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय

(एम जे पी रुहेलखंड विश्वविद्यालय, बरेली से संबद्ध एवं शासन से अनुदानित) शाहजहांपुर

बी. ए., बी. एस. सी. (बायो ग्रुप/ मैथ्स ग्रुप), बी. कॉम., बी. कॉम. (फाइनेंशियल सर्विसेज), एम. ए. (अर्थ शास्त्र, समाज शास्त्र, अंग्रेजी), एम. एस. सी. (रसायन विज्ञान), एम. कॉम, पी.जी. डिप्लोमा कार्यालय प्रबंधन एवं सचिवीय पद्धति।

श्रीमती रामा सिंह (अध्यक्ष)

अमितेश अमित (सचिव/प्रबंधक)

मोबाइलः- 9889387899

रंजिश में दंपती पर लाठी-डंडों से किया हमला

कलान, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के ग्राम पुन्नी नगला निवासी शेर सिंह वर्मा को मंगलवार सुबह करीब 10:30 बजे गांव में दुकान के सामने पुरानी रंजिश को लेकर आरोपियों ने लाठी-डंडों से पीट दिया।

बताया जाता है कि शेर सिंह वर्मा को पिटता देख उनकी पत्नी लता देवी बचाने के लिए पहुंची तो आरोपियों ने उन्हें भी लाठी-डंडों से मारपीट कर घायल कर दिया। घटना के बाद पीड़ित दंपती की ओर से पीआरबी पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस दोनों घायलों को उपचार के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंची, जहां उनका इलाज किया गया। मारपीट कर घायल कर दिया। घटना के बाद पीड़ित दंपती की ओर से पीआरबी पुलिस को सूचना दी गई। इस संबंध में हलका इंचार्ज रामकुमार ने बताया कि तहरीर मिलने के बाद जांच कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

रंग-गुलाल व फूलों से खेली होली, किया नृत्य

हनुमत धाम के पास कार्यक्रम में होली को लेकर लोगों में देखने को मिला उत्साह

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की ओर से मंगलवार को हनुमत धाम के पास भगवा होली का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों ने शामिल होकर रंग-गुलाल के साथ फूलों से होली खेली। सुबह 7 बजे से ही लोग कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने लगे, यहां आने वाले लोगों का गुलाल लगाकर स्वागत किया गया।

इसके बाद लोगों ने एक-दूसरे को रंग-गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं और माहौल उत्साहपूर्ण हो गया। कार्यक्रम के दौरान होली गीतों पर लोगों ने जमकर नृत्य किया। ददरौल विधायक अरविंद सिंह भी कार्यक्रम में पहुंचे और लोगों को होली की बधाई दी। आयोजन में रवि मिश्रा, अभिनव तिवारी, किशोर गुप्ता आदि मौजूद रहे।

हनुमत धाम के पास आयोजित कार्यक्रम में भगवा होली में रंग-गुलाल खेलते लोग। ● अमृत विचार

व्यापार मंडल कार्यालय में रंग गुलाल लगाकर होली खेलते व्यापारी।

व्यापार मंडल कार्यालय में रंग लगाकर खेली होली

शाहजहांपुर, अमृत विचार : उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल कार्यालय पर महानगर अध्यक्ष सचिन बाथम के नेतृत्व में होली उत्सव का आयोजन किया गया। इस व्यापार मण्डल में हिन्दू मुस्लिम एकता का अनूठा संगम देखने को मिला।

सर्व प्रथम महानगर अध्यक्ष सचिन बाथम ने सभी रंग गुलाल लगाकर और एक से गले मिलकर होली की बधाई दी। सचिन बाथम ने कहा कि उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के सभी पदाधिकारी सर्वधर्म के लोग मिलकर होली का त्योहार बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाते हैं। जिसमें हमारा व्यापार मण्डल होली पर निकलने वाले जुलूस का पूर्ण सहयोग करता है। पुलिस प्रशासन का हर कदम से कदम मिलाकर जुलूस को सकुशल सम्पन्न कराने में विशेष योगदान रहता है। बाथम ने कहा कि जनपद शाहजहांपुर शहीदों की धरती है यहां पर सभी लोग हर त्योहारों को एक साथ मिलकर मनाते हैं। यही हमारे जनपद की परम्परा है। अंत में उन्होंने ने अपने व्यापार मण्डल की ओर सभी जनपद वासियों को होली ढेर सारी शुभकामनाएं दी। इस मौके पर महानगर अध्यक्ष सचिन बाथम, जिला महामंत्री आकाश दीप गुप्ता, महानगर महामंत्री अमित शर्मा, युवा जिला अध्यक्ष उवैस खान, युवा महानगर अध्यक्ष हनी सिंह, इक़बाल उर्फ़ लकी खान, रेहान मिर्ज़ा, विवेक सहगल, पंकज टंडन, अशोक गुप्ता, आदित्य कश्यप, शिवा कुमार आदि व्यापारी मौजूद रहे।

अपने जीवन में स्वदेशी का भाव लाएं : डॉ. राजीव कुमार

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- होली की पूर्व संध्या पर स्वदेशी होली मिलन का किया आयोजन
- लोगों ने मिठाई, गुझिया और नमकीन का जमकर लिया आनंद

अमृत विचार : स्वदेशी जागरण मंच के तत्वाधान में आर्य महिला महाविद्यालय के सभागार में होली की पूर्व संध्या पर स्वदेशी होली मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसका शुभारंभ राष्ट्रऋषि दत्तोपंत ठेंगड़ी एवं भारत माता के चित्र पर मुख्य अतिथि अखिल भारतीय विचार विभाग प्रमुख डॉ. राजीव कुमार ने किया।

आर्य समाज से हरिप्रसाद पाण्डेय, राजेश शुक्ला एवं जगत नारायण अवस्थी ने डा० राजीव कुमार का अंगवस्त्र भेंटकर स्वागत किया। डा0 राजीव कुमार ने अपने संबोधन में होलिकोत्सव की बधाई देते हुए कहा कि हमें अपने जीवन में स्वदेशी का भाव लाना है।

हमारा खान-पान एवं संस्कृति, रहन सहन, तथा उद्योग एवं कुटीर उद्योग स्वदेशी आधारित होना चाहिए। आज बड़ी संख्या में युवा बेरोजगार है। हमे उद्यमिता को प्रोत्साहित कर स्वरोजगार की ओर प्रेरित करते हुए स्थानीय सामान एवं बाजार को महत्व देना होगा तभी हमारा युवा बेरोजगार के दंश से वाहर निकल कर आत्मनिर्भर बनेगा।

स्वदेशी जागरण मंच के पश्चिमी उप्र के संयोजक डा. अमितश अमित ने कहा कि उद्यमिता पर ध्यान देने से लोगों को रोजगार प्राप्त होगा और देश समृद्धि की ओर बढ़ेगा स्वदेशी का जन जागरण कर हमें स्व-निर्मित उत्पाद को बढ़ावा देना होगा। सहकार भारती के अभिनव कश्यप ने कहा कि हम सहकार के माध्यम से बड़े-बड़े कार्य सरलता से कर सकते हैं। कार्यक्रम में फूलों की होली एवं गुलाल लगाकर गले मिलते हुए प्रेम का सन्देश दिया गया। संचालन महानगर संयोजक अरविंद मिश्रा ने किया।

सभी का आभार सह-संयोजक अवधेश दीक्षित ने व्यक्त किया। मिठाई, गुझिया, नमकीन से लोगों ने त्योहार का आनंद लिया। भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद नई दिल्ली में नामित सदस्य डॉ. राजीव कुमार के प्रथम बार शाहजहांपुर आगमन पर संगठनों के प्रतिनिधियों ने माल्यार्पण कर व प्रतीक चिन्ह देकर तथा अंगवस्त्र भेंट कर स्वागत किया।

समारोह में गायत्री दीक्षित, विनय सक्सेना, शिवनन्दन सागर, शिवम कश्यप, प्रमोद सक्सेना, देवेश त्रिपाठी, राजभूषण जौहरी, पंकज टण्डन, जगजीत शर्मा, डॉ. रानू दुबे, डॉ. एमपीएस, डॉ. आशीष गोयल, डॉ. विजय गुप्ता, डॉ. मृदुल शुक्ला, डॉ. गुलशन रस्तोगी, राधा रमन मिश्रा एवं मनीष मिश्रा आदि उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ. राजीव कुमार को स्मृति चिन्ह भेंट करते आयोजक।

पुलिस-प्रशासनिक अफसरों ने लाट साहब के जुलूस का किया रिहर्सल

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार : पुलिस प्रशासन ने रंग वाले दिन निकलने वाले बड़े लाट साहब के जुलूस का रिहर्सल किया। पुलिस ने जीप को भैसा गाड़ी का रूप देकर रस्सी से घेरा बनाकर चलाई। जिस मार्ग से लाट साहब का जुलूस निकलेगा, उसी मार्ग पर रिहर्सल किया है। शांति एवं सुरक्षा की दृष्टि से रिहर्सल में पैरा मिलिट्री फोर्स, पीएसी, जिले का पुलिस फोर्स था। यह पहली बार लाट साहब के जुलूस का रिहर्सल किया गया है।

शहर में चौक कोतवाली क्षेत्र से बड़े लाट साहब और रामचंद्र मिशन थाना क्षेत्र से छोटे लाट साहब का बुधवार को निकलेगा। यह जुलूस अनोखा निकलता था। पुलिस प्रशासन ने निकलने वाले बड़े लाट साहब का जुलूस मंगलवार को रिहर्सल किया। पुलिस भैसा गाड़ी की तरह जीप में आयोजकों को बैठाया । रिहर्सल के रुप में जीप की चारों तरफ से रस्सी से घेराबंदी करके चौक कोतवाली से प्रारंभ होकर चार खंभा, केरूगंज, जेल रोड, खिरनी बाग चौराहा, सदर बाजार चौराहा, टाउन हाल मंदिर, पंखी चौराहा, बहादुरगंज, घंटाघर, मालखाना मोड़, कच्चा कटरा मोड़, चौक कोतवाली, पट्टी गली होते हुए सरौदी बंगले पर समय से समाप्त किया। रिहर्सल जुलूस में संवेदनशील और अतिसंवेदनशील स्थानों को चिन्हित किया गया। सभी बेरीकेडिंग वाले स्थानों को भी देखा गया। रिहर्सल जुलूस में एएसपी ग्रामीण देवेंद्र कुमार, सीओ सिटी पंकज पंत, सदर बाजार, चौक कोतवाली प्रभारी निरीक्षक, पैरा मिलिट्री फोर्स, पीएसी, जिले और गैर जिले का पुलिस फोर्स माजूद रहा। पुलिस प्रशासन ने बुधवार को निकलने वाले बड़े लाट साहब और छोटे लाट साहब के जुलूस को लेकर ड्रोन कैमरे से निगरानी की गई। संवेदनशील और अतिसंवेदनशील स्थानों पर पुलिस फोर्स तैनात रहेगा। इसके अलावा थाना और पुलिस लाइन में पुलिस फोर्स रिजर्व रहेगा।

एडीजी व डीआईजी पल-पल की लेंगे खबर : बरेली के जोन के एडीजी रमित शर्मा और डीआईजी अजय कुमार साहनी बड़े लाट साहब और छोटे लाट साहब के निकलने वाले जुलूस की पल-पल यहां के पुलिस अधिकारियों से खबर लेगे। दोनों अधिकारियों ने जुलूस को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए पीस कमेटी की बैठक ली थी। बरेली, मुरादाबाद, बिजनौर, पीलीभीत जिले से भी फोर्स आया है।

दो और पहिया वाहन होंगे सीज : पुलिस प्रशासन ने रंग वाले दिन बुधवार को दोपहर एक बजे तक दो पहिया और चार पहिया वाहनों पर प्रतिबंध लगाया है। रंग के समय कोई वाहन सड़क पर लेकर निकला तो वाहन सीज कर दिया जाएगा। प्रत्येक चौराहे और तिराहे पर पुलिस कर्मचारियों की डियूटी लगायी गयी है। शराब पीकर झगड़ा करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

शाहजहांपुर में होली पर निकलने वाले लाट साहब के जुलूस का रिहर्सल करते पुलिस-प्रशासन अधिकारी। ● अमृत विचार

गधे पर सवार होकर निकलेंगे छोटे लाट साहब

संवाददाता, पुवायां

- चौकी इंचार्ज देंगे सलामी, एक सप्ताह से है प्रशासन अलर्ट
- दशकों पुरानी परंपरा के तहत होली पर निकलेगा जुलूस

अमृत विचार : पुवायां क्षेत्र के बड़ागांव में होली के अवसर पर निकलने वाला छोटे लाट साहब का जुलूस अपनी अनोखी परंपराओं के चलते दूर-दराज तक प्रसिद्ध है। दशकों से चली आ रही परंपरा के अनुसार इस बार भी गांव के ही एक व्यक्ति को छोटे नवाब की उपाधि देकर गधे पर सवार कराया जाएगा और पूरे गांव में शोभायात्रा निकाली जाएगी।

परंपरा के मुताबिक सबसे पहले छोटे लाट साहब को गोबर के उपलों की माला पहनाई जाती है। इसके बाद उन्हें होलिका स्थल पर ले जाकर दर्शन और परिक्रमा कराई जाती है। खास बात यह है कि बड़ागांव चौकी इंचार्ज के द्वारा छोटे लाट साहब को औपचारिक सलामी दी जाती है, जिसके बाद जुलूस को रवाना किया जाता है। जुलूस को देखने के लिए आसपास के गांवों के साथ-साथ नगर क्षेत्र से भी बड़ी संख्या में लोग पहुंचते हैं। सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर क्षेत्र के कई थानों की पुलिस, प्रशासनिक अधिकारी और पुलिस बल मौके पर तैनात रहते हैं। जुलूस से पहले लगभग एक सप्ताह तक गांव में पुलिस और प्रशासन की निगरानी बनी रहती है। होली जलाने के शुभ मुहूर्त को लेकर इस बार कई ग्रामीण क्षेत्रों में सोमवार रात होलिका दहन नहीं किया गया। पूर्णिमा के समय के बाद ग्रहण का सुतककाल लगने के चलते कई गांवों में आग नहीं जलाई गई। नगर क्षेत्र सहित कुछ स्थानों पर सोमवार रात पूजन कर होली जलाई गई, जबकि कई गांवों में बुधवार सुबह होलिका दहन किया जाएगा। शुभ मुहूर्त के कारण बड़ागांव, चकउदन, सुनारा बुजुर्ग, नबाबपुर गंगा, आमडार सहित कई गांवों में बुधवार सुबह होली जलाई जाएगी। इसे लेकर प्रशासन की जिम्मेदारियां और सतर्कता बढ़ गई है।

दीर्घायु व उत्तम स्वास्थ्य के लिए की कामना

मुमुक्षु शिक्षा संकुल में स्वामी चिन्मयानंद सरस्वती का अभिनंदन करते शिक्षक।

संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: मुमुक्षु महोत्सव के सफल समापन के उपरांत तीन मार्च को मुमुक्षु शिक्षा संकुल के मुख्य अधिष्ठाता स्वामी चिन्मयानंद सरस्वती के जन्मदिवस पर पूरे शिक्षा संकुल में श्रद्धा और उल्लास का वातावरण रहा। संकुल की सभी शिक्षण संस्थाओं के शिक्षकों और शिक्षणेत्तर कर्मचारियों की ओर से जन्मदिन श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। प्रातःकाल से ही परिसर में आध्यात्मिक वातावरण बना रहा।

शिक्षकों, कर्मचारियों, विद्यार्थियों तथा समाज के विभिन्न लोगों ने पहुंचकर शुभकामनाएं अर्पित कीं। प्रबंध समिति के सचिव प्रो अवनीश मिश्र, प्राचार्य प्रो आर के आजाद और उपप्राचार्य प्रो अनुराग अग्रवाल ने पुष्पगुच्छ भेंटकर एवं माल्यार्पण कर अभिनंदन किया। वक्ताओं ने शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान और मार्गदर्शन को प्रेरणादायी बताया। जन्मदिवस पर सभी ने उनके दीर्घायु और उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। कार्यक्रम में प्रो आदित्य कुमार सिंह, प्रो प्रभात शुक्ला, डॉ. जयशंकर ओझा, डॉ अमीर सिंह यादव, डॉ मेघना मेहंदीरत्ता, डॉ आलोक कुमार सिंह, डॉ रामनिवास गुप्ता, डॉ पवन गुप्ता, डॉ आदर्श पांडेय, डॉ संदीप अवस्थी, डॉ कविता भटनागर सहित सभी शिक्षक, कर्मचारी और गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

कैंट मॉर्निंग वाकर्स क्लब ने मनाया रंगोत्सव

शाहजहांपुर, अमृत विचार : मंगलवार को ओसीएफ रामलीला मैदान में कैंट मॉर्निंग वाकर्स क्लब ने रंगोत्सव का आयोजन किया। इस दौरान लोगों ने एक दूसरे का होली की बधाई दी। कार्यक्रम में ददरौल विधायक अरविंद सिंह, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष वीरेंद्र यादव, कैंट बोर्ड उपाध्यक्ष अवधेश दीक्षित, डा यूडी कपूर, डा वाईके सिंह, डा विवेक गुप्ता, डॉ एके श्रीवास्तव, ग्रुप कैप्टन प्रमोद गुप्ता आदि ने सहभागिता की। साथ में वाकर्स प्रदीप मेहरोत्रा, मीनू गुप्ता, शोभित गुप्ता, मनोज सक्सेना, दीपक कबीर, अमरीश शुक्ला, राजकुमार, ध्रुव सक्सेना आदि वाकर्स उपस्थित रहे। अंत में सभी का अध्यक्ष डा अनिल त्रेहन ने आभार व्यक्त किया।

रंगोत्सव मनाते पदाधिकारी।

अमृत विचार

बरेली, बुधवार, 4 मार्च 2026

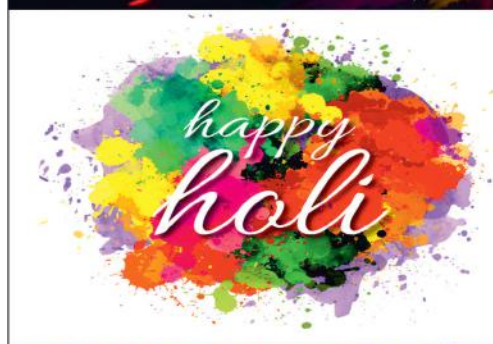

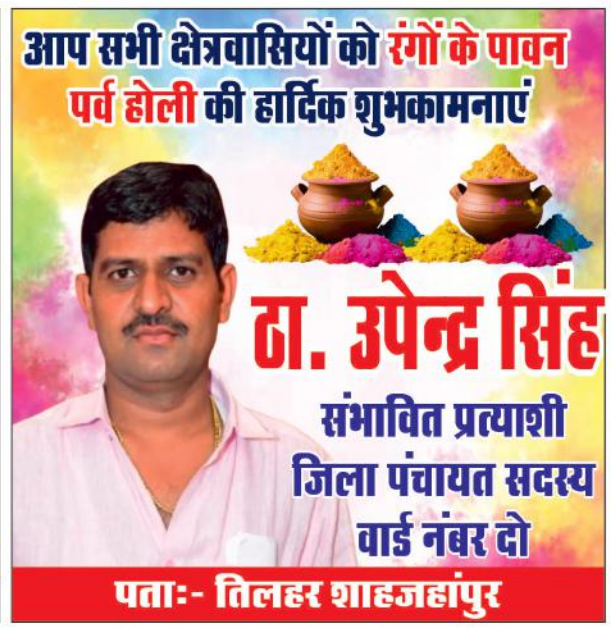

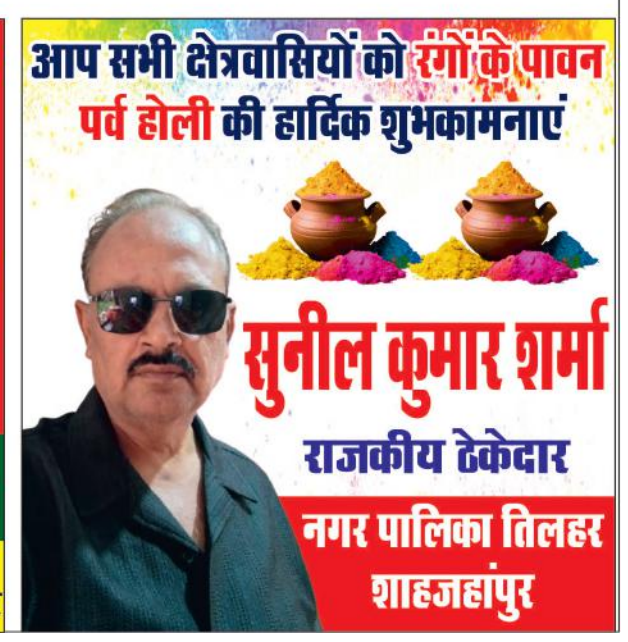

HAPPY HOLI
होली की हार्दिक शुभकामनाएं
HAPPY HOLI

आप सभी क्षेत्रवासियों को
होली पर्व
की हार्दिक शुभकामनायें
अरूण अग्रवाल
भाजपा नेता/पूर्व सभासद
अध्यक्ष- रोटरी क्लब, उझानी क्लासिक, उझानी

आप सभी क्षेत्रवासियों को
रंगों के पावन पर्व होली
की हार्दिक शुभकामनाएं
happy holi
आर.बी. इण्टर कॉलेज, वजीरगंज

आप सभी क्षेत्रवासियों को
होली की
शुभकामनाएं
सचिन अग्रवाल
नगर अध्यक्ष भाजपा

समस्त देशवासियों को
HAPPY HOLI
होली
के पावन पर्व पर
हार्दिक शुभकामनाएं
कुँवर राजेश कुमार सिंह
निवासी - ग्राम हजरतगंज उझानी बदायूँ
मोबा. 9412376225, 9639648899

आप सभी क्षेत्रवासियों को रंगों के पावन पर्व होली
की हार्दिक शुभकामनाएं
ठा. सत्यवीर सिंह
पूर्व जिला पंचायत सदस्य
ग्राम रौली उझानी, बदायूं

आप सभी क्षेत्रवासियों को रंगों के पावन पर्व होली
की हार्दिक शुभकामनाएं
Mother Sheel Memorial Academy
Jr. High School
A Step Towards Better Education
ADMISSION
OPEN
Enlighten Through Knowledge
For Play Group to 8th
प्रवेश प्रारम्भ
कक्षा प्ले ग्रुप से
कक्षा 8 तक
Join us and give your child the best future
Contact To Academy Office
Between 8:00 a.m. To 2:00 p.m.
On All Working Days
REQUIREMENTS
• Required Experienced Male & Female Teachers To Teach English Maths, Science, Computer, & Sanskrit.
• Send Self Hand Written Application With Complete Bio- Data.
Add:- Link Road, Punjabi Colony, Ujhani
Contact No
9997896601,7037760535

आप सभी क्षेत्रवासियों को
रंगों के पावन पर्व होली
की हार्दिक शुभकामनाएं
डॉ. सर्वेश
चिकित्सा अधीक्षक
सामुदायिक स्वास्थ्य
केंद्र, उझानी

आप सभी क्षेत्रवासियों को
रंगों के पावन पर्व होली
की हार्दिक शुभकामनाएं
मुनीश कुमार
दिवाकर
ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत
व्यौली वजीरगंज

आप सभी क्षेत्रवासियों को
रंगों के पावन पर्व होली
की हार्दिक शुभकामनाएं
रमेश चंद्र चौधरी
ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत
पुसगवा वजीरगंज

आप सभी क्षेत्रवासियों को
रंगों के पावन पर्व होली
की हार्दिक शुभकामनाएं
पवनकांत पाठक
ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत
नदवारी वजीरगंज

आप सभी क्षेत्रवासियों को
रंगों के पावन पर्व होली
की हार्दिक शुभकामनाएं
मजाहिर अली
ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत
उरैना वजीरगंज

आप सभी क्षेत्रवासियों को
होली
एवं
ईद-उल-फितर
की
हार्दिक
शुभकामनाऐं
मा. सलीम इकबाल शेरवानी
राष्ट्रीय महासचिव
पूर्व स्वास्थ्य मंत्री, भारत सरकार
समाजवादी पार्टी
ठाकुर योगेन्द्र सिंह तोमर
राष्ट्रीय सचिव, समाजवादी पार्टी

ग्रीन रुदायन
सभी नगर व क्षेत्रवासियों को
क्लीन रुदायन
नगर पंचायत रुदायन की ओर से
रंगों के पावन पर्व होली
की हार्दिक
शुभकामनाएं
एवं बधाई
happy holi
सीमा चौधरी
चेयरमैन
मुरली मनोहर गुप्ता
भाजपा नेता
समस्त सम्मानित सभासदगण
1. बेबी
2. नफीस अहमद
3. भीकम सिंह
4. मनीषा देवी
5. गुड्डो देवी
6. ऊषा देवी
7. राम सिंह
8. ओमवती
9. नरेन्द्र गुप्ता
10. नीरज गुप्ता
वेदप्रकाश यादव
अधिशासी अधिकारी
राजकुमार सक्सेना
लिपिक
अजय कुमार गुप्ता
लिपिक
नगर पंचायत रुदायन (बदायूँ)
पानी की टंकी खुली न छोड़ें
देय करों का भुगतान समय से करें
घरों का कूड़ा कचरा सड़क पर न फेंके
कूड़ा डोर टू डोर वाहन में ही डालें
अपील-
सिंगल यूज प्लास्टिक (पॉलिथिन) का उपयोग न करें।
पी०एम० सोलर उर्जा से अपने घर को रोशन करें।
नगर को साफ स्वच्छ रखने में नगर पंचायत का सहयोग करें।

अमृत विचार

बरेली, बुधवार, 4 मार्च 2026 शाहजहांपुर

न्यूज ब्रीफ

खलीक यूकेडी अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के केंद्रीय अध्यक्ष मनोनीत

शाहजहांपुर, अमृत विचार : जनपद के रहने वाले सूफी खलीक अहमद साबरी को उत्तराखण्ड क्रान्ति दल के केन्द्रीय अध्यक्ष सुरेन्द्र कुकरेती ने दल के अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ का केंद्रीय अध्यक्ष मनोनीत किया है। श्री कुकरेती ने भरोसा जताया कि सूफी खलीक अहमद दल की रीति-नीतियों को जनता के बीच ले जाकर संगठन को मजबूती प्रदान करेंगे, तथा दल के सभी राजनैतिक कार्यक्रमों एवं सांगठनिक गतिविधियों में शत प्रतिशत प्रतिभाग करेंगे। महानगर के मोहल्ला खलील शर्की के रहने वाले सूफी खलीक अहमद कुछ वर्षों से देहरादून में निवास कर रहे हैं। उनके केंद्रीय अध्यक्ष बनने पर यहां साबरी सूफी संत वेलफेयर ज्वाइंट सोसाइटी के नईम खां, महफूज अली, राशिद हुसैन, फरहान हैदर, शबाना, सद्दाम आदि ने बधाई देते हुए हर्ष व्यक्त किया। बता दें कि सूफी खलीक अहमद साबरी सूफी संत ज्वाइंट सोसाइटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष भी हैं।

गांव गुनारा में युवक ने आत्महत्या करने का किया प्रयास

शाहजहांपुर, अमृत विचार : जलालाबाद थाना क्षेत्र के गांव गुनारा में एक युवक ने किसी बात से नाराज होकर कमरे में कुंडे से रस्सी का फंदा गले में डालकर आत्महत्या का प्रयास किया। परिवार वालों ने उसे तुरंत उतार लिया और बेहोशी की हालत में जलालाबाद सीएचसी पर ले गए। डॉक्टर ने मेडिकल कालेज के लिए रेफर कर दिया।

राजस्थान में जहरीला पदार्थ खाने से जिले के युवक की मौत

शाहजहांपुर, अमृत विचार : जलालाबाद थाना क्षेत्र के गांव गुनारा निवासी 24 वर्षीय शाहरुख जयपुर में रहकर मजदूरी करता था। उसकी डेढ़ साल पहले शादी हुई थी और उसकी पत्नी भी साथ रहने लगी थी। रविवार शाम किसी बात को लेकर शाहरुख ने जहरीला पदार्थ खा लिया। लोग उसे अस्पताल ले गए थे। जहां उसकी मौत हो गई। पोस्टमार्टम के बाद जयपुर से उसका शव गांव गुनारा पहुंचा। परिवार में रोना पीटना मच गया।

शहर विधानसभा क्षेत्र में 92 करोड़ रुपये की लागत से बिछेगा 59 सड़कों का जाल

वित्त मंत्री के प्रस्तावों पर मुख्यमंत्री ने दी स्वीकृति, खराब सड़कों से शहर विधानसभा क्षेत्र के लोगों को मिलेगी राहत

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: शहर विधानसभा क्षेत्र में सड़क निर्माण और मरम्मत कार्यों को लेकर बड़ी सौगात मिली है। वित्त मंत्री की ओर से भेजे गए प्रस्तावों पर मुख्यमंत्री की स्वीकृति मिलने के बाद शहर विधानसभा क्षेत्र में 59 सड़कों के निर्माण और विशेष मरम्मत का रास्ता साफ हो गया है।

इन कार्यों पर करीब 92 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। खराब और जर्जर सड़कों की समस्या झेल रहे लोगों को इन परियोजनाओं के पूरा होने के बाद राहत मिलने की उम्मीद है। शासन स्तर से विभिन्न मार्गों के निर्माण, संपर्क मार्गों के नवनिर्माण तथा क्षतिग्रस्त सड़कों की विशेष मरम्मत के लिए धनराशि स्वीकृत की गई है। स्वीकृत कार्यों में शहर और आसपास के क्षेत्रों की मुख्य सड़कों, कॉलोनियों के संपर्क मार्गों, आबादी मार्गों तथा ग्रामीण क्षेत्रों को जोड़ने वाले मार्गों को शामिल किया गया है। कई स्थानों पर नई सड़कें बनाई जाएंगी, जबकि कई जर्जर मार्गों की विशेष मरम्मत कराई जाएगी। शासन की ओर से पहली किश्त की धनराशि भी जारी कर दी गई है, जिससे विभागीय स्तर पर तैयारियां शुरू हो गई हैं।

अधिकारियों के अनुसार मौसम अनुकूल रहने पर अप्रैल माह से निर्माण कार्य शुरू होने की संभावना है। सड़कों के निर्माण से आवागमन सुगम होगा और क्षेत्रीय विकास को गति मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। मंगलवार को वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने कैंट स्थित नेता जी सुभाष चंद्र बोस सामुदायिक भवन में पत्रकार वार्ता के दौरान बताया कि सड़कों के निर्माण से जनता को बड़ी राहत मिलेगी।

उन्होंने मुख्यमंत्री का सड़कों की मंजूरी के लिए आभार व्यक्त किया। इस दौरान डीएम धर्मेंद्र प्रताप सिंह, नगरायुक्त डॉ. बिपिन मिश्र, अपर नगरायुक्त एसके सिंह, अधिशासी अभियंता एमके पाल आदि रहे।

पत्रकार वार्ता करते वित्त मंत्री सुरेश खन्ना, साथ में डीएम धर्मेंद्र प्रताप सिंह।

- **पहली किश्त जारी, अप्रैल माह से कार्य शुरू होने की उम्मीद**

नगर क्षेत्र में इन मार्गों का होगा निर्माण

- हथौड़िया कृष्ण विहार कॉलोनी मार्ग
- हथौड़ा बुजुर्ग से स्टेडियम मार्ग
- हनुमान मूर्ति शहबाजनगर मार्ग से बेहटा रोड बड़े मोहल्ले तक मार्ग
- शहबाजनगर आईटीआई से ज्ञानी अमरीक सिंह झाला मार्ग
- ज्ञानी अमरीक सिंह झाला से हरभजन सिंह झाला मार्ग
- शहबाजनगर बड़ा बेहटा रोड से मोहल्ला कछियाना मार्ग
- शहबाजनगर खेड़ा मोहल्ला से गर्रा नदी मार्ग
- शहबाजनगर में चम्पा देवी प्रधान घर तक मार्ग
- शहबाजनगर में पोपराम घर तक मार्ग
- कैंट बासक मार्ग से आबादी भाग सीसी मार्ग
- स्टेशन रोड से कचहरी संपर्क मार्ग
- छावनी संपर्क मार्ग

हनुमतधाम होली समारोह में बढ़ चढ़ कर पहुंचे शिक्षक

हनुमतधाम होली समारोह में जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों संग होली खेलते शिक्षक।

संवाददाता, शाहजहांपुर

- **जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों संग रंग-गुलाल लगाकर दी होली की शुभकामनाएं**

अमृत विचार: हनुमतधाम पर आयोजित होली समारोह में शिक्षकों ने भी बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया और पूरे उत्साह के साथ रंगों के पर्व को मनाया। समारोह में शिक्षक पहले से तैयारी कर कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे और जनप्रतिनिधियों तथा अधिकारियों के साथ मिलकर होली खेली। इस दौरान शिक्षकों ने एक-दूसरे को रंग-गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं और आपसी सौहार्द का संदेश दिया।

कार्यक्रम स्थल पर उत्सवी माहौल बना रहा और सभी ने मिलकर पारंपरिक तरीके से होली का आनंद लिया। शिक्षकों, जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों की सहभागिता से समारोह में विशेष उत्साह देखने को मिला। इस दौरान शिक्षक नितिन मिश्रा, ब्लॉक प्रमुख नमित दीक्षित, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष अजय प्रताप सिंह यादव आदि रहे।

विश्वविद्यालयों व महाविद्यालयों में उद्यमिता केन्द्रों की स्थापना की मांग

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार : स्वदेशी जागरण मंच के शीर्ष नेतृत्व ने उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल से लखनऊ लोकभवन में भेंटकर राज्य में उद्यमिता आयोग के गठन, विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में उद्यमिता केंद्रों की स्थापना सहित अनेक विषयों पर चर्चा की। राज्यपाल को सात सूत्रीय मांगपत्र भी सौंपा।

स्वदेशी जागरण मंच के अखिल भारतीय विचार विभाग प्रमुख डॉ. राजीव कुमार के नेतृत्व में अखिल भारतीय सह समन्वयक डॉ. राजकुमार मित्तल, पूर्वी उत्तर प्रदेश क्षेत्र संयोजक अनुपम श्रीवास्तव, पश्चिमी उत्तर प्रदेश क्षेत्र संयोजक डॉ. अमितेश अमित, अवध प्रांत संयोजक अमित सिंह सहित पांच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल आनंदीबेन पटेल से भेंट कर सात सूत्रीय मांग पत्र सौंपा। डॉ. राजीव कुमार ने कहा कि नई शिक्षा नीति में चूंकि उद्यमिता विषय को सभी स्कूल, कॉलेजों में अनिवार्य करने का प्रस्ताव दिया गया है। इसलिए सरकार उद्यमिता विषय को पाठ्यक्रम में सम्मिलित कर स्कूल कॉलेजों में उद्यमिता केन्द्रों की स्थापना करें।

21 अगस्त को सभी विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में विश्व उद्यमिता दिवस के आयोजन, स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने को सरकारी विभागों में स्वदेशी उत्पादों की खरीद अनिवार्य करने एवं लघु एवं कुटीर उत्पादकों के उत्पादों को प्रोत्साहन देने हेतु सभी जिलों में स्वदेशी मेलों का आयोजन करने की मांग की। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने आश्वस्त किया कि राज्य सरकार से चर्चा कर उनकी इस पहल में पूरा सहयोग करेंगी।

लखनऊ के लोकभवन में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल से भेंट करते स्वदेशी जागरण मंच के पदाधिकारी। ● अमृत विचार

- **लखनऊ के लोकभवन में पांच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल को सौंपा मांग पत्र**

दुकानदार को पीटकर किया घायल

शाहजहांपुर, अमृत विचार: हरदोई बाईपास चौराहे पर दुकान के सामने से ई रिक्शा हटाने पर दुकानदार को ई रिक्शा चालक समेत चार-पांच लोगों ने पीटकर घायल कर दिया। थाना रामचंद्र मिशन क्षेत्र के मोहल्ला ताहवरगंज निवासी प्रवीन वर्मा की हरदोई बाईपास चौराहे पर किराने की दुकान है। सोमवार की शाम एक चालक ने ई रिक्शा उनकी दुकान के आगे खड़ा कर दिया। जब प्रवीन ने हटाने को कहा तो कहासुनी हो गई। विवाद बढ़ने पर ई रिक्शा चालक ने अपने साथी बुला लिए और प्रवीन को दुकान से खींचकर जमकर पीट दिया। मारपीट में दुकानदार का सर फट गया। बीच-बचाव में आए प्रवीन के भाई योगेश के भी चोटें आ गईं। इंस्पेक्टर धर्मेंद्र कुमार गुप्ता ने बताया कि मामले में ई रिक्शा चालक राजन, शिवा शुक्ला, आदेश, भोलू, अनुराग के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है।

हादसों में युवक की मौत, एक घायल

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार : पुवायां रोड पर बड़ा गांव के सामने सड़क के किनारे खड़े एक व्यक्ति को वाहन ने टक्कर मार दी, जिससे व्यक्ति घायल हो गया। घायल व्यक्ति को मेडिकल कालेज में भर्ती कराया गया। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। चालक वाहन लेकर भाग गया। वहीं दूसरे हादसे में दो लोग घायल हो गए। उनका उपचार किया जा रहा है।

सिंधौली थाना क्षेत्र के गांव बरौरा निवासी 40 वर्षीय नरेश दो दिन पूर्व थाना पुवायां क्षेत्र के गांव मजीदापुर में रिश्तेदारी में जा रहे थे। बड़ा गांव के सामने एक वाहन से उतरकर सड़क के किनारे खड़े हो गए। चार पहिया वाहन ने उनको साइड से टक्कर मार दी, जिससे वह घायल हो गए। चालक वाहन लेकर भाग गया। पुवायां पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को सीएचसी पुवायां पर भेज दिया गया। डाक्टर ने मेडिकल कालेज के लिए रेफर कर दिया। घायल नरेश की इलाज के दौरान मौत हो गयी। नरेश अपने पीछे पत्नी कुसुमा देवी, चार बच्चे सुधीर, धीरज, अर्चना और साजन को छोड़ गए है। होली की खुशियां मातम में बदल गई।

पुवायां प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इधर, पुवायां थाना क्षेत्र के गांव चौड़ेरा निवासी 55 वर्षीय जयजय राम सोमवार को दिन में खेत की रखवाली करने के लिए गए थे। वह शाम को खेत से घर लौट रहे थे। नाहिल रोड पर सड़क पार करते समय अज्ञात वाहन ने उसको टक्कर मार दी, जिससे वह घायल हो गए। घायल को मेडिकल कालेज भेज दिया गया। चालक वाहन लेकर भाग गया। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मृतक नरेश

नरेश की मौत पर रोते बिलखते परिजन। ● अमृत विचार

- **बंडा गांव के पास और नाहिल रोड पर हुए हादसे**

भजन संध्या में डूबे श्रद्धालु, गायकों ने भजनों से किया मुग्ध

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: स्वामी शुकदेवानंद विश्वविद्यालय में चल रही राम कथा के विश्राम के उपरांत आध्यात्मिक वातावरण में भव्य भजन संध्या का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ स्वामी सर्वेश्वरानंद महाराज ने मां सरस्वती के चित्र के समक्ष पुष्पांजलि अर्पित कर एवं दीप प्रज्वलित कर किया। इसके बाद पूरा परिसर भक्ति रस से सराबोर हो उठा। कार्यक्रम में देश के विभिन्न स्थानों से पहुंचे भजन गायकों ने अपनी प्रस्तुतियों से श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

मुंबई से पहुंचे डॉ कमलेश उपाध्याय हरिपुरी ने अपनी मधुर वाणी में सांसों की माला जपके तथा जो प्रेम गली आये नहीं, प्रियतम का ठिकाना क्या जाने भजन प्रस्तुत किया। उनके सोहर गीत ए राजा जी की प्रस्तुति पर पूरा पंडाल झूम उठा और श्रोता भाव-विभोर हो गए। झांसी से पहुंचीं साध्वी भक्ति प्रभा ने श्री राम जय जय राम, अये मुरलीधर छलिया मोहन तुमको दिल दे बैठे और मेरे गुरुदेव जैसी जगत में दूसरी कोई हस्ती नहीं है जैसे भजनों के माध्यम से आध्यात्मिक चेतना का संचार किया। वहीं जालौन से आए महंत गुरु प्रसाद ने सीता राम जी प्यारी राजधानी लागे, मोहे मिठो मिठो सरजू जी को पानी लागे तथा घर-घर आनंद छायो अयोध्या नगरी में जैसे पारंपरिक भजनों की प्रस्तुति देकर माहौल भक्तिमय बना दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुमुक्षु शिक्षा संकुल के मुख्य अधिष्ठाता स्वामी चिन्मयानंद सरस्वती ने की तथा संचालन प्रो अनुराग अग्रवाल ने किया।

अतिथियों का माल्यार्पण कर किया गया सम्मान : कार्यक्रम में एमएलसी सुधीर गुप्ता ने कमलेश उपाध्याय हरिपुरी को माला पहनाकर तथा डॉ ए के मिश्रा ने पटका पहनाकर सम्मानित किया। प्राचार्य डॉ आर के आजाद ने विकास अवस्थी को माला पहनाकर और डॉ अमीर सिंह ने पटका पहनाकर सम्मान किया। गोपाल गोस्वामी को सुयश सिन्हा ने माला पहनाकर तथा ओम सिंह ने पटका पहनाकर सम्मानित किया। डॉ देवेंद्र सिंह ने श्याम अवस्थी को माला पहनाकर और डॉ सचिन खन्ना ने पटका पहनाकर सम्मान किया। साध्वी भक्ति प्रभा को डॉ कविता भटनागर ने पटका पहनाकर एवं पुष्प गुच्छ भेंटकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में एमएलसी सुधीर गुप्ता, इशपाल सिंह, प्रबंध समिति के सचिव डॉ ए के मिश्रा, प्राचार्य डॉ आर के आजाद, डॉ आलोक मिश्रा, डॉ आलोक सिंह, अरुण यादव, सुयश सिन्हा सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

कार्यक्रम में मौजूद शिक्षक व अन्य। ● अमृत विचार

- **राम कथा विश्राम के बाद आयोजित हुई भव्य भजन संध्या**

स्वामी शुकदेवानंद विश्वविद्यालय में भजन संध्या में प्रस्तुति देते भजन गायक।

होली पर गाना गाने पर पुलिसकर्मियों ने की मारपीट

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार : होली पर मोहल्ला मुन्नूगंज में मकान में गाना गाने को लेकर पुलिस कर्मचारियों से विवाद हो गया। पुलिस कर्मचारियों ने मकान में घुसकर लोगों कोव डंडों से पीटा। पिटाई से कई लोग घायल हो गए।

चौक कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला मुन्नूगंज में सोमवार रात 10 बजे कुछ लोग खाली मकान में होली को लेकर गाना बजाकर मौज मस्ती कर रहे थे। इस मकान के पड़ोस में कुछ पुलिस कर्मचारी किराए पर रहते है। पुलिस कर्मचारियों ने गाना बजाने का विरोध किया। आरोप है कि करीब आठ पुलिस कर्मचारी मकान में घुस गए और उन लोगों नोकझोंक हो गई। पुलिस कर्मचारियों ने उन लोगों की डंडों से पिटाई कर दी। कई लोगों के चोटें आई है। इस दौरान शोर शराबा होने पर मोहल्ले के लोग एकत्रित हो गए। आरोप है कि सिपाही शराब के नशे में थी। पीड़ित देवेश ठाकुर ने बताया कि रात में अपने मकान में गाना गा रहे थे। आरोप है कि पुलिस कर्मचारी आए और गाली देते हुए लोगों की डंडों से पिटाई कर दी। आरोप है कि पुलिस कर्मचारियों ने झूठे केस में बंद करने की धमकी देकर चले गए। पीड़ित ने मांग की है कि पुलिस कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। प्रभारी निरीक्षक अश्विनी कुमार सिंह ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

- **पड़ोस में किराए पर रह रहे पुलिसकर्मियों ने पीटा, कई घायल**

पार्षदों ने खेली होली एक-दूसरे को लगाया रंग

पार्षदों के साथ होली मनाते जनप्रतिनिधि। ● अमृत विचार

संवाददाता, शाहजहांपुर

- **मेयर अर्चना वर्मा से मिलकर जनप्रतिनिधियों ने दी शुभकामनाएं**

अमृत विचार: महानगर में विभिन्न स्थानों पर होली उत्सव के साथ नगर निगम परिसर में भी पार्षदों ने उत्साह के साथ होली मनाई।

इस दौरान पार्षदों और जनप्रतिनिधियों ने एक-दूसरे को रंग-गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम के दौरान तमाम लोग मेयर अर्चना वर्मा से मिले और उन्हें होली की बधाई दी। नगर निगम में आयोजित होली मिलन कार्यक्रम में सौहार्दपूर्ण वातावरण देखने को मिला और सभी ने मिलकर रंगों के पर्व की खुशियां साझा कीं। इसके बाद पार्षद राम बरन सिंह के आवास पर भी पार्षदों का जमावड़ा लगा, जहां पहुंचे जनप्रतिनिधियों ने एक-दूसरे को रंग लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं और आपसी भाईचारे का संदेश दिया।

बाइक-टेंपो की टक्कर में महिला समेत तीन घायल

कलान, अमृत विचार: बदायूं जिला के थाना कादर चौक क्षेत्र के ग्राम ककोड़ा निवासी प्रशांत श्रीवास्तव की पत्नी मोनी अपनी दादी की गमी में जखिया आई थीं। वह जखिया से रिश्तेदार अनुज श्रीवास्तव निवासी ग्राम नवादा मधुकर थाना हजरतपुर (बदायूं) के साथ बाइक से कलान साप्ताहिक बाजार आ रही थीं। इस दौरान कलान की ओर से आ रहे टेंपो चालक आकाश कश्यप निवासी जखिया से नगर पंचायत के बालाजी नगर में मुरादाबाद-फर्रुखाबाद स्टेट हाईवे पर आमने-सामने भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि बाइक टेंपो में घुस गई और हाईवे पर जाम जैसे हालात बन गए। राहगीरों ने कड़ी मशक्कत के बाद बाइक को टेंपो से निकाला और एंबुलेंस को सूचना दी। हादसे में आकाश कश्यप, अनुज श्रीवास्तव और मोनी गंभीर रूप से घायल होकर बेहोश हो गए। तीनों को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया, जहां हालत गंभीर होने पर जिला फर्रुखाबाद रेफर किया गया।

चोरी के आरोप में दो किशोरों को खंभे से बांधकर पीटा

संवाददाता, तिलहर/शाहजहांपुर

अमृत विचार : कछियानी खेड़ा हनुमान मंदिर से पैसे चुराने के आरोप में दो किशोर को लोगों ने पकड़ लिया। लोगों ने दोनों किशोर को टीन शेड परिसर में खंभे से बांध दिया और दोनों की जमकर पिटाई की। पुलिस ने दोनों किशोर को छुड़ाया। दोनों किशोर की पिटाई का सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। पुलिस ने मंदिर के महंत के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

मंगलवार सुबह साढ़े नौ बजे क्षेत्र में काछियानी खेड़ा हनुमान मंदिर पर काफी भीड़ थी। इस दौरान दो किशोर मंदिर परिसर में घूम रहे थे। आरोप है कि दोनों किशोर ने महिलाओं का पर्स चुराने का प्रयास किया। भीड़ ने दोनों किशोर को पकड़ लिया। लोग दोनों की पिटाई करते हुए मंदिर के बाहर टीन शेड के नीये ले आए। लोगों ने टीन शेड के नीचे खंभे से दोनों को बांध दिया। लोगों ने दोनों किशोर की डंडे से पिटाई शुरु कर दी। पूरी घटना क्रम का लोगों ने पिटाई आदि का वीडियो बना लिया और सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। सोशल मीडिया वायरल में मंदिर का महंत भी दोनों बच्चों को पीट रहा है। किसी ने तिलहर थाना पर सूचना दी।

उप निरीक्षक गौरव कुमार मंदिर परिसर में पहुंचे और दोनों बच्चों को छुड़ाया। पुलिस दोनों किशोर को थाना पर ले आयी। मंदिर में पूजा करने पहुंचे क्षेत्र के बिलहरा गांव के लोकेश कुमार ने कोतवाली में तहरीर दी। उन्होंने आरोप लगाया है कि मंदिर के महंत और अन्य लोगों ने बच्चों के साथ मारपीट की है। पुलिस ने तहरीर के आधार मंदिर के महंत के राम लखन के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

आरोपी किशोर के परिजन मंगलवार की शाम तक तिलहर थाने नहीं पहुंचे थे। इधर निगोही थाना क्षेत्र के गांव पिपरिया निवासी महिला श्रद्धालु सुमन ने तिलहर थाना पर गयी। महिला ने दोनों किशोर पर बच्चे का खड़वा और पर्स चुराने का आरोप लगाया है। महिला ने दोनों किशोर के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

इधर महंत राम लखन गिरी ने आरोप लगाया है कि दोनों किशोर चोरी करते हुए पकड़े गए थे। पुलिस ने दोनों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की है। प्रभारी निरीक्षक जुगल किशोर पाल ने बताया कि महंत के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। दोनों किशोर को उनके परिवार वालों के सुपुर्द कर दिया जाएगा। पुलिस मामले की विवेचना कर रही है।

किशोरों की पिटाई करते लोग। ● अमृत विचार

- **दोनों पर पर्स चुराने का आरोप पुलिस ले आई थाने**

खंभे से बांधकर दो किशोरों की पिटाई करते लोग।

रोडवेज परिसर में मिला अज्ञात युवक का शव

शाहजहांपुर, अमृत विचार : रोडवेज परिसर में एक युवक का शव मिलने से सनसनी फैल गई। सदर बाजार पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव की शिनाख्त कराने का प्रयास किया। शव की शिनाख्त नहीं हो पायी।

सदर बाजार थाना क्षेत्र में रोडवेज बस अड्डा है। मंगलवार की सुबह 8 बजे रोडवेज परिसर में एआरएम कार्यालय के पीछे एक व्यक्ति का शव लोगों ने पड़ा देखा। डिपो के कर्मचारियों ने सदर बाजार थाना को सूचना दी। प्रभारी निरीक्षक ब्रजेश कुमार सिंह फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव की शिनाख्त कराने का प्रयास किया, लेकिन शव की शिनाख्त नहीं हो पायी। मृतक की उम्र 35 साल होगी और सफेद शर्ट व पैंट पहने हुए था। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट से मौत का कारण स्पष्ट होगा। पुलिस ने शव की शिनाख्त कराने का प्रयास कर रही है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

न्यूज ब्रीफ

अमेड़ी नदी किनारे मिला बारहसिंघा का शव

पीलीभीत, अमृत विचार : क्षेत्र के हटुआ बिजुलिहाई गांव में अमेड़ी नदी किनारे एक बारहसिंघा (हिरण) का शव मिला। बताते हैं कि शव को कौवे नोंचकर खा रहे थे। कुछ लोगों ने शव को देखा और उसका वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया।

किशोरी को ले गया उत्तराखंड का युवक

पीलीभीत, अमृत विचार : प्रेम प्रसंग में एक युवक नाबालिगा प्रेमिका को बहला फुसलाकर ले गया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। थाना न्यूरिया क्षेत्र के एक ग्रामीण ने रिपोर्ट दर्ज कराई। जिसमें बताया कि उसकी 16 वर्षीय पुत्री को 2 मार्च को दोपहर ढाई बजे प्रेम कुमार पुत्र रामायण निवासी ग्राम सड़पुरा थाना खटीमा उधम सिंह नगर उसके घर के बाहर से बहलाफुसला कर ले गया। काफी जानकारी के बाद भी उसकी पुत्री के बारे में कोई पता नहीं चल सका है। उसने अनहोनी की आशंका जताते हुए पुलिस से कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है।

बीच-बचाव कराने गए युवक के साथ मारपीट

पीलीभीत, अमृत विचार : थाना सुनगढ़ी क्षेत्र के ईदगाह कांशीराम कॉलोनी निवासी शिवम सक्सेना ने थाना सुनगढ़ी में रिपोर्ट दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि दो मार्च को रात 10 बजे पड़ोस के तुल्ला की पुत्री मुस्कान और पति भूरा निवासी नौगवां पकड़िया आपस में लड़ाई झगड़ा कर रहे थे। वह इन लोगों को बचाने लगा तो तुल्ला और भूरा ने उसके साथ लाठी डंडों से मारपीट की। जिससे वह घायल हो गया।

विवाहिता और उसके परिवार को पीटा, रिपोर्ट

पीलीभीत, अमृत विचार : थाना सेहरामऊ उत्तरी क्षेत्र के ग्राम खांडेपुर निवासी सपना देवी पत्नी सुरेश कुमार ने थाना न्यूरिया में रिपोर्ट दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि उसकी शादी सुशील कुमार पुत्र रामपाल निवासी ग्राम न्यूरिया खुर्द थाना न्यूरिया से हुई थी। आरोप है कि उसका पति शराब पीकर उसके साथ मारपीट करता है। 2 मार्च को शाम सात बजे उसके मायके पक्ष के लोग आए हुए थे। उनके साथ ससुराल पक्ष के लोगों ने मारपीट की।

आबादी में डेरा जमाए तेंदुओं को किया जाएगा रेस्क्यू, लगेंगे पिंजड़े

बख्शापुर में चहलकदमी करते देखे गए थे दो तेंदुए, ठिकाना तलाश रहे वन कर्मचारी

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : शहर से सटे आबादी क्षेत्र में चहलकदमी कर रहे तेंदुओं को जल्द ही रेस्क्यू किया जाएगा। वन एवं वन्यजीव प्रभाग द्वारा तेंदुओं की बढ़ती सक्रियता के चलते यह निर्णय लिया गया है। वनकर्मियों की टीम तेंदुओं का स्थाई ठिकाना तलाशने में जुटी हुई है। तलाश पूरी होते ही पिंजड़े लगाकर तेंदुओं को पकड़ने के लिए अभियान शुरू किया जाएगा।

पीलीभीत रेंज के अंतर्गत शहर से सटे गांव वख्शापुर में बीते शनिवार रात दो तेंदुओं को चहलकदमी करते देखे गए थे। गांव निवासी महेश मौर्या के घर की बाउंड्रीवाल के नजदीक दो तेंदुए एक साथ देखे जाने से परिजनों में हड़कंप मच गया था।

घर के बाहर चहलकदमी करता तेंदुआ।

- बख्शापुर समेत नरकुल में तेंदुओं का ठिकाना तलाशने में जुटे वनकर्मी

तेंदुओं की लगातार मॉनिटरिंग को लेकर टीमें संबंधित क्षेत्र में जुटी हुई हैं। तेंदुओं के खकरा नदी के किनारे खड़े नरकुल में होने की संभावना पर वहां टीमें लगाई गई है। तेंदुओं का ठिकाना मिलते ही पिंजड़ा लगाया जाएगा। साथ ही ग्रामीणों को भी जागरूक किया जा रहा है। – **विनीत प्रकाश**, क्षेत्रीय वनाधिकारी, पीलीभीत रेंज

परिजनों के शोर-शराबे पर अन्य ग्रामीण भी मौके पर पहुंच गए। जिसके बाद दोनों तेंदुए खेतों की ओर भाग निकले थे।

तेंदुओं के जाने के बाद कुछ ग्रामीणों की इसकी सूचना वन विभाग समेत पुलिस को दी। कुछ देर बाद ही पुलिस भी मौके पर पहुंच गई थी। इस पूरी घटना का सीसीटीवी फुटेज सोशल मीडिया पर वायरल हो गया था। अगले दिन वन एवं वन्यजीव प्रभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर ग्रामीणों से जानकारी लेकर उच्चाधिकारियों को दी थी। उच्चाधिकारियों की ओर से संबंधित क्षेत्र में निगरानी करने के निर्देश दिए गए थे। जिसके बाद से वनकर्मियों की टीम लगातार संबंधित क्षेत्र में निगरानी में जुटी हुई है।

तेंदुआ की चहलकदमी बन रही मुसीबत

इधर अब आबादी क्षेत्र में तेंदुओं की बढ़ती सक्रियता के चलते दोनों तेंदुओं को रेस्क्यू करने के लिए पिंजड़ा लगाने का प्लान बनाया गया है। निगरानी में जुटी टीम लगातार तेंदुओं को ट्रैक करने में जुटी हुई हैं, मगर तेंदुओं की चहलकदमी बढ़ती जा रही है। वन अफसरों के मुताबिक बीते दिवस तेंदुओं की चहलकदमी गांव से दो किमी होने की सूचना मिली थी, लेकिन वहां तेंदुओं की कोई लोकेशन नहीं मिल सकी थी। इधर दोनों तेंदुओं के खकरा नदी के किनारे खड़े नरकुल में होने की संभावना जताई जा रही है। टीमें अब इसी क्षेत्र में निगरानी में जुटी हुई है। वन अफसरों का कहना है कि तेंदुआ का एक स्थान पर ठहराव मिलते ही पिंजड़ा लगाने की कार्यवाही की जाएगी।

नेपाल में चुनाव को लेकर सील की गईं सीमाएं

पीलीभीत, अमृत विचार : नेपाल राष्ट्र में प्रस्तावित निर्वाचन प्रक्रिया को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं व्यवस्थित रूप से संपन्न कराने के लिए सख्ती की गई है।

भारत नेपाल अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर अवैध आवागमन/अवैध गतिविधियों की रोकथाम के लिए जनपद से सटी इंडो नेपाल सीमा को अस्थाई रूप से सील किया गया है।

जिला मजिस्ट्रेट ज्ञानेंद्र सिंह ने बताया कि नेपाल राष्ट्र में प्रस्तावित निर्वाचन अवधि के दौरान दो मार्च की रात्रि 12 बजे से पांच मार्च की रात 12 बजे तक भारत नेपाल सीमा की स्थित सभी अधिकृत एवं अनाधिकृत मार्गो/पगडंडियों पर कड़ी निगरानी रखते हुए सीमा सील करते हुए एसपी, एसएसबी कमांडेंट, एसडीएम पूरनपुर, एसडीएम कलीनगर, सीओ पूरनपुर, दोनों तहसीलों के तहसीलदार आदि को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए हैं।

बहरीन में फंसा युवक वतन वापसी की गुहार

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- इजरायल अमेरिका-ईरान के बीच युद्ध होने से फंस गया युवक
- किसान नेता के माध्यम से युवक की पत्नी ने केंद्रीय मंत्री को भेजा पत्र

अमृत विचार : बहरीन देश में नौकरी कर रहे बीसलपुर के एक व्यक्ति की वतन वापसी के लिए केंद्रीय राज्यमंत्री एवं पीलीभीत सांसद जितिन प्रसाद से गुहार लगाई गई है। किसान नेता के माध्यम से युवक की पत्नी ने प्रार्थना पत्र केंद्रीय मंत्री को भेजा है।

बताते हैं कि मोहल्ला पटेल नगर के जितेंद्र कुमार गंगवार पुत्र जयपाल गंगवार बहरीन में प्राइवेट नौकरी करने गए थे। वह ईरान इजरायल अमेरिका युद्ध होने से वहां फंस गए हैं। भयभीत जितेंद्र कुमार ने अपने परिजनों को बहरीन के हालात बताए। जितेंद्र कुमार की पत्नी रितु शिवांगी ने अपने पति की बहरीन देश से सकुशल वापसी के लिए केंद्रीय राज्यमंत्री एवं पीलीभीत सांसद जितिन प्रसाद से गुहार लगाई है। उन्होंने किसान नेता देव स्वरूप पटेल के माध्यम से पत्र भेजकर खुद की परेशानी से अवगत कराया है। किसान नेता एवं क्रांतिकारी विचार मंच के प्रांतीय संरक्षक देव स्वरूप पटेल ने बताया कि बहरीन देश में कार्य कर रहे जितेंद्र कुमार गंगवार जो ईरान इजरायल युद्ध के मध्य वह परेशानी महसूस कर रहे हैं। उनके वतन वापसी के लिए उनकी पत्नी ने केंद्रीय राज्य मंत्री जितिन प्रसाद के नाम संबोधित प्रार्थना पत्र उनके व्हाट्सएप पर भेज कर अवगत कराया है। इसे अविलंब केंद्रीय मंत्री को व्हाट्सएप के माध्यम से भेज कर अवगत करा दिया गया है। जितेन्द्र कुमार गंगवार की घर वापसी के लिए जो भी संभव प्रयास हैं केंद्रीय राज्य मंत्री के स्तर से किए जाएंगे।

फंदे से लटकने से बताई मौत, विसरा सुरक्षित

संवाददाता, बरखेड़ा

- बरखेड़ा पुलिस ने कॉलेज में सीसीटीवी फुटेज चेक की

अमृत विचार : पोस्टमार्टम रिपोर्ट में होमगार्ड की मौत फंदे से लटकने से होना बताया गया है। साथ ही विसरा भी जांच के लिए सुरक्षित किया गया है।

बता दें कि बरखेड़ा क्षेत्र के ग्राम कोकिली के रहने वाले 55 संत कुमार तिवारी (55) होमगार्ड थे। उनकी ड्यूटी राजकीय बालिका इंटर कॉलेज बरखेड़ा में लगी थी। रविवार शाम को वह कॉलेज परिसर में पड़े मिले थे। सीएचसी ले जाने पर उनको मृत घोषित कर दिया था। बरखेड़ा पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया। शव पहुंचने के दौरान पोस्टमार्टम हाउस पर जब देखा गया तो गर्दन पर निशान मिला था, जबकि पुलिस ने पंचनामा में इसका जिक्र नहीं किया था।

हालांकि बाद में पंचायतनामा में इस निशान को दर्ज करा दिया गया था। बताते है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में फंदे से लटकने से मौत होने की बात कही गई है। विसरा भी सुरक्षित किया गया है। परिवार वाले भी इसे लेकर कुछ समझ नहीं पा रहे हैं।

इधर, बरखेड़ा पुलिस ने कॉलेज जाकर सीसीटीवी की फुटेज भी चेक की है।

होली पर पीटीआर में अलर्ट, शिकारियों पर रहेगी पैनी नजर

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी, वन अपराधियों की गतिविधियों पर भी तेज नजर
- डिप्टी डायरेक्टर ने वन क्षेत्राधिकारियों को जारी किए दिशा निर्देश

होली पर्व के मद्देनजर वन एवं वन्यजीवों की सुरक्षा को लेकर सभी वन क्षेत्राधिकारियों को निर्देशित किया गया है। संवेदनशील स्थानों को चिन्हित कर निगरानी करने के साथ वन अपराधियों की गतिविधियों पर भी निगाह रखी जा रही है। यदि कहीं कोई लापरवाही पाई जाती है तो संबंधित पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। – **भरत कुमार डीके**, प्रभारी डीएफओ, पीलीभीत टाइगर रिजर्व

अमृत विचार: होली पर्व के मद्देनजर पीलीभीत टाइगर रिजर्व में अलर्ट जारी किया गया है। कटान एवं शिकार से संबंधित संवेदनशील क्षेत्रों को चिन्हित कर विशेष निगरानी की जा रही है। साथ ही वन अपराध में लिप्त अपराधियों की गतिविधियों पर पैनी निगाह रखी जा रही है। इसको लेकर डिप्टी डायरेक्टर ने पूर्व में ही सभी वन क्षेत्राधिकारियों को निर्देश जारी कर दिए थे।

जंगलों में होली पर्व के दौरान हिरन, पाढ़ा, चीतल, जंगली सूअर आदि वन्यजीवों समेत पक्षियों के शिकार की घटनाएं अकसर बढ़ जाती हैं। होली की छुट्टियों का फायदा उठाकर शिकारी और अपराधी जंगल में घुसकर शिकार एवं अन्य अवैध गतिविधियों को अंजाम देने की फिराक में लग जाते हैं। इसको लेकर टाइगर रिजर्व प्रशासन द्वारा अलर्ट जारी किया गया है। टाइगर रिजर्व के डिप्टी डायरेक्टर मनीष सिंह ने बीते माह ही सभी रेंजों के वन क्षेत्राधिकारियों को दिशा निर्देश जारी किए थे। जारी आदेश के बाद सभी रेंजों में वनकर्मियों की टीमों द्वारा सामूहिक गश्त की जा रही है। अवैध कटान एवं शिकार से संबंधित संवेदनशील क्षेत्रों को चिन्हित करने के साथ उनकी विशेष निगरानी की जा रही है। इसके साथ ही वन अपराध में लिप्त रहने वाले अपराधियों की गतिविधियों पर भी पैनी नजर रखने का दावा किया जा रहा है। अवैध घुसपैठ रोकने के लिए भारत-नेपाल सीमा से सटे जंगल पर भी विशेष नजर रखी जा रही है। डिप्टी डायरेक्टर की ओर से जारी आदेश में कहा गया कि होली के दौरान कोई वन एवं वन्यजीव घटना होती है और कोई वनकर्मी अनुपस्थित पाया जाता है तो इसके लिए संबंधित वनक्षेत्राधिकारी ही जिम्मेदार होंगे।

वनकर्मियों की छुट्टियां कैंसिल

शिकारी एवं वन अपराध में लिप्त अपराधी होली की छुट्टियों का फायदा उठाकर ही शिकार आदि की घटनाओं को अंजाम देते हैं। इसको लेकर डिप्टी डायरेक्टर ने सभी वन क्षेत्राधिकारियों को होली के दौरान किसी कर्मचारी का अवकाश स्वीकृत न करने के निर्देश दिए हैं। विशेष परिस्थितियों में केवल डिप्टी डायरेक्टर द्वारा ही अवकाश स्वीकृत किया जाएगा।

पीलीभीत टाइगर रिजर्व में वॉच टावर से जंगल की निगरानी करते वनकर्मी।

तेंदुए के हमले में किशोर की मौत, खेत में मिला शव

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: सोमवार को घर से निकले कोतवाली तिकुनिया क्षेत्र के गांव जसनगर निवासी 14 वर्षीय किशोर पर तेंदुए ने हमला कर दिया। उसका शव मंगलवार को गांव से करीब दो किलोमीटर दूर एक खेत में बरामद हुआ है। शव की गर्दन और चेहरे पर गहरे जख्म और नाखूनों के निशान हैं। घटना की सूचना पर वन टीम और पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

गांव जसनगर निवासी गुरचरन सिंह का पुत्र राज कमल सोमवार को घर से बाहर घूमने के लिए निकला था, लेकिन वह देर शाम तक वापस नहीं लौटा। इस पर परिवार वालों ने उसकी काफी तलाश की, लेकिन राजकमल का कोई पता नहीं चल सका। मंगलवार को पड़ोसी गांव खैरटिया के पास घर से करीब 2 किमी दूर खेत में उसका शव बरामद हुआ। शव पड़े होने की सूचना से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। बड़ी

आक्रोशित ग्रामीणों को समझाते पुलिस व वन विभाग के अधिकारी। ● अमृत विचार

संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों के मुताबिक राजकल की गर्दन को तेंदुए ने नोचा। उसकी गर्दन और शरीर पर कई जगहों पर नाखूनों के निशान मिले हैं।

शव मिलते ही परिवार में चीख पुकार मच गई। सूचना पर एसडीएम राजीव निगम, सीओ शिवम कुमार, उत्तर निघासन रेंज बेलरायां के वन क्षेत्राधिकारी भूपेंद्र सिंह और प्रभारी निरीक्षक पुष्पराज कुशवाहा फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे। वन क्षेत्राधिकारी ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। उधर घटना से गुस्साए ग्रामीणों और परिजन मुआवजा और वन विभाग के उच्चाधिकारियों को मौके पर बुलाने की मांग पर अड़ गए। उनका कहना था कि जब तक मुआवजा नहीं मिल जाता तब तक वह शव पुलिस को नहीं सौंपेंगे। ग्रामीणों ने फ्रीजर मंगवाकर शव को रख दिया। ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में आए दिन बाघ और तेंदुए के हमलों में लोगों की जान जा रही है, लेकिन वन विभाग कोई ठोस कार्रवाई नहीं कर रहा है। एसडीएम राजीव निगम और वन क्षेत्राधिकारी ने ग्रामीणों को मुआवजा दिलाने का आश्वासन देते हुए समझा बुझाकर किसी तरह शांत कराया। तब जाकर लोग शांत हुए और शव पुलिस को सौंपा। प्रभारी निरीक्षक पुष्पराज कुशवाहा ने बताया कि शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

कई दिनों से देखा जा रहा था तेंदुआ

ग्रामीणों ने बताया कि तेंदुआ क्षेत्र में कई दिनों से देखा जा रहा था, जिसकी सूचना भी वन विभाग को दी गई थी। इसके बावजूद वन विभाग ने कोई ध्यान नहीं दिया। यदि समय रहते वन विभाग की टीम कार्रवाई करती और तेंदुए को पकड़ने के प्रयास करती तो शायद राजकमल की जान न जाती। घटना के बाद पूरे इलाके में तेंदुए की दहशत व्याप्त हो गई थी। बताते हैं कि तेंदुए के हमले में मारा गया राजकमल अपने पिता का इकलौता सहारा था। पिता गुरचरन सिंह भी बीमार रहते हैं।

तेंदुए के हमले में बच्चे की मौत हुई है। तेंदुए की निगरानी के लिए टीम लगाई गई है। जल्द ही पिंजरा लगाकर उसे पकड़ने का प्रयास किया जाएगा। पीड़ित परिवार को आर्थिक मदद पहुंचाने की कार्रवाई की जा रही है। – **भूपेंद्र सिंह**, वन क्षेत्राधिकारी उत्तर निघासन रेंज बेलरायां

मासूम का गला दबाने की कोशिश विरोध पर पीटा

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार: चमन चौराहा निवासी ओमकार कश्यप ने बताया कि मंगलवार को उनका भांजा वंश कश्यप घर के पास अन्य बच्चों के साथ खेल रहा था। आरोप है कि मोहल्ले के कोने में रहने वाला छोटू गुप्ता नशे में था, वहां पहुंचा और बच्चे को धक्का देते हुए वहां से हट जाने को कहा। जब बच्चे ने कोई जवाब दिया तो आरोपी ने उसका गला दबाने की कोशिश की।

बच्चे की चीख-पुकार सुनकर उसकी मां दौड़ती हुई मौके पर पहुंचीं और उसे आरोपी के चंगुल से छुड़ाने लगीं। आरोप है कि इस दौरान आरोपी ने उनके साथ भी धक्का-मुक्की और मारपीट की। शोर सुनकर परिवार के अन्य सदस्य भी मौके पर पहुंचे। इस बीच महिला की बहन सीनू कश्यप भी वहां पहुंच गईं। परिवार का आरोप है कि आरोपी ने उसके साथ भी मारपीट की, जिससे सीनू कश्यप के मुंह से खून निकलने लगा और वह लहूलुहान होकर गिर पड़ीं।

खीरी के जंगल में मिला छात्रा का शव, हत्या करने का जताया संदेह

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

परिजनों ने पुलिस पर लापरवाही का लगाया आरोप

छात्रा के परिजनों ने पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि 25 फरवरी को गुमशुदगी की सूचना देने के बावजूद शुरुआत में गंभीरता से तलाश नहीं की गई। यदि समय रहते प्रभावी ढंग से खोजबीन की जाती तो शायद किशोरी को सुरक्षित बरामद किया जा सकता था। परिवार के लोगों ने मामले की निष्पक्ष और उच्चस्तरीय जांच की मांग की है।

अमृत विचार: जिले में बढ़ते जघन्य अपराधों ने लोगों को दहला दिया है। सदर कोतवाली क्षेत्र से गायब 16 वर्षीय छात्रा का शव जंगल में सातवें दिन बरामद होने से सनसनी फैल गई। मौके पर मौजूद परिस्थितजन्य साक्ष्य हत्या कर शव जंगल में डाले जाने की ओर इशारा कर रहे हैं। मौके पर पहुंची पुलिस और फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल की घेराबंदी कर वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाए। गुमशुदगी दर्ज होने के बाद भी सदर कोतवाली पुलिस लापरवाह रही। उसकी तलाश में कोई रुचि नहीं ली। दुष्कर्म की भी आशंका जताई जा रही है।

मृतका छात्रा मूल रूप से लहरपुर की रहने वाली थी और कक्षा 11 की छात्रा थी। वह शहर की कनौजिया कॉलोनी में रहकर पढ़ाई कर रही थी। परिजनों के अनुसार वह पढ़ाई में अच्छी थी और किसी प्रकार की परेशानी की जानकारी उन्हें नहीं थी। 24 फरवरी की शाम से वह रहस्यमय ढंग से लापता हो गई थी।

परिजनों ने उसकी काफी तलाश की, लेकिन कोई सुराग न मिलने पर पुलिस को सूचना दी थी। गुमशुदगी दर्ज होने के बाद पुलिस ने खोजबीन में कोई रुचि नहीं ली। मंगलवार को गांव के बाहर जंगल में उसका शव मिलने की सूचना पर हड़कंप मच गया। सूचना पाकर पुलिस और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। टीम ने घटनास्थल से जरूरी साक्ष्य एकत्र किए हैं। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस का कहना है मामला प्रथम दृष्टया आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, लेकिन हत्या से भी इनकार नहीं किया जा सकता है। पुलिस दोनों पहलुओं पर जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद स्थिति स्पष्ट होने की बात पुलिस कह रही है। अपराध निरीक्षक दिनेश शर्मा ने बताया कि सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच की जा रही है और परिजनों से भी जानकारी ली जा रही है।

हाईवे पर टकराए चार ट्रक एक की मौत, दो घायल

संवाददाता, गजरौला

- थाना गजरौला क्षेत्र का मामला शव पोस्टमार्टम को भेजा

अमृत विचार : असम हाईवे पर चार ट्रकों की टक्कर हो गई। धर्मकांटे से बैक किए जा रहे ट्रक के दौरान पीछे से आ रहे तीन अन्य ट्रक भी टकरा गए। हादसे में हाईवे पर खड़ा एक ट्रक का हेल्पर चपेट में आ गया और उसकी मौत हो गई। सभी ट्रक क्षतिग्रस्त हो गए। शव को पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

हादसा मंगलवार सुबह करीब छह बजे के आसपास हुआ। असम हाईवे पर ग्राम गढ़ा पचपेड़ा के पास एक ट्रक धर्मकांटे से वजन कराकर बैक किया जा रहा था। इस बीच पीछे से आ रहे तीन ट्रक भी आपस में टकरा गए। इस दौरान एक ट्रक को हेल्पर जोकि सड़क पर खड़ा था, गजरौला कलां निवासी 40 वर्षीय सोहनपाल पुत्र तोताराम चपेट में आकर गंभीर रुप से घायल हो गया। हादसे की सूचना मिलने पर गजरौला पुलिस मौके पर पहुंची। आनन-फानन में घायल को एंबुलेंस से मेडिकल कॉलेज भिजवाया गया। वहां उसकी मौत हो गई।सूचना मिलने पर परिवार वाले भी पहुंच गए। उनका रोकर बुरा हाल रहा। जबकि हादसे में सोनू और राजेंद्र दो युवक घायल हुए। उनका अस्पताल में भर्ती कर इलाज शुरू कराया गया। बताते हैं कि मृतक भूसे की गाड़ी भरवाने के लिए घर से सुबह करीब चार बजे निकला था। परिवार वालों का रोकर बुरा हाल रहा। एसओ गजरौला ब्रजवीर सिंह ने बताया कि हाईवे पर चार ट्रकों की टककर हो गई थी। इसमें एक युवक की मौत हुई है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक किसी एक ट्रक का हेल्पर था और सड़क पर खड़ा था। तहरीर मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

मालगाड़ी के सामने कूदा युवक, हाथ कटा

केशवापुर, अमृत विचार: पूर्वोत्तर रेलवे के गोला-राजगंज रेलखंड पर गेट संख्या 148सी के निकट सोमवार शाम एक युवक ने गोला से लखीमपुर की ओर जा रही मालगाड़ी के सामने अचानक छलांग लगा दी। ट्रेन की चपेट में आने से उसका दाहिना हाथ कटकर अलग हो गया और वह करीब 20 मीटर दूर जा गिरा।

घटना केशवापुर-सिसंवा कला मार्ग के पश्चिम स्थित रेलवे ट्रैक पर शाम 4:33 बजे हुई। घायल युवक ने अपना नाम मुकेश कुमार पुत्र बालकराम निवासी बसही थाना फरधान बताया है। हालांकि उसने ट्रेन के सामने कूदने का कारण स्पष्ट नहीं किया। गेटमैन दिलीप यादव के अनुसार युवक पहले सड़क से लगभग 100 मीटर अंदर रेलवे ट्रैक की ओर गया और कुछ देर तक वहीं खड़ा रहा। जैसे ही गोला की ओर से मालगाड़ी आई, वह अचानक ट्रैक पर कूद पड़ा। चालक ने इमरजेंसी ब्रेक लगाकर ट्रेन रोकने का प्रयास किया, लेकिन तब तक युवक गंभीर रूप से घायल हो चुका था।

तीन महिलाओं समेत सात को भेजा जेल

- चार अन्य नामजद अभियुक्तों की तलाश में जुटी टीम, पुलिस कर रही गांव में निगरानी

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : किशनपुर गांव में जमीन के विवाद में हुई ग्रामीण की हत्या के मामले में दियोरियाकलां पुलिस ने कार्रवाई की है। एफआईआर दर्ज करने के बाद पुलिस ने तीन महिलाओं समेत सात हत्यारोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। इधर, दोनों पक्षों के एक ही गांव से होने पर सुरक्षा एवं शांति व्यवस्था के लिहाज से सख्ती की है। गांव में पुलिस बल की तैनाती कर हालात पर निगरानी कराई जा रही है। अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी को टीम लगी हुई है।

घटना दियोरियाकला कोतवाली क्षेत्र के ग्रास किशनपुर में एक मार्च को हुई थी। जमीन के पुराने विवाद में गांव के ही हरिओम की हत्या कर दी गई थी। घटना में मृतक के परिवार के कई अन्य लोग भी घायल हो गए थे। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर

दियोरियाकलां कोतवाली पुलिस की गिरफ्त में पकड़े गए आरोपी। ● अमृत विचार

परिजन के सुपुर्द कर दिया था। होली से चंद दिन पहले हुई हत्या की घटना को लेकर पुलिस ने सतर्कता बढ़ा दी थी। दियोरियाकलां कोतवाली में मृतक के पिता बनवारीलाल पुत्र कल्यानराय ने तहरीर देकर बताया था कि गांव के ही कुछ लोगों से उनकी रंजिश है। एक मार्च को उनका पुत्र हरिओम, दामाद जसवीर, अमन बाजार जा रहे थे। इस दौरान आरोपियों ने लाठी डंडे, कुल्हाड़ी, बांका से हमला कर दिया। चीख पुकार सुनकर हरिओम की पत्नी सोनी देवी समेत अन्य परिवार वाले बचाने पहुंचे तो उन पर भी हमला किया। घायलों को अस्पताल ले गए। वहां हरिओम को मृत घोषित कर दिया गय था। इस मामले में 11 नामजद आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई थी। इसके बाद पुलिस की गठित टीमों ने दबिश देकर सात हत्यारोपियों को धर दबोचा। पकड़े गए हत्यारोपी ग्राम किशनपुर निवासी रवि पुत्र गंगाराम, सुनील पुत्र गंगाराम, बबलू पुत्र जंग बहादुर, ज्वाला प्रसाद पुत्र दोदराम, मधु पत्नी गंगाराम, मुल्लो देवी पत्नी जंग बहादुर और अनारा देवी पत्नी गंगाराम को चालान कर कोर्ट में पेश करके मंगलवार को जेल भेज दिया गया। अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए टीमें दबिश देती रही।

जमीन के विवाद में किशनपुर गांव के हरिओम की हत्या करने के मामले में 11 लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई थी। इसमें तीन महिलाओं समेत सात आरोपियों की गिरफ्तारी कर जेल भेज दिया है। बकाया की जल्द धरपकड़ की जाएगी। विवेचना कराई जा रही है। – **गौतम सिंह**, एसओ दियोरियाकलां

मायका पक्ष के लोगों को बुलाकर पति को पिटवाया

पीलीभीत, अमृत विचार : अमरिया थाना क्षेत्र के ग्राम मुडलिया गौसू निवासी साजिद खान पुत्र आशिक ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसकी शादी एक वर्ष पूर्व उधम सिंह नगर के थाना सितारगंज क्षेत्र के ग्राम सितारगंज पंडरी निवासी सायवा पुत्री आसिफ से हुई थी। आरोप है कि दो मार्च को उसकी और उसकी पत्नी के बीच कहासुनी हो गई। जिस पर उसकी पत्नी ने अपने मायके में फोन कर दिया। तभी वहां से उसकी पत्नी के भाई नाजिम, सोहेल, साहिल, आसिफ, दानिश और चार अज्ञात लोग उसके घर पर शाम चार बजे घुस आए। आरोपियों ने उसके और उसके माता-पिता के साथ मारपीट की। जिससे सभी लोग घायल हो गए। किसी तरह पड़ोस के लोगों ने किसी तरह उसके परिवार को बचाया। इसके बाद आरोपी उसकी पत्नी को लेकर चले गए। आरोपियों ने जान से मारने की धमकी भी दी।

अमृत विचार

बरेली, बुधवार, 4 मार्च 2026

न्यूज ब्रीफ

होली महोत्सव पर बच्चों ने खेली होली

उन्नाव। आवास विकास कॉलोनी स्थित चंद्रशेखर आज़ाद इंटर कॉलेज में हर्षोल्लास से होली महोत्सव का आयोजन हुआ। इसमें प्रधानाचार्य मो. सैफ व मो. कैफ ने छात्र-छात्राओं को होली की शुभकामनाएं देते हुए प्रेम, भाईचारे व सद्भावना का संदेश दिया। उन्होंने विद्यार्थियों को आपसी एकता व सकारात्मक सोच के साथ जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान प्रिंसिपल सबिया खातून ने विद्यार्थियों को सुरक्षित व पर्यावरण के अनुकूल होली मनाने का संदेश दिया। संचालन नेहा निगम व निदा ने किया।

प्रतापगढ़ इंटरसिटी के ठहराव की मांग

नवाबगंज। जैतीपुर व मोहनलालगंज रेलवे स्टेशनों पर कानपुर-प्रतापगढ़ इंटरसिटी एक्सप्रेस के ठहराव की मांग को लेकर स्थानीय लोगों की समस्याओं को देखते हुए क्षेत्रीय सांसद आरके चौधरी ने रेलमंत्री को पत्र भेजकर ठहराव सुनिश्चित करने का आग्रह किया है। यह पहल जैतीपुर निवासी अधिवक्ता व समाजसेवी विनय यादव के प्रयासों से हुई। उन्होंने क्षेत्र के हजारों यात्रियों, छात्रों व व्यापारियों की पीड़ा को समझते हुए सांसद को मांगपत्र सौंपा था। सांसद आरके चौधरी ने मामले की गंभीरता को समझते हुए रेलमंत्री को लिखे पत्र में कहा कि बड़ी संख्या में लोग रोज लखनऊ व कानपुर के लिए आवागमन करते हैं। दोनों स्टेशनों पर यात्रियों की पर्याप्त संख्या है जिससे रेलवे को भी आर्थिक लाभ होगा।

विवाद के बाद युवक पर ब्लेड से हमला

उन्नाव। सदर कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला तालिब सराय में दो युवकों में हुए विवाद के बाद एक युवक ने दूसरे की गर्दन पर ब्लेड से वार कर लहूलुहान कर दिया। उसे घायल हालत में परिजन जिला अस्पताल लाए। वहीं हमलावर को पुलिस ने हिरासत में लिया है। तालिब सराय मोहल्ला निवासी वलीम (28) पुत्र शहजादे कबाड़ का काम करता है। उसका पड़ोसी रहीम भी यही काम करता है। वलीम की पत्नी रुखसार ने बताया कि दोनों में कबाड़ को लेकर मंगलवार सुबह विवाद हुआ लेकिन उस समय लोगों ने बीच बचाव कर मामला टाल दिया।

महिला ने की आत्महत्या

उन्नाव। बिहार थाना क्षेत्र के मुड़ियन खेड़ा गांव निवासी स्मिता पटेल (26) पत्नी ऋषभ ने सोमवार रात कमरे में फंदे से लटककर जान दे दी। पति की सूचना पर चाचा रितेश पुत्र विजय पाल ने पुलिस को दी सूचना में बताया कि उसने 3 साल पहले भतीजी की शादी ऋषभ पुत्र धीरेन्द्र मूलनिवासी भिलागंज फतेहपुर से की थी। वर्तमान में ऋषभ व स्मिता बिहार थानाक्षेत्र के मुड़ियन खेड़ा में रहते थे। चाचा की सूचना पर एसओ बिहार व नायब तहसीलदार पाटन विजय रजन ने जांच के बाद शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

खामेनेई की शहादत पर जताया शोक

सफीपुर। मोहल्ला सैय्यदवाड़ा स्थित इमामबाड़े में सोमवार रात एक शोकसभा (मजलिस) का आयोजन हुआ। इसमें शिया व सुन्नी दोनों समुदायों के लोग बड़ी संख्या में एकत्र हुए और ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की कथित शहादत पर दुख जताया। मौलाना रिजवी ने ईरान के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि वहां की नीतियां धार्मिक सिद्धांतों पर आधारित हैं।

चॉकलेट उद्यमी बनीं मनीषा रावत, डबल इंजन सरकार से मिली उड़ान

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- योगी सरकार की महिला सशक्तिकरण नीति के तहत स्थानीय प्रशासन से मिला सहयोग

अमृत विचार: रायबरेली निवासी मनीषा रावत की कहानी उत्तर प्रदेश में महिला सशक्तिकरण और स्वरोजगार की नई मिसाल बन गई है। डबल इंजन सरकार की योजनाओं से मिली मदद ने उन्हें घर से हैंडमेड चॉकलेट बनाने वाली महिला से सफल उद्यमी बना दिया। आज वह न सिर्फ आत्मनिर्भर हैं, बल्कि पांच अन्य लोगों को भी रोजगार दे रही हैं।

मनीषा ने वर्ष 2023 में घर से चॉकलेट और बेकरी उत्पाद बनाने का छोटा काम शुरू किया था। उनके उत्पादों की मांग बढ़ने लगी तो व्यवसाय विस्तार के लिए पूंजी की जरूरत पड़ी। गारंटी और मॉरगेज की अड़चनें सामने थीं, तभी उन्हें उप्र.ग्रामीण बैंक मैनेजर द्वारा प्रधानमंत्री मुद्रा योजना की जानकारी मिली। अक्टूबर 2024 में आवेदन करने के बाद आवश्यक दस्तावेज डीआईसी कार्यालय में जमा किए गए और 20 दिनों के भीतर उन्हें 9 लाख रुपये का ऋण स्वीकृत हो गया। ऋण मिलने के बाद मनीषा ने अपनी केक और चॉकलेट की शॉप शुरू की। कारोबार बढ़ा तो उन्होंने स्थानीय स्तर पर पांच लोगों को रोजगार भी दिया। अब वह सम्मानजनक आय अर्जित कर रही हैं और अन्य महिलाओं को भी स्वरोजगार के लिए प्रेरित कर रही हैं। पहले वह परिवार पर निर्भर थीं, लेकिन अब एक सफल महिला उद्यमी के रूप में अपनी अलग पहचान बना चुकी हैं।

मनीषा अपनी सफलता का श्रेय प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की नीतियों को देती हैं। उनका कहना है कि मुद्रा योजना केवल ऋण नहीं, बल्कि छोटे उद्यमियों के लिए आत्मनिर्भर बनने का सशक्त माध्यम है। कम ब्याज दर और बिना गारंटर की सुविधा से उन्हें किस्त चुकाने में भी सहूलियत मिल रही है। रायबरेली की यह सफलता कहानी प्रदेश में स्वरोजगार को नई दिशा दे रही है।

ट्रैक्टर ट्राली में पीछे से घुसा ऑटो, तीन घायल

शुक्लागंज। मंगलवार सुबह फोरलेन पर एक ऑटो अनियंत्रित होकर आगे चल रही ट्रैक्टर-ट्राली में पीछे से जा घुसा। हादसा अंबिकापुरम के सामने उस समय हुआ जब ऑटो मरहला चौराहे की ओर जा रहा था। टक्कर से अफरा-तफरी मच गई। जानकारी के अनुसार धनइयां निवासी विशाल व काजल कानपुर के घंटाघर से ऑटो कर गांव लौट रहे थे। तभी चालक का संतुलन बिगड़ गया और ऑटो ट्रैक्टर-ट्राली से टकरा गया। इसमें चालक समेत विशाल व काजल घायल हो गए। मौजूद लोगों ने दौड़कर उनको बाहर निकाला और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने घायलों को अस्पताल भिजवाया। हादसे के कारण कुछ देर के लिए फोरलेन पर जाम की स्थिति बनी रही।

सेवाभाव

गोरखनाथ मंदिर परिसर में भ्रमण के दौरान राष्ट्रीय पक्षी मोर को दाना खिलाते मुख्यमंत्री योगी। ● अमृत विचार

सड़क हादसों में बच्ची समेत 5 की हुई मौत

बांगरमऊ कोतवाली अंतर्गत लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस-वे पर तेज रफ्तार लोडर अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गया। इसमें लोडर चालक व 3 वर्षीय बच्ची की मौत हो गई। वहीं पुरवा व सफीपुर कोतवाली क्षेत्र में हादसों में 1 किशोर व 3 युवकों की जान गई।

संवाददाता, बांगरमऊ

अमृत विचार: अचलगंज थानाक्षेत्र के सत्तूखेड़ा गांव निवासी अशोक उर्फ मुरारी (32) पुत्र सुरेश कुमार फरीदाबाद में लोडर किराए पर चलाता था। रविवार रात वहीं पर मजदूरी करने वाले औरास थानाक्षेत्र के अरसेना गांव निवासी मोनू पुत्र कृष्णपाल, उसकी पत्नी प्रतिभा (25), बड़ी बेटी वैष्णवी, (8) व छोटी बेटी दीक्षा (3) सहित औरास के गोबरा गांव के अन्य लोग लोडर से होली मनाने गांव लौट रहे थे। मंगलवार सुबह आगरा एक्सप्रेस-वे पर गहर पुरवा गांव के पास चालक को झपकी आने से लोडर डिवाइडर पर चढ़कर रेलिंग तोड़ते हुए उसके बीच में फंस गया। इसमें चालक अशोक व दीक्षा की मौत हो गई। सूचना पर यूपीडा की रेस्क्यू टीम व पुलिस पहुंची। घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया। पति की मौत से पत्नी अंकिता देवी व अन्य परिजन बेहाल हैं। कोतवाल अखिलेश चंद पांडेय ने बताया कि घटनास्थल का निरीक्षण किया गया है। घायलों का उपचार चल रहा है। हादसे में औरास थानाक्षेत्र के अरसेना गांव निवासी मोनू (27) पुत्र कृष्णपाल, मोनू की बेटी वैष्णवी (8), मोनू की पत्नी बिट्टो उर्फ प्रतिभा (30) सहित औरास थानाक्षेत्र के गोबरा गांव निवासी रोहित (24) पुत्र रामसिंह, मुंशीलाल (50), सोनू (14) पुत्र शिशुपाल व अजगैन कोतवाली क्षेत्र के मीतखेड़ा निवासी भूपेंद्र (24) पुत्र मुनेश्वर घायल हुए हैं।

हादसे के बाद क्षतिग्रस्त लोडर पिकअप।

दो बाईकों की टक्कर में एक युवक की मौत

उन्नाव। माखी थाना क्षेत्र के नयाखेड़ा परेन्दा गांव निवासी नरेंद्र सिंह (44) पुत्र जवाहर मंगलवार को बाइक से अजगैन कोतवाली क्षेत्र के भौली गांव गया था। लौटते समय अजगैन - मुंशीगंज मार्ग पर निवाजखेड़ा गांव के सामने दूसरी बाइक ने उसकी बाइक में टक्कर मार दी। इसमें नरेंद्र सहित दूसरी बाइक सवार अजगैन कोतवाली क्षेत्र के आगा खेड़ा गांव निवासी गोलू व विनय से गंभीर घायल हो गए। लोगों ने उन्हें मियागंज सीएचसी पहुंचाया। जहां डॉक्टर ने नरेंद्र को मृत घोषित कर दिया वही दोनों घायलों का सीएचसी में जारी है।

ट्रैक्टर की टक्कर से युवक की मौत

उन्नाव। पुरवा कोतवाली क्षेत्र के सैदपुर गांव निवासी अजीत (22) पुत्र जगदीश सोमवार रात चचेरे भाई विकास (23) के साथ पुरवा कस्बा जा रहा था। तभी कोतवाली क्षेत्र के सोहरामऊ-पुरवा मार्ग पर जाफर खेड़ा गांव के सामने ट्रैक्टर ने उसकी बाइक में टक्कर मार दी। इसमें दोनों भाई गंभीर घायल हो गए। लोगों ने उन्हें सीएचसी पहुंचाया। जहां से उन्हें जिला अस्पताल फिर लखनऊ के ट्रामा सेंटर रेफर किया गया। जहां जाते समय अजीत की मौत हो गई। वहीं विकास का इलाज चल रहा है।

गंगा स्नान कर लौट रहे युवक को वाहन ने मारी टक्कर, मौत

उन्नाव, अमृत विचार। माखी थाना व गांव के बलारदेव निवासी उमाशंकर (27) पुत्र अशोक मुंबई से होली मनाने बीती 24 फरवरी को घर लौटा था। पत्नी के मुताबिक ससुराल से सोमवार शाम वह गंगा स्नान करने जाने की बात कहकर निकले थे। घर नहीं लौटे। तलाश की गई तो मंगलवार भोरपहर करीब 3 बजे पता चला कि सफीपुर कोतवाली अंतर्गत बिठूर-परियर मार्ग पर देवीपुरवा गांव के पास वाहन की टक्कर से उनकी मौत हुई है। बड़े भाई धर्मपाल ने यह जानकारी दी।

सड़क हादसे में घायल किशोर की हुई मौत

उन्नाव। बिहार थाना क्षेत्र के गांव ममरेजपुर निवासी कृष्ण कुमार का बेटा रौनक (16) लोडर की टक्कर से गंभीर घायल हो गया था। डॉक्टर ने उसे सीएचसी से जिला अस्पताल भेजा था। जहां से परिजन उसे कानपुर के एक निजी अस्पताल ले गए। हालत अधिक बिगड़ी तो परिजन उसे पीजीआई ले जा रहे थे। तभी रास्ते में उसकी मौत हो गई।

लक्ष्य से अधिक धान खरीद, किसानों को 14,886 करोड़ रुपए का भुगतान

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 10.53 लाख किसानों से हुई 62.30 लाख मीट्रिक टन धान की खरीद

अमृत विचार: खरीफ क्रय सत्र 2025-26 में राज्य सरकार ने धान खरीद का लक्ष्य पार करते हुए नया रिकॉर्ड बनाया है। इस वर्ष 60 लाख मीट्रिक टन के लक्ष्य के सापेक्ष 62.30 लाख मीट्रिक टन धान की खरीद की गई। इसके एवज में 10.53 लाख किसानों को 14,886.35 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया। प्रदेश में धान खरीद की प्रक्रिया 28 फरवरी को पूरी हो गई।

प्रदेश के 4869 क्रय केंद्रों के माध्यम से किसानों से धान खरीदा गया। कॉमन धान 2369 रुपये और ग्रेड-ए धान 2389 रुपये प्रति कुंतल की दर से खरीदा गया। मुख्यमंत्री के निर्देश पर किसानों को 48 घंटे के भीतर डीबीटी के माध्यम से उनके बैंक खातों में भुगतान सुनिश्चित किया गया, जिससे बिचौलियों की भूमिका समाप्त हुई और किसानों को समय पर धनराशि प्राप्त हुई।

धान बिक्री के लिए 12,82,892 किसानों ने पंजीकरण कराया था। खाद्य एवं रसद विभाग के अनुसार ओटीपी आधारित सिंगल रजिस्ट्रेशन व्यवस्था लागू की गई, जिससे प्रक्रिया पारदर्शी बनी। पश्चिमी उत्तर प्रदेश और कुछ जिलों में 31 जनवरी तक, जबकि अन्य संभागों में 28 फरवरी तक खरीद जारी रही। पिछले वर्ष 2024-25 में 57.70 लाख मीट्रिक टन धान की खरीद हुई थी और 13,370.17 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया था। इस बार न केवल खरीद की मात्रा बढ़ी, बल्कि भुगतान का आंकड़ा भी अधिक रहा। सरकार का दावा है कि पारदर्शी खरीद व्यवस्था और समयबद्ध भुगतान से किसानों को सीधा लाभ मिला है तथा कृषि आय को स्थिरता मिली है।

निराश्रित छात्रों को बांटे स्टेशनरी व फल

उन्नाव। शिक्षक प्रवीण कुमार की पुत्री प्रकृति शर्मा ने हुसैन नगर में निराश्रित बच्चों के लिए चलाए जाने वाले गुरुजी क्लासेस में पढ़ने वाले बच्चों को पोस्टर, कलर्स, ब्रश व फलों का वितरण किया। उन्होंने यह कार्य अपने जन्मदिन पर किया। एलएलबी की छात्रा प्रकृति शर्मा ने बाल अधिकार व महिला अधिकार की जानकारी देते हुए कहा कि छोटे व निराश्रित बच्चों को शिक्षा देने बहुत अच्छा कार्य है। शिक्षक ने कहा कि निराश्रित बच्चों को शिक्षा देना हर किसी के लिए संभव नहीं है। शिक्षा के द्वारा ही संस्कारों को बदलना संभव है। गुरुजी क्लासेस के अजय शंकर ने आभार जताया।

156 एग्री स्टार्टअप्स से खेती को मिली नई दिशा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: प्रदेश में कृषि क्षेत्र को तकनीक और संस्थागत समर्थन से जोड़ने की दिशा में तेजी आई है। प्रदेश में इस समय 156 पंजीकृत एग्री स्टार्टअप सक्रिय हैं, जो किसानों को क्रेडिट सुविधा, डिजिटल सलाह और बाजार से सीधा संपर्क उपलब्ध करा रहे हैं। सरकार की पहल से खेती को लाभकारी और टिकाऊ बनाने का प्रयास मजबूत हुआ है।

राज्य सरकार ने कृषि को परंपरागत ढांचे से बाहर निकालकर तकनीक आधारित मॉडल से जोड़ने पर जोर दिया है। स्टार्टअप्स के माध्यम से किसानों को समय पर ऋण, फसल प्रबंधन पर विशेषज्ञ परामर्श और उत्पाद की बेहतर मार्केटिंग के विकल्प मिल रहे हैं। इससे छोटे और सीमांत किसानों की साहूकारों पर निर्भरता घटी है और पारदर्शी वित्तीय सेवाएं गांव तक पहुंची हैं। डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए मौसम पूर्वानुमान, बीज चयन, उर्वरक उपयोग और कीट नियंत्रण संबंधी सलाह मोबाइल एप और कॉल सेंटर के माध्यम से उपलब्ध हो रही है। सरकार की स्टार्टअप नीति और निवेश प्रोत्साहन योजनाओं से युवाओं को कृषि उद्यमिता की ओर आकर्षित किया जा रहा है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में स्वरोजगार के अवसर बढ़े हैं और खेती को आधुनिक व्यवसाय के रूप में पहचान मिल रही है।

बच्चों को उपहार देते विमल द्विवेदी।

भाजपा नेता विमल ने मोचियों और दिव्यांगों संग मनाई होली

उन्नाव, अमृत विचार। होली पर समाजसेवी व भाजपा नेता विमल द्विवेदी ने प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी त्योहार की खुशियां उन लोगों के साथ साझा कीं, जो समाज की मुख्य धारा से उपेक्षित रह जाते हैं। शहर के फुटपाथों पर बैठने वाले मोचियों, दिव्यांगों व जरूरत मंदों के बीच पहुंचकर न केवल उन्हें शुभकामनाएं दीं बल्कि उपहार व नकद सहायता देकर उनके त्योहार को खास बना दिया। विमल द्विवेदी ने शहर के विभिन्न चौराहों व फुटपाथों का भ्रमण किया और वहां जीवनयापन करने वाले मोचियों, भिक्षुकों व दिव्यांगों को तिलक लगाकर होली की बधाई दी और मिठाई के डिब्बे, अंगवस्त्र व आर्थिक सहायता प्रदान की। उन्होंने कहा कि त्योहार केवल व्यक्तिगत खुशी का माध्यम नहीं बल्कि दूसरों के जीवन में प्रकाश लाने का अवसर हैं। इस दौरान जिला संयोजक अजय त्रिवेदी, राकेश राजपूत, आलोक शुक्ला, परिमल मिश्रा, धर्मेंद्र शुक्ला आदि रहे।

मुख्यमंत्री योगी के नेतृत्व में यूपी बनेगा 'हरित प्रदेश'

राज्य ब्यूरो,लखनऊ

- 2026 में 35 करोड़ का लक्ष्य, बीते 9 वर्ष में लगे 242 करोड़ पौधे
- गांवों में लग रही ग्रीन चौपाल, 15 हजार से अधिक गांवों में आयोजन

अमृत विचार। उप्र. को 'सर्वोत्तम प्रदेश' बनाने के साथ-साथ 'हरित प्रदेश' के रूप में स्थापित करने की दिशा में योगी सरकार लगातार प्रयासरत है। वर्ष 2017 से अब तक प्रदेश में 242 करोड़ से अधिक पौधे रोपे जा चुके हैं। भारतीय वन स्थिति रिपोर्ट-2023 के अनुसार राज्य के वनाच्छादन में 559.19 वर्ग किमी की वृद्धि दर्ज की गई है।

पिछले वर्ष 9 जुलाई को एक ही दिन में 37.21 करोड़ पौधे लगाकर प्रदेश ने रिकॉर्ड बनाया था। वहीं, हाल ही में वाराणसी के सुजाबाद डोमरी क्षेत्र में आयोजित वृहद पौधरोपण कार्यक्रम में मात्र एक घंटे में 2,51,446 पौधे रोपे गए, जिसे गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स की ओर से प्रमाणित किया गया। इस उपलब्धि ने चीन के 8 वर्ष पुराने रिकॉर्ड को भी पीछे छोड़ दिया। योगी सरकार ने 1 से 7 जुलाई 2025 के बीच जन्मे 18,348 बच्चों को ग्रीन गोल्ड सर्टिफिकेट और उनके अभिभावकों को लकड़ी, फल व सहजन आदि प्रजातियों के पौधे भी प्रदान किए। एक पेड़ मां के नाम अभियान में सराहनीय कार्य को लेकर पीएम मोदी ने भी बधाई दी थी। वर्षाकाल-2026 के लिए सरकार ने 35 करोड़ पौधरोपण का लक्ष्य प्रस्तावित किया है। इसे सफल बनाने के लिए वन एवं पर्यावरण विभाग ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। हालिया बजट में सामाजिक वानिकी योजना के लिए 800 करोड़ रुपये, पौधशाला प्रबंधन के लिए 220 करोड़ रुपये और राज्य प्रतिकारात्मक वनरोपण योजना के लिए 189 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

मुख्यमंत्री ने वर्ष 2030 तक प्रदेश के हरित आवरण को 15 प्रतिशत तक बढ़ाने का लक्ष्य रखा है। इसी क्रम मंए गांवों में 'ग्रीन चौपाल' के माध्यम से जनभागीदारी सुनिश्चित की जा रही है। अब तक 15 हजार से अधिक ग्राम सभाओं में ग्रीन चौपाल का आयोजन हो चुका है, जहां पर्यावरण संरक्षण और पौधरोपण को जनांदोलन बनाने पर जोर दिया जा रहा है।

गोमाता के आशीर्वाद से सजेगी इको-फ्रेंडली होली, तैयार किया ऑर्गेनिक गुलाल'

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: इस बार उत्तर प्रदेश में होली के रंग कुछ खास होंगे। योगी सरकार की गोसंवर्धन नीति के तहत प्रदेश के विभिन्न जिलों में देसी गाय के गोबर के कंडों की राख और प्राकृतिक तत्वों से 'ऑर्गेनिक गुलाल' तैयार किया जा रहा है। यह पहल न केवल पर्यावरण व स्वास्थ्य के अनुकूल है, बल्कि ग्रामीण महिलाओं के लिए रोजगार और आत्मनिर्भरता का माध्यम भी बन रही है। गोसेवा आयोग के अध्यक्ष श्याम बिहारी गुप्ता का कहना है कि बुलंदशहर, मथुरा, बिजनौर, सहारनपुर, संभल, उरई और मुरादाबाद समेत कई जिलों में स्वयं सहायता समूहों की महिलाएं गोशाला संचालकों के सहयोग से गुलाल बना रही हैं। इसमें गोबर की राख के साथ गुलाब की पंखुड़ियां, चुकंदर, पालक, जामुन की पत्तियां और नील (इंडिगो) जैसे प्राकृतिक तत्वों का उपयोग किया जा रहा है।

विशेषज्ञों के मुताबिक, गोबर की राख में मौजूद क्षारीय तत्व नमी को कम कर सूक्ष्मजीवों की वृद्धि रोकने में सहायक होते हैं। प्रसंस्करण के बाद यह राख गुलाल को मुलायम आधार देती है, जिससे कृत्रिम रसायनों की जरूरत नहीं पड़ती। बाजार में मिलने वाले केमिकल युक्त रंगों की तुलना में यह गुलाल त्वचा के लिए सुरक्षित और पूरी तरह इको-फ्रेंडली है।

इस पहल से जहां एक ओर गोवंश संरक्षण को बढ़ावा मिल रहा है, वहीं ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिल रही है। महिलाएं स्थानीय संसाधनों के उपयोग से आय अर्जित कर रही हैं। इस प्रकार, इस बार प्रदेश में होली सिर्फ रंगों का नहीं, बल्कि स्वावलंबन और पर्यावरण संरक्षण का भी उत्सव बनेगी।

कीर्तिमान

एआई आधारित रिटर्न स्क्रूटनी से 1.59 लाख करदाताओं के 48 हजार करोड़ से अधिक के डेटा का किया गया विश्लेषण

राजस्व संग्रह में रिकॉर्ड बढ़ोतरी, फरवरी में 9,731 करोड़ की वसूली

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 75 जिलों में व्यापारी संवाद कार्यक्रम से बढ़ा राजस्व संग्रह,जीएसटी सुधार

अमृत विचार: प्रदेश में राजस्व संग्रह के क्षेत्र में नया कीर्तिमान स्थापित हुआ है। राज्य कर विभाग ने फरवरी माह में 9,731 करोड़ रुपये की वसूली कर यह उपलब्धि हासिल की है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 352 करोड़ रुपये अधिक है। चालू वित्तीय वर्ष में अब तक कुल 1,03,779 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ है, जो बीते वर्ष की समान अवधि से 402 करोड़ रुपये ज्यादा है।

सरकार की ओर से जीएसटी दरों के युक्तिकरण, कर प्रणाली के सरलीकरण और तकनीक आधारित पारदर्शी व्यवस्था को इसका प्रमुख कारण माना जा रहा है। जीएसटी 2.0 के तहत ई-इनवॉइस, ई-वे बिल और ऑनलाइन रिटर्न फाइलिंग प्रणाली को मजबूत किया गया है। प्रदेश के सभी 75 जिलों में आयोजित व्यापारी संवाद कार्यक्रमों में 10 हजार से अधिक व्यापारियों ने भाग लिया, जिससे स्वैच्छिक कर भुगतान को बढ़ावा मिला और कर चोरी पर अंकुश लगा। राज्य कर विभाग ने एआई आधारित रिटर्न स्क्रूटनी प्रणाली लागू कर 1.59 लाख करदाताओं के 48 हजार करोड़ रुपये से अधिक के लेनदेन का विश्लेषण किया। इससे संदिग्ध मामलों की पहचान कर त्वरित कार्रवाई संभव हुई। बोगस फर्मों के खिलाफ अभियान में 2,166 करोड़ रुपये की फर्जी आईटीसी गड़बड़ी पकड़ी गई। इस संबंध में 345 एफआईआर दर्ज की गईं और 86 आरोपियों की गिरफ्तारी हुई। 137 करोड़ रुपये की आईटीसी ब्लॉक की गई, जबकि 1,642 करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि जमा कराई गई।

बकाया वसूली में भी शानदार रहा प्रदर्शन

बकाया वसूली में भी विभाग ने बेहतर प्रदर्शन किया। जीएसटी के तहत 2,406 करोड़ और वैट के तहत 711 करोड़ रुपये की वसूली हुई। ईंट-भट्ठा कारोबार से जनवरी 2026 में 47.62 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ, जो दिसंबर की तुलना में दोगुने से अधिक है। सरकार का दावा है कि पारदर्शिता, तकनीकी नवाचार और सख्त प्रवर्तन के समन्वय से राजस्व संग्रह में यह वृद्धि संभव हुई है।

सीएम योगी के विजन से महेशपुर वन रेंज बनेगा नया ईको-टूरिज्म हब

राज्य ब्यूरो, लखनऊ।

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश में ईको-टूरिज्म को बढ़ावा देने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। लखीमपुर खीरी जिले की महेशपुर वन रेंज को नए पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। यूपी ईको टूरिज्म विकास बोर्ड यहां 2.5 करोड़ रुपये की लागत से विभिन्न पर्यटन सुविधाओं का निर्माण करा रहा है।

महेशपुर वन रेंज दुधवा नेशनल पार्क के बफर क्षेत्र में स्थित है। यहां प्रवेश द्वार, कॉटेज ब्लॉक, शौचालय, पेयजल पॉइंट, इंटरलॉकिंग पाथवे, साइनेज, बेंच और ट्री-सीटिंग जैसी आधारभूत सुविधाएं विकसित की जा रही हैं। पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए थ्री डी म्यूरल, गजेबो (गोल हट), बच्चों का खेल क्षेत्र, सेल्फी पॉइंट और लाइफ-साइज एनिमल फिगरिन केज भी बनाए जाएंगे। पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए सोलर लाइट्स, वर्षा जल संचयन प्रणाली और ट्यूबवेल जैसी व्यवस्थाएं भी की जा रही हैं। उद्देश्य है कि पर्यटकों को सुरक्षित, रोमांचक और प्रकृति के करीब अनुभव मिले। परियोजना मुख्यमंत्री के सस्टेनेबल टूरिज्म विजन का हिस्सा है, जिसके तहत नेशनल पार्कों और वन्यजीव अभयारण्यों के बफर जोन में भी पर्यटन गतिविधियां बढ़ाई जा रही हैं। यूपी ईको टूरिज्म विकास बोर्ड पहले से ही महेशपुर के चंदन चौकी क्षेत्र में ईको-लॉज और कैंपिंग साइट संचालित कर रहा है। यहां पर्यटकों को थारू जनजाति के पारंपरिक हस्तशिल्प और स्थानीय व्यंजनों से भी परिचित कराया जाता है। जनजातीय युवाओं को नेचर गाइड का प्रशिक्षण देकर रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

फंदे से लटके मिले विवाहिताओं के शव, मचा कोहराम

कार्यालय संवाददाता, उन्नाव

अमृत विचार: सदर कोतवाली क्षेत्र के हुसैन नगर व बिहार थानाक्षेत्र के मुड़ियन खेड़ा गांव में विवाहिताओं के शव घरों में फंदे से लटके मिले। सूचना पर संबंधित क्षेत्रों की पुलिस ने जांच के बाद शव पोस्टमार्टम के लिए भेजे हैं।

सदर कोतवाली क्षेत्र के हुसैन नगर निवासी सुमन (35) पत्नी प्रकाश लोधी मंगलवार सुबह बरामदे में लगे पंखे के कुंडे में साड़ी का फंदा बनाकर लटक गई। इससे उसकी मौत हो गई। फंदे से लटकने के पहले उसने नहाने गई इकलौती बेटी शालनी के बाथरूम का दरवाजा बाहर से बंद कर दिया। दरवाजा बाहर से बंद देख शालनी ने मां को आवाज लगाई लेकिन उत्तर नहीं मिला। उसने खिड़की से मां को फंदे से लटका देख शोर मचाया। इस पर पहुंचे पड़ोसियों ने शव नीचे उतारा। बेटी ने बताया कि पिता दो साल से सऊदी अरब में नौकरी करते हैं। गांव के एक मामा का उसके घर आना जाना था। वह घर में शराब भी पीते हैं। घटना की सूचना देकर उसे बुलाया गया लेकिन वो नहीं आए। सूचना पर पहुंची पुलिस को जांच में कमरे से शराब की बोतल व गिलास भी मिला। कोतवाली प्रभारी चंद्रकांत मिश्रा ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। पीएम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई होगी।

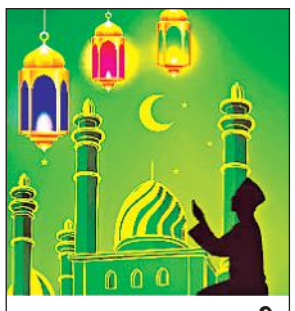

इफ्तार	सहरी
4 मार्च	5 मार्च
सुन्नी : 06 .19	सुन्नी : 05 .11
शिया : 06 .29	शिया : 05 .05

नोट : क्षेत्रानुसार सहरी और इफ्तार के समय में परिवर्तन हो सकता है।

होली पर युवाओं में छाई मस्ती, चौराहों पर सजा डीजे

आज मनाया जाएगा रंगों भरी होली का त्योहार, रातभर गूंजते रहे होली गीतों से मचा रहा कोलाहल

- कुछ स्थानों पर हुआ होलिका दहन कुछ पर आज भी होगा

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार: इस बार होली पर चंद्रग्रहण का असर दिखाई दिया। बीते सोमवार की शाम होली पूजन के बाद अगले दिन मंगलवार को लोगों को अधिक उत्साह नहीं था। लोग अपने अपने कार्य में व्यस्त नजर आए। शाम के समय चंद्र ग्रहण समाप्त होने के बाद होलिका दहन किया गया। इसके बाद वातावरण में रंगों का उल्लास छा गया।

सुबह से ही बाजारों में ग्रामीण क्षेत्रों से गेहूं की बाली बेचने के लिए किसान शहर और कस्बों में पहुंच गए थे। जगह-जगह फुटपाथों पर गेहूं की बालियों के ढेर लगे थे। वहां लोग खरीदारी कर रहे थे, पिचकारी और रंग की दुकानों पर भी सुबह से ही भीड़भाड़ हो गई थी। युवाओं की टोलियां और बच्चे रंग गुलाल उड़ाने लगे थे। घरों में महिलाएं पूजा की तैयारियों में लगी थीं। शाम को महिलाओं ने होलिका दहन स्थलों पर जाकर होलिका का पूजन किया। परिक्रमा लगाई। गलियों में बच्चों और युवाओं का हुड़दंग सुनाई देता रहा।

नगर पालिका द्वारा चौराहे पर बनाई गई रंगोली ● अमृत विचार

पुराने बस स्टैंड के पास युवाओं के द्वारा लगाया गया डीजे ● अमृत विचार

गेहूं की बालें भूनने की है मान्यता

गेहूं की फसल का काटने से पहले होली पर्व पर उपले और नए अनाज की बालियां चढ़ाने का विधान है। इसी विधान के चलते शहर में ही नहीं जिले भर में गेहूं की बालियों की खरीद बिक्री हुई। शहर में सैकड़ों स्थानों पर ग्रामीण क्षेत्रों से आकर ग्रामीणों ने गेहूं की बालियां बेची। बालियां खरीदने के लिए लोगों की भीड़ रही।

रात भर डीजे की धुन पर थिरकते रहे युवा

आपसी सौहार्द व प्रेम का प्रतीक होली का पर्व जिले में श्रद्धा व उल्लास के साथ मनाया जा रहा है। युवाओं में मस्ती छा गई है। शहर के विभिन्न चौराहों पर डीजे लगाया गया है। साथ ही रंगोली भी बनवाई गई है। शहर भर में विभिन्न स्थानों पर डीजे की धुन पर लोग थिरकते देखे गए। होली की गीतों समेत विभिन्न फिल्मी गानों पर रातभर लोग नाचते-गाते रहे। जगह-जगह बड़ी-बड़ी होलिका रखी गईं। रातभर होली के हुरियारों की चहलकदमी बनी रही। दिन निकलते ही विधि-विधान से लोगों ने होली में गेहूं की बालियां व गन्ने अर्पित कर होलिका माता से सुख-समृद्धि की कामना की और जयकारे लगाए। इसके साथ ही टोलियां बनाकर युवा होली की मस्ती में सराबोर होते हुए शहर भर में घूमे, कोई बाइकर्स गैंग बनाकर निकला तो कोई पैदल ही नाचता-गाता रहा। इधर शहर के विभिन्न चौराहों पर बनाई रंगोली लोगों के आकर्षण का केंद्र बनी रही।

नगर पालिका ने शहर के चौराहों पर आकर्षक रंगोली बनवाई

हर बार की तरह इस बार भी होली पर नगर पालिका की ओर से शहर के विभिन्न चौराहों पर रंगोली बनवाई। पालिका चेयरमैन फात्मा रजा ने शहर के प्रमुख चौराहों पर आकर्षक रंगोली बनवाकर स्वच्छता, सौहार्द और भाईचारे का संदेश दिया। रंग-बिरंगे गुलाल और मनमोहक डिजाइनों से सजे चौराहों ने राहगीरों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया और शहर में उत्सव जैसा माहौल बना दिया।

किसान को मारपीट कर रुपये और बाइक लूटी

संवाददाता, बितरोई

अमृत विचार : मुजरिया थाना क्षेत्र के गांव सबदलपुर निवासी किसान ने कुछ लोगों पर मारपीट करने और नकदी लूटने का आरोप लगाते हुए तहरीर दी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

गांव निवासी राजेंद्र सिंह पुत्र झाझन किसान हैं। उन्होंने तहरीर देकर बताया कि दो मार्च की शाम वह उझानी की मंडी में सरसों की पांच क्विंटल फसल 27 हजार रुपये में बेचकर लौट रहे थे। आढ़तियों की उधारी चुकाने और बाजार से सामान खरीदने के बाद उनके पास 18 हजार रुपये जेब में रह गए थे। रात लगभग साढ़े 11 बजे वह बाइक से घर लौट रहे थे। गांव में झंडू यादव के घर के सामने गांव के युवक ने पिकअप लगाकर उनका रास्ता रोक लिया।

जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करते हुए गाली-गलौज शुरू कर दी और हमला किया। विरोध करने पर युवक ने अपने साथियों को बुला लिया। आधा दर्जन लोगों ने लात घूसे और लाठी-डंडों से उन्हें बुरी तरह से पीटा। उनकी सिर में चोट आई। उनकी जेब में रखे रुपये और बाइक लूट ली।

पीड़ित ने डायल 112 पर पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची। उनकी बाइक वापस दिला दी लेकिन रुपये वापस नहीं मिले। पीड़ित ने रुपये दिलाने और आरोपियों पर कार्रवाई करने की मांग की है।

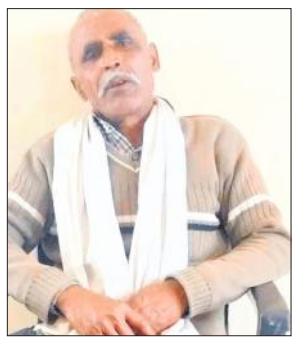

घटना की जानकारी देते गांव सबदलपुर निवासी राजेंद्र सिंह। ● अमृत विचार

- पीड़ित का कहना, सूचना पर पहुंची पुलिस ने वापस दिलाई थी बाइक लेकिन नहीं मिले रुपये

न्यूज ब्रीफ

हर्षित सक्सेना बने बदायूं क्लब के आजीवन सदस्य बने

बदायूं, अमृत विचार : शहर के पटेल नगर निवासी इंजीनियर हर्षित सक्सेना को बदायूं की आजीवन सदस्यता दी गई है। वर्तमान में वह नोएडा की सॉफ्टवेयर कंपनी में इंजीनियर हैं। विभिन्न सांस्कृतिक, सामाजिक कार्यों के अलावा खेलों में उनकी रुचि है। वह वरिष्ठ मंच संचालक रविंद्र मोहन सक्सेना के बेटे हैं। उनके सदस्य बनने पर तमाम लोगों ने बधाई दी है।

हर्षित सक्सेना।

कपड़े पसंद न होने पर हुई मारपीट, बुजुर्ग का सिर फूटा

बिसौली, अमृत विचार : बिसौली में मंगलवार को एक गारमेंट की दुकान पर लड़ाई में एक बृद्ध गंभीर रूप से घायल हो गए। मामला साहूकारा पंजाबी मंदिर के निकट एक रेडिमेंट गारमेंट की दुकान का है। आरोप है कि अजनवार निवासी गोविन्द मौर्य चार बजे करीब कपड़े खरीदने गए थे। कपड़े पसंद नहीं हुए तो आरोप है कि दुकानदार और कर्मचारियों ने उन्हें बेल्ट से पीटा। उन्होंने परिजनों को सूचना दी। एक दर्जन परिजन दुकान पर पहुंचे तो उनके साथ भी मारपीट की गई। जिसमें गोविन्द के बुजुर्ग दादा शेर सिंह का सिर फूट गया। जिन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर भर्ती कराया गया है। बाजार में हुई इस घटना के बाद काफी अफरा तफरी का माहौल हो जाने की खबर है।

खाना बनाते समय कुकर फटा महिला गंभीर घायल

संवाददाता, इस्लामनगर

- कुकर फटने के बाद उसकी सीटी आंख में घुसी, बरेली रेफर

अमृत विचार: कस्बे के मोहल्ला काजी टोला बहजोई बस स्टैंड में मंगलवार सुबह रसोई में चूल्हे पर चढ़ा प्रेशर कुकर अचानक फट गया। जिससे खाना रही महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। तेज धमाके से पूरे घर में अफरा-तफरी मच गई और आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए।

जानकारी के अनुसार, मोहल्ला निवासी हरि सिंह की पत्नी मंजू देवी सुबह रसोई में दलिया पका रही थीं। उनके पति की कुछ दिन पहले ही आंख का ऑपरेशन हुआ था, जिनके लिए वह दलिया बना रही थीं। इसी दौरान अचानक तेज आवाज के साथ कुकर फट गया। बताया जा रहा है कि कुकर की सीटी निकलकर सीधे मंजू देवी की आंख में जा घुसी, जिससे वह लहूलुहान होकर वहीं गिर पड़ीं। चीख-पुकार सुनकर परिवार के अन्य सदस्य और पड़ोसी तुरंत घर पहुंचे। घायल महिला को आनन-फानन में नगर के एक निजी चिकित्सक के पास ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर उन्हें रेफर कर दिया गया। इसके बाद परिजन उन्हें बरेली ले गए, जहां डॉक्टरों द्वारा उनकी आंख का ऑपरेशन किया गया है। फिलहाल बरेली में उनका इलाज जारी है। घटना के बाद मोहल्ले में दहशत का माहौल है। चिकित्सकों ने प्रेशर कुकर का उपयोग करते समय विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी है।

बाजार में रही भीड़ भाड़, देर शाम तक होती रही खरीदारी

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार: रंगों का पर्व होली का आगाज हो चुका है। चहुंओर होली के अलग-अलग रंग दिखाई दे रहे हैं। महिलाएं जहां घरों में पकवान बनाने में व्यस्त हैं तो बाजार में पिचकारी और रंगों की खरीदारी चरम पर देर रात तक जारी रही। दुकानों पर लोगों द्वारा की जाने वाली खरीदारी से बाजार देर रात तक गुलजार रहा।

होली का उत्साह इस बार चंद्र ग्रहण वजह से फीका रहा। लेकिन बाजार में रौनक बनी रही। दिन भर लोग बाजार में खरीदारी के लिए जुटे रहे। होली त्योहार पर बाजार में बच्चों के लिए कई प्रकार की पिचकारी और मास्क मौजूद है। जिनकी खरीदारी की गई। होली त्योहार पर शहर से लेकर देहात क्षेत्रों की बाजारों में भी खरीदारी करने के लिए भीड़ उमड़ती रही। रंग-गुलाल, पिचकारी, मिठाई और कचरी पापड़ सहित अन्य सामान खरीदने के लिए बड़ी संख्या में लोग दुकानों पर पहुंचे। देर रात तक बाजार गुलजार रहा। खरीदारी को आए लोगों की भीड़ देखकर व्यापारियों के चेहरे भी खिले दिखाई दिए। इस बार होली पर बाजारों में स्वदेशी सामान की मांग अधिक रही है। बच्चों के लिए स्वदेशी पिचकारी उपब्ध रहीं। सबसे ज्यादा मांग इलेक्ट्रिक पिचकारियों की रही। होली पर रंग खेलने के लिए बच्चे सबसे ज्यादा इन्हीं की मांग करते हैं। होली के त्योहार पर बाजार देर रात गुलजार दिखाई दिए।

बाजार में कचरी पापड़ खरीदते लोग ● अमृत विचार

बाजार में खरीदारी को लेकर रही भीड़।

बाजार में रंगों की खरीदारी करते लोग ● अमृत विचार

- बाजार में पिचकारी और रंगों की चरम पर होती रही खरीदारी
- घरों में महिलाएं पकवान बनाने में रहीं व्यस्त, शाम को होलिका दहन

बच्चों को खूब भाए कार्टून वाले मास्क

होली के बाजार में जहां इलेक्ट्रिक पिचकारी की मांग रही। वहीं अनेकों प्रकार के मास्कों की बच्चे मांग करते रहे। टिकटगंज बाजार में दुकान सोनू ने बताया कि इस बार 50 से 250 रुपये की कीमत के मास्क उपलब्ध हैं। कहा कि पिछले वर्ष की तुलना में इस बार मास्क पर अधिक महंगाई रही है।

हर्बल और प्राकृतिक रंगों की रही मांग

होली पर लोगों ने केमिकल युक्त रंगों से परहेज किया। लोग बाजार में हर्बल और प्राकृतिक रंगों की मांग करते रहे। दुकानदार देवेंद्र ने बताया कि इस बार हर्बल और प्राकृतिक रंगों की मांग ज्यादा है। इसके साथ ही कई प्रकार की खुशबू वाले अबीर और गुलाल की मांग बनी है। व्यापारियों का कहना है कि हर्बल रंग कुछ महंगा है और केमिकल वाला रंग सस्ता है।

अवकाश के चलते शुरू नहीं हुई गेहूं खरीद

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- बंद पड़े क्रय केंद्र, लटका हुआ है बैनर, व्यवस्थाएं नदारद
- जिले में गेहूं खरीद के लिए खोले गए हैं 76 क्रय केंद्र
- शासन के आदेश पर एक मार्च से होनी थी खरीद

अमृत विचार: जनपद में शासन से घोषित समर्थन मूल्य 2,585 पर गेहूं की खरीद एक मार्च से शुरू हो चुकी है। खरीद के लिए सभी तहसीलों में 76 क्रय केंद्र बनाए गए हैं। लेकिन होली त्योहार के चलते अवकाश होने की वजह से क्रय केंद्रों पर सन्नाटा पसरा हुआ था। दीवार बैनर टगें दिखाई दे रहे थे। वहीं यह स्थित अभी गेहूं की फसल तैयार नहीं होने की वजह से है। किसानों का पंजीकरण किया जा रहा है।

गेहूं खरीद के लिए पांच एजेंसियों को जिला विपणन विभाग की ओर से नामित किया गया है। इन्हीं एजेंसियों के द्वारा खोले गए 76 क्रय केंद्रों पर गेहूं की खरीद होनी है।

> गेहूं खरीद शुरू हो गई है। 76 क्रय केंद्र बनाए हैं। केंद्रों पर व्यवस्थाएं सही कराई जा रही है। होली की छुट्टियां समाप्त होने के बाद व्यवस्थाएं सही करा दी जाएगी।
>
> **डॉ वैभव शर्मा**, एडीएम वित्त एवं राजस्व

ककराला रोड स्थित मंडी समिति में दो गेहूं खरीद के लिए क्रय केंद्र स्थापित किए गए हैं। इनमें एक खाद्य एवं रसद विभाग और दूसरा यूपीएसएस का स्थापित किया गया है।

दोनों ही क्रय केंद्रों पर खरीद को लेकर कोई तैयारी नहीं है। दीवार पर बैनर जरूर टंगा दिखाई दे रहा है। ऐसा ही हाल अन्य क्रय केंद्रों का रहा। क्रय केंद्रों पर ऐसी स्थिति होने की वजह अभी खेतों में गेहूं तैयार नहीं है। फसल ठीक से पकी तक नहीं है।

किसानों के अनुसार करीब 15 दिन बाद फसल पकने की स्थिति में होगी। उसके बाद कटाई शुरू होगी।

अब तक 315 सौ किसानों ने कराया है पंजीकरण

विपणन विभाग के अधिकारी की मानें तो क्रय केंद्रों पर किसानों के न आने के पीछे फसल तैयार न होना है। अभी किसानों का पंजीकरण किया रहा है। अब तक करीब 315 सौ किसानों ने पंजीकरण कराया है। जिन किसानों के द्वारा गेहूं बिक्री के लिए पंजीकरण कराया गया है। उनका ही गेहूं खरीदा जाएगा। खरीद के बाद भुगतान 48 घंटे में किया जाएगा।

गेहूं तैयार होकर मंडी पहुंचने में अभी देरी

गेहूं की फसल अभी खेतों में खड़ी है और करीब तीन से साढ़े तीन माह की हो चुकी है। ऐसे में गेहूं में बालियां निकल कर दाना पड़ चुका है। किसानों का कहना है कि अभी गेहूं को तैयार होने में दो सप्ताह से चार सप्ताह का समय लग जाएगा। ऐसे में किसान अगले माह तक ही अपनी उपज लेकर खरीद केंद्रों पर पहुंचेंगे। गेहूं का बाजार भाव भी इस बार समर्थन मूल्य से अधिक रहने की उम्मीद जताई जा रही है। किसानों का कहना है कि इस माह के अंत में गेहूं की फसल तैयार होकर मंडी तक पहुंचने की उम्मीद है।

होलिका में आग लगाने का प्रयास आरोपी गिरफ्तार

बदायूं, अमृत विचार : सिविल लाइन कोतवाली क्षेत्र के गांव में युवक ने एक दिन पहले ही होलिका में आग लगाने का प्रयास किया। ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस पहुंची। आरोपी को गिरफ्तार करके जेल भेजा गया है। मामला सिविल लाइन कोतवाली क्षेत्र के बरातेगदार का है। मंगलवार को पुलिस को सूचना मिली कि एक युवक दहन से एक दिन पहले ही होलिका में आग लगा रहा है। पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। तब भी युवक आग लगाने की कोशिश करता रहा। पुलिस के समझाने के बाद भी वह मानने को तैयार नहीं हुआ और उग्र होकर पुलिस से ही झगड़ा करने लगा। पुलिस से अभद्रता शुरू कर दी। पुलिस ने उसे हिरासत में लिया। उसने अपना नाम आदित्य उर्फ मन्नू पुत्र मधुप कुमार शर्मा बताया।

हादसे में दो मौतों से होली पर कोहराम

संवाददाता, इस्लामनगर/रुदायन

- ट्रैक्टर-ट्रॉली से भिड़ंत में बाइक सवार युवक की मौत, एक घायल
- सोमवार देर शाम गांव गांव राजपुर रोशन नगर के पास हुआ था हादसा

अमृत विचार : थाना इस्लामनगर क्षेत्र के गांव राजपुर रोशन नगर के पास सोमवार देर शाम ट्रैक्टर-ट्रॉली और बाइक की भिड़ंत हो गई। हादसे में बाइक सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। जहां चिकित्सक ने एक युवक को मृत घोषित कर दिया जबकि दूसरे को हायर सेंटर रेफर किया गया।

गांव दारानगर निवासी अंकित उर्फ हेमंत कुमार (28) पुत्र रामवीर सिंह और मनोज कुमार पुत्र प्रेमपाल सोमवार को किसी काम से बाइक से जा रहे थे। गांव के पास ट्रैक्टर-ट्राली से भिड़ंत हो गई। बाइक सवार दोनों युवक सड़क पर जा गिरे और गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। हादसे के बाद ट्रैक्टर चालक भाग गया। घायलों को रुदायन के सीएचसी ले जाया गया। जहां चिकित्सक ने अंकित को मृत घोषित कर दिया। मनोज कुमार की हालत गंभीर होने पर हायर सेंटर रेफर किया गया। पुलिस ने मंगलवार को शव का पोस्टमार्टम कराया। मौत के बाद से परिजनों में चीत्कार मचा हुआ है।

पिकअप से भिड़ंत में बाइक सवार बहनोई की मौत, साला घायल

बदायूं, अमृत विचार : नोएडा से लौटते समय साले-बहनोई की बाइक और पिकअप की भिड़ंत हो गई। हादसे में फर्रुखाबाद निवासी बहनोई की मौत हो गई जबकि उनका साला गंभीर रूप से घायल हो गया। मौत की सूचना पर परिजनों में कोहराम मच गया। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया। जिला फर्रुखाबाद के थाना अमृतपुर क्षेत्र के गांव कोला सोता हरपालपुर निवासी सुरजीत (28) पुत्र सुरेश सिंह और उनके साले थाना हजरतपुर क्षेत्र के गांव सुकटिया निवासी अनुज के साथ नोएडा की फैक्ट्री में काम करते थे। वह दोनों होली के त्यौहार की वजह से बाइक से वापस लौट रहे थे। रास्ते में उझानी कोतवाली क्षेत्र के बिजली घर स्थित पेट्रोल पंप के पास उनकी बाइक और पिकअप की भिड़ंत हो गई। हादसे में सुरजीत की मौके पर ही मौत हो गई जबकि उनके साले अनुज गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों की सूचना पर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। दोनों युवकों को पास के निजी अस्पताल ले जाया गया। जहां चिकित्सक ने सुरजीत को मृत घोषित कर दिया। उनके साले को भर्ती किया गया है।

अनदेखी

त्योहार पर भी बदायूं क्लब के सामने नहीं हुई सफाई, सड़कों पर फैला कूड़ा

नाले-नालियां चोक, सड़कों पर वह रहा गंदा पानी, लोग परेशान

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- नगर पालिका की लापरवाही, गदंगी में मनाएंगे होली का पर्व

अमृत विचार : शहर में गंदगी को लेकर लोग परेशान हैं। होली के त्योहार पर नाले नालियों को साफ नहीं किया गया है जिससे नालियों का पानी सड़कों तक पहुंच गया है। गंदगी से परेशान लोग नगर पालिका प्रशासन की लापरवाही को कोस रहे हैं।

इन दिनो होली और रमजान चल रहे हैं। बाजार भीड़ से गुलजार हैं। लेकिन पालिका प्रशासन की लापरवाही से लोग परेशान हैं। शहर की नालियां चोक हो चुकी हैं जिनमें पानी का वहाव नहीं हो रहा है। पानी सड़कों तक पहुंच चुका है जिससे रोड से आने जाने वालों को दिक्कत हो रही है। पुलिस लाइन चौराहे से रोडवेज जाने वाली सड़क पर बदायूं क्लब है। बदायूं क्लब के बाहर नाली काफी दिनो से चोक है जिससे नाली में पानी का बहाव रुका हुआ है, अब पानी सड़क तक पहुंच चुका है। गंदा और दूषित पानी सड़क पर भर जाने से ऑटो ई रिक्शा चालक उधर से गुजरना नहीं चाहते हैं जिससे लोगों को और अधिक परेशानी हो रही है। इसी तरह रोडवेज से जिला अस्पताल को जाने वाली सड़क किनारे नाले की स्थिति बदतर हो गयी है। इस रोड पर नाले के किनारे भारी गंदगी रहती है। इस सड़क से रोडवेज की बसें आती जाती हैं। बसों के गुजरने से पैदल यात्रियों को गंदगी से होकर गुजरना पड़ता है। गंदगी और दुर्गंध से लोगों को भारी परेशानी होती है। इंदिरा चौक से दातागंज रोड स्थित नाला गंदगी से भरा पड़ा है। नाले में कचरा भरा रहने से पानी का बहाव बंद है। जिससे नाले का पानी कई जगह सड़क पर वह रहा है। गंदा पानी सड़क पर भर जाने से लोग परेशान हैं। इस रोड पर पेट्रोल पंप के निकट भारी गंदगी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पालिका कर्मचारी इधर से कूड़ा नहीं उठाते हैं जिससे कूड़ा सड़क पर उड़ता रहता है। तेज हवा में कूड़े से लोगों का निकलना मुश्किल हो जाता है।

सिविल लाइंस में बदायूं क्लब के बाहर सड़क पर भरा पानी ● अमृत विचार

मधुवन कॉलोनी में सड़क पर होता है जलभराव

शहर में रेलवे स्टेशन के निकट मधुवन कॉलोनी में नाली का पानी सड़क पर भरा रहता है जिससे लोगों को आना जाना पड़ता है। इस क्षेत्र में सड़क नीची होने से हर समय जलभराव रहता है। मोहल्ले के लोगों ने कई बार नगर पालिका को शिकायती पत्र दिया जिसके बाद सड़क की नाप तौल कर ली गयी लेकिन सड़क पर जलभराव की समस्या खत्म नहीं हुयी। इस मोहल्ले में दो दर्जन से अधिक मकान के आगे तालाब की तरह पानी भरा रहता है।

मीरा सराय की सड़क बनी तालाब

चामुंडा चौराहे से मीरा सराय को जाने वाली सड़क पर करीब तीन महीने से गंदा दूषित पानी भरा है। सड़क टूटी होने से हर समय जलभराव रहता है। स्थानीय लोगों ने बताया कि नगर पालिका ने करीब पांच साल पूर्व सड़क बनायी थी। उसके बाद सड़क टूटने लगी। अब जर्जर सड़क पर जगह जगह नाली की गंदा पानी भरा रहता है। मीरा सराय की सात हजार से अधिक की आबादी है जो इस सड़क से आती जाती है। लेकिन सड़क टूटी होने के कारण नाली बन चुकी है। पूरी सड़क पर पानी भरा रहता है। रात को मोहल्ले के लोगों को भारी दिक्कत होती है। स्कूली बच्चों के वाहन कई वार इस जर्जर सड़क पर पलट चुके हैं।

दुकानदारों ने कहा कि गंदगी हटाने को पालिका प्रशासन से कई बार मांग की गयी लेकिन इस ओर ध्यान नहीं दिया गया।

कैंटर की टक्कर से पलटी पिकअप, 12 लोग घायल

संवाददाता, बितरोई

- थाना मुजरिया क्षेत्र में एसएस गर्ल्स इंटर कॉलेज के पास हुआ हादसा
- संभल जिले के बबराला से पटियाली में भोले बाबा का सत्संग करके लौट रहे थे

अमृत विचार : भोले बाबा के सत्संग से वापस लौट रहे लोगों की पिकअप को कैंटर ने साइड से टक्कर मार दी। हादसे में एक दर्जन से ज्यादा लोग घायल हो गए। घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेज कर इलाज कराया गया।

जिला संभल के थाना बबराला क्षेत्र के गांव मेंहुआ निवासी लोग भोले बाबा का सत्संग सुनने के लिए पिकअप से पटियाली गए थे। वहां से वापस लौटते समय मंगलवार दोपहर मुजरिया चौराहा और मुजरिया गांव के बीच एसएस गर्ल्स इंटर कॉलेज के पास पीछे से तेज रफ्तार से आए एक टैंकर ने उनकी पिकअप को साइड से टक्कर मार दी। जिससे पिकअप पलट गया। जिसमें बैठे 12 लोग घायल हो गए। राहगीरों की सूचना पर पुलिस और एंबुलेंस पहुंची। मुजरिया के सिपाही शोभित कुमार ने घायलों को सहसवान के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भिजवाया।

पिकअप चालक योगेश कुमार पुत्र यादराम ने बताया कि घायल हुए सभी लोग एक ही गांव के रहने वाले हैं। पटियाली से सत्संग सुनकर वापस लौटते समय हादसा हुआ।

अमृत विचार

बुधवार, 4 मार्च 2026

मन में कृष्ण को बसाकर, उनके भक्त बनकर और निस्वार्थ कर्म (पूजा) करके ही व्यक्ति आनंद और प्रेम के रंग से भर सकता है, जो होली के वास्तविक संदेश "आंतरिक शुद्धता और प्रेम" के अनुकूल है। **–श्रीमद् भागवत गीता**

जंग का बढ़ता दायरा

पश्चिम एशिया बारूद के ढेर पर है। इज़राइल द्वारा ईरान के सैन्य और परमाणु प्रतिष्ठानों पर व्यापक बमबारी के जवाब में ईरान की बहुस्तरीय प्रतिघात रणनीति ने संघर्ष को सीमित झड़प से क्षेत्रीय युद्ध की दिशा में धकेल दिया है। अब यह टकराव केवल दो देशों के बीच नहीं, बल्कि व्यापक त्रासदी का कारण बनता लग रहा है। दोनों पक्ष अपने-अपने नैरेटिव में आत्मरक्षा और निवारण का हवाला दे रहे हैं, किंतु परिणामस्वरूप युद्ध की परिधि बढ़ती जा रही है। यह ठीक है कि यह युद्ध किंचित लंबा चले पर रूस यूक्रेन की तरह वर्षों तक नहीं चलेगा क्योंकि ईरान की परमाणु क्षमता और उसका क्षेत्रीय प्रॉक्सी नेटवर्क- हिज्बुल्लाह, हमास, हूती पहले जितने मजबूत नहीं है पर ईरान ने तीन-चरणीय जवाबी योजना के तहत सीधे हमलों के साथ-साथ क्षेत्रीय मोर्चों को भी सक्रिय करने की जो रणनीति बनाई है वह इस बहाने के साथ कि वह 'आक्रामकता का जवाब' दे रहा है, युद्ध को व्यापक बनाएगी। उसका दावा है कि अमेरिकी ठिकाने उसके वैध लक्ष्य हैं। खाड़ी देशों की स्थिति सबसे जटिल है। सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात जैसे देश ईरान के प्रभाव से चिंतित हैं, पर वे खुलकर युद्ध में कूदने से बचना चाहते हैं। खाड़ी सहयोग परिषद के सदस्य ऊर्जा अवसंरचना और समुद्री मार्गों की सुरक्षा को लेकर सतर्क हैं। यदि संघर्ष फारस की खाड़ी और होर्मुज़ जलडमरूमध्य तक फैलता है, तो वैश्विक तेल आपूर्ति पर तात्कालिक असर पड़ेगा। खाड़ी में काम करने वाले लाखों भारतीयों की सुरक्षा और प्रेषण या रिमिटेंस भी दांव पर हैं। किसी एक पक्ष की खुली हिमायत दीर्घकालिक हितों को नुकसान पहुंचा सकती है इसलिए सभी पक्षों से संयम और संवाद की अपील करके कूटनीतिक रूप से भारत संतुलन की नीति पर चल रहा है। यह रुख इसलिए भी आवश्यक है क्योंकि भारत के इजराइल, ईरान और अरब देशों-तीनों से रणनीतिक संबंध हैं।

रक्षा-सुरक्षा के स्तर पर यह युद्ध ड्रोन, मिसाइल और साइबर क्षमताओं के नए आयाम दिखा रहा है। बहुस्तरीय वायु-रक्षा प्रणालियां, सटीक-मारक मिसाइलें और समुद्री नाकेबंदी की संभावनाएं भविष्य के युद्धों की झलक देती हैं। अमेरिका की नौसैनिक मौजूदगी और इजराइल की इंटेलिजेंस-ड्रिवन स्ट्राइक क्षमता एक ओर है, दूसरी ओर ईरान की असममित रणनीति-प्रॉक्सी नेटवर्क और मिसाइल भंडार है। यदि लेबनान, इराक या यमन के मोर्चे पूरी तरह सक्रिय हुए, तो संघर्ष का दायरा और बढ़ेगा। इस बात की चर्चा जायज है कि यह 'नए विश्व-क्रम' की आहट है। संभव है कि यह टकराव क्षेत्रीय गठबंधनों को पुनर्परिभाषित करे-इजराइल और कुछ अरब देशों के बीच सामरिक समीकरण मजबूत हों, जबकि ईरान-रूस-चीन समीपता बढ़े। युद्ध की अवधि, जनमत, आर्थिक लागत और कूटनीतिक हस्तक्षेप-ये सभी कारक भविष्य में इसकी दिशा तय करेंगे। यह संघर्ष जितना सैन्य है, उतना ही मनोवैज्ञानिक और आर्थिक भी। बाजारों की घबराहट, तेल की कीमतें, शरणार्थी संकट और साइबर हमलों का जोखिम-सब मिलकर इसे वैश्विक चिंता का सबब बना रहे हैं। विश्व समुदाय के लिए चुनौती यह है कि वे संतुलित कूटनीति, ऊर्जा-विविधीकरण और नागरिक सुरक्षा की ठोस तैयारी के साथ आगे बढ़ें। क्योंकि इतिहास गवाह है युद्ध की आग सीमाओं में नहीं सिमटती।

प्रसंगवश

समाज हित में जरूरी है त्योहारों पर आत्ममंथन

भारत को उत्सवों की भूमि कहा जाता है। यहां प्रत्येक पर्व केवल आनंद का अवसर नहीं, बल्कि आध्यात्मिक संदेश का वाहक भी है। किंतु विडंबना यह है कि समय के साथ अनेक त्योहारों का स्वरूप अपने मूल उद्देश्यों से भटकता हुआ दिखाई दे रहा है। आज आवश्यकता है कि हम परंपरा और पाखंड के बीच स्पष्ट भेद करें, और स्वयं से प्रश्न पूछें—क्या हम वास्तव में धर्म का पालन कर रहे हैं या केवल सामाजिक दबाव में प्रवाहित हो रहे हैं? आज अनेक लोग यह स्वीकार करते हैं कि वे कुछ परंपराओं में केवल इसलिए भाग लेते हैं क्योंकि परिवार या समाज ऐसा करता है। "लोग क्या कहेंगे" का भय उन्हें विवश कर देता है। धर्म का आधार विवेक है, भीड़ का अनुसरण नहीं। यदि किसी आचरण में नैतिकता, मर्यादा और आत्मसम्मान का ह्रास हो रहा हो, तो उस पर पुनर्विचार आवश्यक है। साहसपूर्वक सही को स्वीकार करना और गलत का त्याग करना ही सच्ची धार्मिकता का संकेत है।

संतोष तिवारी
लेखक

प्रख्यात आध्यात्मिक चिंतक ओशो ने अपने प्रवचनों में कहा था कि उत्सव का अर्थ है चेतना का विस्तार, न कि अचेतनता में डूब जाना। उनके अनुसार, "उत्सव वह है जो आपको अधिक सजग बनाए; यदि वह आपको बेहोश और उन्मादी बना दे, तो वह धर्म नहीं, भीड़ का उन्माद है।" यह विचार हमें याद दिलाता है कि आध्यात्मिकता का सार आंतरिक जागृति है, बाहरी प्रदर्शन नहीं। सामाजिक और धार्मिक सुधार की दिशा में आर्य समाज ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसके संस्थापक स्वामी दयानंद सरस्वती ने वेदों की ओर लौटने और अंधविश्वासों का त्याग करने का आह्वान किया। उनका स्पष्ट मत था कि धर्म का अर्थ है सत्य, संयम और समाजहित; किसी भी प्रकार का पाखंड या अनैतिक आचरण धर्म नहीं हो सकता। यह दृष्टिकोण आज भी उतना ही प्रासंगिक है जितना उस समय था। यदि किसी परंपरा में विवेक का स्थान अंधानुकरण ले ले, तो सुधार की आवश्यकता स्वाभाविक हो जाती है। धर्म केवल अनुष्ठानों का समूह नहीं है। यह आचरण की शुद्धता, विचारों की पवित्रता और समाज के प्रति उत्तरदायित्व का नाम है। यदि त्योहार हमें हिंसा, अपमान, पर्यावरण क्षति या अतिरेक की ओर ले जाएं, तो हमें ठहरकर आत्ममंथन करना चाहिए। त्योहारों का उद्देश्य समाज को जोड़ना है, तोड़ना नहीं। वे आनंद और सौहार्द का संदेश देते हैं, भय और असुविधा का नहीं।

समाधान स्पष्ट है—उत्सव का पुनरुत्थान। प्राकृतिक और सुरक्षित रंगों का प्रयोग करें। किसी की अनुमति के बिना रंग न लगाएं। नशा और अश्लीलता से दूरी रखें। होलिका दहन के समय अपने आंतरिक विकारों का प्रतीकात्मक त्याग करें। महाशिवरात्रि पर ध्यान, उपवास और आत्मसंयम का अभ्यास करें। यदि संभव हो तो इन त्योहारों में मांसाहार न करने का भी संकल्प लें, ताकि जीव हत्या से भी दूर रह सकें और करुणा की भावना विकसित हो। यह विरोध का नहीं, सुधार का मार्ग है। हमें त्योहारों का बहिष्कार नहीं करना, बल्कि उन्हें उनके मूल स्वरूप में पुनर्स्थापित करना है। धर्म का सार आत्मशुद्धि और समाजहित है। यदि हम त्योहारों को केवल बाहरी प्रदर्शन का माध्यम बना दें, तो उनका आध्यात्मिक महत्व समाप्त हो जाता है। आइए, हम यह संकल्प लें कि उत्सवों को उन्माद नहीं, उत्साह का माध्यम बनाएंगे; पाखंड नहीं, प्रामाणिकता अपनाएंगे; और बाह्य रंगों से अधिक अपने भीतर के अंधकार को दूर करने का प्रयास करेंगे। यही सच्ची श्रद्धा है। यही सच्चा धर्म है। (ये लेखक के निजी विचार हैं।)

होली : जीवन और नव सृजन का मदनोत्सव

डॉ. विवेकानंद तिवारी
प्रोफेसर, शिमला

होली वास्तव में एक वैदिक यज्ञ है, जिसका मूल स्वरूप आज विस्मृत हो गया है। वैदिक काल में इस पर्व को 'नवान्नेष्टि' कहा गया है। इस दिन खेत के अधपके अन्न का हवन कर प्रसाद बांटने का विधान है। इस अन्न को होला कहा जाता है, इसलिए इसे होलिकोत्सव के रूप में मनाया जाता था।

इस पर्व को नवसंवत्सर का आगमन तथा वसंतागम के उपलक्ष्य में किया हुआ यज्ञ भी माना जाता है। कुछ लोग इस पर्व को अग्निदेव का पूजन मात्र मानते हैं। मनु का जन्म भी इसी दिन का माना जाता है। अतः इसे मन्वादितिथि भी कहा जाता है। पुराणों के अनुसार भगवान शंकर ने अपनी क्रोधाग्नि से कामदेव को भस्म कर दिया था, तभी से यह त्योहार मनाने का प्रचलन हुआ। हमारी संस्कृति मे 'होली' का उत्सव तामसिक वृत्तियों के मुखर होने हेतु नियत किया गया है। इस दिन हमारी मर्यादित प्रकृति भी उन्मुक्त हो जाती है। आमोद-प्रमोद निर्बंध हो जाते हैं। उत्सव की इस सम्मोहनी शक्ति को हमारे द्रष्टा महर्षियों ने समझा था। उन्होंने यज्ञों में वसंत को आज्य कहकर घोषित किया था- यत्पुरुषेण हविषा देवा यज्ञमतन्वत। वसन्तो अस्यासीदाज्यं ग्रीष्मः इध्मः शरद्धवि॥

होलिकोत्सव का वर्णन भविष्योत्तर पुराण में इस प्रकार से किया गया है "राजन्! शीतकाल का अंत है। इस फाल्गुनी पूर्णिमा के पश्चात् प्रातः मुधमास होगा। सभी को आप अभय दीजिए। सभी रंग-बिरंगे वस्त्र पहनकर चंदन, अबीर और गुलाल लगाकर पान चबाते हुए एक-दूसरे पर रंग डालने के लिए पिचकारियां लेकर निकलें, जिनके मन में जो आए सो कहें। ऐसे शब्दों से तथा हवन करने से वह पापिनी (होलिका) नष्ट हो जाती है।" होली या वसंतोत्सव का जो वर्तमान स्वरूप दिखाई पड़ता है वह हजारों वर्ष भारतवर्ष के पूर्व भाग में, जो अनेक प्रकार की उद्यान-क्रीड़ाएं प्राचीनकाल में प्रचलित थी, वे इसी होली पर्व का ही एक अंग थीं।

पाणिनि का 'प्राचांक्रीणायां (6,2,72) सूत्र इनका परिचायक है। 'वात्स्यायन ने उन्हें देश परंपरागत क्रीड़ाएं कहा है। श्रीमद्भागवत (10-75-14.15) में वर्णन इस प्रकार मिलता है-"गंध, माला, भूषण तथा वस्त्रों से अलंकृत पुरुष और स्त्रियां नदी में अवभृथ स्नान करने के लिए गईं। वहां युवतियां तेल, गोरस, सुगंधित जल, हल्दी और कुंकुम आदि से एक-दूसरे को रंगने लगी। घत्तियी (चर्मयंत्र) से अपने देवरों और प्रियजनों को भिगो रही थीं।" ये घत्तियां ही आधुनिक पिचकारियों की आदिरूप थीं। महाकवि माघ (750 ई.) ने पिचकारी का वर्णन किया है। तप्त स्वर्ण के समान उज्ज्वल केसरिया रंग का विशाल स्नानाच्छादन, वस्त्र प्रक्षालन तथा प्रियजनों का सान्निध्य नारियों के जल क्रीड़ा के साधन थे।

प्रारंभ में उत्सवों और पर्वों का आरंभ अत्यंत लघु बिंदु से होता है, जिसमें निरंतर विकास होता रहता है। सामाजिक आवश्यकताएं इनके विकास में विशेष भूमिका निभाती हैं। यही कारण है कि होली जो मूलतः एक वैदिक सोमयज्ञ के अनुष्ठान से प्रारंभ हुआ, आगे चलकर परम भागवत प्रहलाद और उनकी बुआ होलिका के आख्यान से भी जुड़ गया। गवामयन के अंतर्गत महाव्रत के इस परिवर्धित और उपबृंहित पर्व-संस्करण में 'नवशस्येष्टि (नई फसल के अनाज का सेवन करने के लिए किया गया अनुष्ठान) तथा मदनोत्सव अथवा वसंतोत्सव का समावेश भी इसी क्रम में आगे हो गया। वसंत ऋतु के आगमन के स्वागत उत्सव के कारण होली वसंतोत्सव के रूप में मनाई जाती है। मदनोत्सव के पीछे यह रहस्य है कि मानव जीवन में धर्म, अर्थ और मोक्ष के साथ काम भी एक पुरुषार्थ के रूप में प्रतिष्ठित है।

'कामस्तदाग्रे संवर्ततााधि' कहकर वेदों ने सृष्टि के आदिम स्पंदन में भी काम अर्थात् सृजनात्मक इच्छा की अनिवार्यता को स्वीकार किया है। नृत्य, संगीत, चित्र, काव्य, हास-परिहास, व्यंग्य-विनोद और जीवन का समूचा उल्लास इसी तृतीय पुरुषार्थ की विविध अभिव्यक्तियां हैं। मानव-जीवन केवल तप और त्याग का नाम नहीं, उसमें रस, रंग और राग का संतुलित समावेश भी उतना ही आवश्यक है। जैसा कि भगवद्गीता में भगवान श्रीकृष्ण अर्जुन से कहते हैं- हे अर्जुन! प्राणियों में जो धर्मानुकूल कामभाव है, वही मैं हूं। यहां काम का आशय उच्छृंखल भोग नहीं, बल्कि मर्यादित, सृजनशील और जीवनोन्मुख प्रवृत्ति से है, जो समाज को ऊर्जा और सौहार्द प्रदान करती है।

पुराणों में वर्णित है कि फाल्गुन कृष्णाष्टमी को शिव ने अपने तृतीय नेत्र की ज्वाला से कामदेव का दहन किया। किंतु रति की करुण प्रार्थना पर उन्होंने धुलैंडी के दिन कामदेव के प्रद्युम्न रूप में पुनर्जन्म का वर प्रदान किया। यह प्रसंग दमन नहीं, बल्कि शुद्धिकरण और पुनर्स्थापन का प्रतीक है। इसी कारण होली केवल रंगों का उत्सव नहीं, बल्कि संयमित कामना, पुनरुत्थान और जीवन के नव-सृजन का 'मदनोत्सव' भी है, जहां आनंद धर्म की मर्यादा में रहकर उत्सव बन जाता है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

प्रारंभ में उत्सवों और पर्वों का आरंभ अत्यंत लघु बिंदु से होता है, जिसमें निरंतर विकास होता रहता है। सामाजिक आवश्यकताएं इनके विकास में विशेष भूमिका निभाती हैं।

सोशल फोरम

नई दुनिया में सफलता का सूत्र है टीम वर्क

आज दुनिया में ऐसे परिवार हैं, ऐसे घर हैं, जिनमें एक ही व्यक्ति है। आइसलैंड के वीराने से लेकर बेंगलुरू की भीड़ में ऐसे लोग मौजूद हैं। यह संभव है कि व्यक्ति अकेले ही घर के सभी कार्य कर ले। वहीं दूसरी तरफ, अब ऐसे कार्यस्थल कम हैं, जहां वन-मैन-आर्मी हो। अस्पताल से लेकर नाई की दुकान तक हमें टीम मिलती है। पहले लोग एक चिकित्सक के पास जाकर मलेरिया की दवा ले लेते। उन्हीं चिकित्सक के पास हर्निया के ऑपरेशन से लेकर बच्चे का जन्म भी हो जाता। अगर आप दुनिया के आधुनिक अस्पताल पहुंचें, तो दर्जनभर चिकित्सक मिल कर एक सर्जरी की योजना बना रहे होते हैं। तमाम स्कैन चित्रों के सहयोग से एक वर्चुअल ऑपरेशन हो रहा होता है, जो वर्चुअल रियलिटी सॉफ्टवेयर के सहयोग से संभव होता है। यूं लगता है जैसे किसी अंतरिक्ष यात्रा की योजना बन रही हो। अब 'एकला चोलो रे' नहीं, बल्कि एक बेहतरीन टीम बनाकर कार्य हो रहा है।

प्रवीण झा
लेखक

टीम क्या है? जैसे 'लगान' फिल्म के किरदार भुवन को ही लें। वह अच्छे खिलाड़ी थे, मगर वह फिरकी नहीं डाल सकते थे, तेज गेंदबाजी नहीं कर सकते थे, सबसे बड़ी बात कि अकेले खेल नहीं सकते थे। उन्होंने ऐसी प्रतिभाएं ढूंढी, जिनके पास वे अलग-अलग गुण थे। सौरभ गांगुली ने अलग-अलग काबिलियत वाले युवाओं को जोड़कर टीम बनाई। हमें यह मानकर चलना होगा कि हम भले अपनी पूरी मेहनत और प्रतिभा झोंक दें, मगर हम अष्टभुज नहीं है। न ही सर्वगुण संपन्न। हमें यह पहचानना होगा कि हम क्या बेहतर कर सकते हैं, जो हम नहीं कर सकते, वह आखिर कौन बेहतर कर सकता है? अगर दोनों मिल गए तो क्या कमाल जोड़ी होगी? दो से चार। चार से आठ। आठ से बीस। अल्बर्ट आइंस्टाइन ने जब रिलेटिविटी पर शोधपत्र लिखा, तो उस पर सिर्फ उनका नाम था। वहीं, अगर मनुष्य की आनुवंशिक कुंडली निकालने के लिए बने ह्यूमन जीनोम प्रोजेक्ट का उदाहरण लें, तो उसमें सात देशों के बीस प्रयोगशालाओं के सैकड़ों वैज्ञानिक लगे थे। कोरोना का टीका कई देशों के वैज्ञानिकों ने मिलकर बनाया। हम चाहे गांव में हों या शहर में। खेती-बाड़ी करते हों या कोई अत्याधुनिक तकनीकी कार्य कर रहे हों, हमें ऐसी टीम ढूंढनी होगी, जो हमें श्रेष्ठ परिणाम दे। अगर हर सजग युवा इसी तरह अपने पूरक तलाशें, टीम बनाएं, तो सफलता का रास्ता छोटा और श्रेष्ठतर होता जाएगा। **-फेसबुक वॉल से**

आमने

एसआईआर के पीछे मंशा विपक्ष के वोट को काटना और सत्ता पक्ष को जिताना है। एसआईआर में गड़बड़ियों को लेकर कोर्ट भी गए, प्रदर्शन भी हुए, लेकिन कोई नतीजा नहीं निकला। ये (अमित शाह) जहां जाते हैं, वहां भ्रष्टाचार बढ़ जाता है। गुजरात भ्रष्टाचार को मॉडल है। जितने बैंक लुटेरे हैं ज्यादातर गुजरात में हैं। – **उदित राज,** कांग्रेस नेता

अमित शाह ने सही बयान दिया है। बंगाल की जनता बदलाव चाहती है। जैसे यूपी, बिहार विकास के रास्ते पर हैं, वैसे ही बंगाल के लोग भी विकास चाहते हैं। एसआईआर चुनाव आयोग करा रहा है। चुनाव आयोग स्वतंत्र एजेंसी है। मृतकों को सूची से हटाया जा रहा है, जो लोग गांव से शहरों में जाकर बस गए हैं उन्हें सूची से हटाया जा रहा है। –**ओमप्रकाश राजभर,** मंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार

सामने

बेहतर कानून व्यवस्था से निवेश की होड़

अमित नारायण
राजनीतिक विश्लेषक

सर्वाधिक एक्सप्रेस वे वाले उत्तर प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था वाला राज्य बनाने के लक्ष्य की पूर्ति के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा शुरू की गई कवायद रंग ला रही है। ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में अग्रणी राज्य के रूप में पहचान बनाने वाले उत्तर प्रदेश की कानून व्यवस्था की तारीफ अब हर कोई कर रहा है। बेहतर कानून व्यवस्था के कारण ही आज न सिर्फ भारत की बड़ी मल्टीनेशनल कंपनियां निवेश के लिए आगे आ रही हैं, बल्कि विदेशी निवेशक भी निवेश के लिए तत्पर हैं। उनमें यूपी में निवेश को लेकर एक होड़ सी दिखाई दे रही है।

इसका प्रत्यक्ष उदाहरण है मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सिंगापुर और जापान दौरे पर मिले निवेश प्रस्ताव और किए गए एमओयू। जब ये निवेश प्रस्ताव धरातल पर उतरेंगे, तो निश्चित रूप से न सिर्फ यूपी से युवाओं का पलायन रुकेगा, बल्कि गरीबी का ग्राफ गिरेगा और हमारी अर्थव्यवस्था भी समृद्ध होगी।

मुख्यमंत्री चार दिनों की सिंगापुर और जापान की यात्रा पर थे। उन्होंने प्रदेश में औद्योगिक इकाइयों की स्थापना के लिए बड़ी कंपनियों के सीईओ से मुलाकात कर उन्हें निवेश के लिए प्रेरित किया। औद्योगिक नीति के बारे में समझाया। इन सीईओ को वे यह बताने और समझाने में कामयाब रहे कि उत्तर प्रदेश में उन्हें न सिर्फ घर जैसा माहौल मिलेगा, बल्कि उनकी मांग के अनुरूप दक्ष कार्मिक, बेहतर कानून- व्यवस्था भी मिलेगी। एक बेहतरीन रोड नेटवर्क भी मिलेगा।

मुख्यमंत्री की मौजूदगी में जापान में विभिन्न कंपनियों के साथ 90 हजार करोड़ रुपये और सिंगापुर में 60 हजार करोड़ के एमओयू साइन किए गए हैं। दोनों देशों से ढाई लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव मिलना बहुत बड़ी उपलब्धि है। इन कंपनियों को उनकी मांग के अनुरूप भूमि भी उपलब्ध कराने के लिए सरकार के औद्योगिक विकास प्राधिकरण जुट गए हैं। जापान के यामानाशी प्रांत के साथ ग्रीन हाइड्रोजन तकनीक को लेकर करार कोई छोटी उपलब्धि नहीं है। वहां भारतीय छात्रों को जापान में उच्चस्तरीय प्रशिक्षण मिलने का मार्ग खुल गया है।

प्रदेश सरकार ने बजट में रोबोटिक्स के लिए सेंटर ऑफ एक्सीलेंस बनाने के लिए भारी भरकम बजट की व्यवस्था की है, जो भारत और जापान संबंधों को नई ऊंचाई तक ले जाएगा। जापान की कुबोटा कार्पोरेशन, स्पार्क मिंडा (सहयोग में टोयो डेंसो), जापान एविएशन इलेक्ट्रॉनिक्स इंडस्ट्री जैसी कंपनियां प्रदेश में भारी भरकम निवेश कर बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर उपलब्ध कराएंगी।

मुख्यमंत्री ने तो इस दौरे से लौटने के बाद खुद ही घोषणा की कि इन निवेश प्रस्तावों के धरातल पर आने से पांच लाख से अधिक युवाओं को रोजगार मिलेगा और उत्तर प्रदेश को वर्ष 2029-30 तक वन ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था बनाने का जो सपना है, उसे पूरा करने में अहम योगदान देगा। मुख्यमंत्री के दौरे पर निवेश के प्रस्ताव मिलने के साथ ही एमओयू तो हुए ही सबसे बड़ी बात टेक्नोलॉजी ट्रांसफर को लेकर हुई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रथम कार्यकाल और इस कार्यकाल में कई बड़ी कंपनियों ने औद्योगिक इकाइयां स्थापित की हैं। उन्होंने रोजगार भी खूब दिए हैं। यह वजह है कि मुख्यमंत्री ने अपने विदेश दौरे के लिए जापान और सिंगापुर को चुना। वहां उन्हें सफलता भी मिली।

उधर उप-मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने जर्मनी का दौरा किया। उनके इस दौरे के दौरान करीब 10 हजार करोड़ रुपये के एमओयू साइन किए गए हैं। अभी वहां की कई और कंपनियां यूपी आकर एमओयू साइन करेंगी। अमेरिका, ब्रिटेन, आस्ट्रेलिया, जर्मनी समेत तमाम देशों के निवेशकों में यूपी में निवेश को लेकर उत्साह है। इसीलिए वे खुद ही सरकार और अधिकारियों से संपर्क कर रहे हैं। उनमें उत्साह के पीछे सबसे बड़ा कारण सूबे के बुनियादी ढांचे में हो रहा तेजी से बदलाव है।

यहां न सिर्फ एक के बाद एक नए एक्सप्रेस वे का निर्माण हो रहा है, बल्कि सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय भी राष्ट्रीय राजमार्गों को चौड़ा कर रहा है। परिवहन बेहतर होने से कंपनियों को अपने उत्पाद ले जाने में आसानी होगी। इसी तरह डेडीकेटेड फ्रेट कॉरिडोर भी माल पहुंचाने में बड़ी भूमिका निभा रहे हैं। बेहतर रोड नेटवर्क के साथ ही एक के बाद एक एयरपोर्ट की स्थापना, भूमि आवंटन से लेकर मानचित्र स्वीकृति, विभिन्न प्रकार की एनओसी निर्गत करने में प्रक्रिया के सरलीकरण ने निवेश को आकर्षित किया है। जेवर एयरपोर्ट की स्थापना, मेरठ-दिल्ली रैपिड रेल का संचालन बड़ी उपलब्धि है। प्रयागराज-मेरठ गंगा एक्सप्रेस वे मील का पत्थर साबित होगा। इन परियोजनाओं की वजह से निवेशक बड़ी तेजी से इकाई स्थापना के लिए आगे आ रहे हैं।

डिफेंस, फार्मा और सेमी कंडक्टर चिप बनाने वाली इकाइयां अब यहां तेजी से स्थापित होंगी। निवेश आकर्षित करने के लिए विभिन्न विभागों द्वारा तैयार की गई नीतियां भी कारगर साबित हो रही हैं, क्योंकि बड़े पैमाने पर निवेशकों को छूट भी मिल रही है, जिसका वे आसानी से लाभ उठा पा रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बजट में जो सुविधाएं निवेशकों के लिए घोषित की हैं, वह भी निवेश बढ़ाने में अहम योगदान दे रही हैं।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

प्रदेश सरकार ने बजट में रोबोटिक्स के लिए सेंटर ऑफ एक्सीलेंस बनाने के लिए भारी भरकम बजट की व्यवस्था की है, जो भारत और जापान संबंधों को नई ऊंचाई तक ले जाएगा।

सामयिकी

दुनियाभर की साजिशों का शिकार एशिया

एशिया का भू-राजनीतिक परिदृश्य सदियों से संघर्ष, हस्तक्षेप और साजिशों से घिरा रहा है। यह महाद्वीप जनसंख्या, संस्कृति और प्राकृतिक संसाधनों की दृष्टि से समृद्ध है, फिर भी बार-बार युद्ध, अस्थिरता और गरीबी की आग में झोंका जाता रहा है। आज ईरान-पाकिस्तान सीमा पर बढ़ता तनाव हो या कंबोडिया-थाईलैंड के बीच सीमा विवाद, ये घटनाएं केवल संयोग नहीं प्रतीत होतीं। इनके पीछे एक व्यापक वैश्विक रणनीति काम करती दिखती है, जिसमें एशिया को अशांत रखकर बाहरी शक्तियां अपने हित साधती हैं। एशिया जले और विकसित देशों की तिजोरियां भरें-यही इस राजनीति का कठोर यथार्थ है। ग्लोबल साउथ के देश संसाधनों से भरपूर हैं, पर निर्णय-शक्ति से वंचित। तेल, गैस, कोयला, दुर्लभ खनिज, उपजाऊ भूमि और युवा जनसंख्या होने के बावजूद ये देश कर्ज, बेरोजगारी और राजनीतिक अस्थिरता में उलझे रहते हैं। इसका कारण केवल आंतरिक कमजोरियां नहीं, बल्कि वह वैश्विक व्यवस्था भी है, जो इन्हें निर्भर बनाए रखने के लिए दशकों से गढ़ी गई है। औपनिवेशिक काल की लूट आज मुक्त व्यापार और मानवाधिकारों की आड़ में नए रूप में जारी है।

डॉ. सत्यवान सौरभ
शिक्षक

ईरान-पाकिस्तान तनाव इसका उदाहरण है। ईरान प्रतिबंधों की मार झेल रहा है, जबकि पाकिस्तान आर्थिक दबाव में है। ऐसे में सीमा पर उभरता तनाव व्यापक प्रभाव डाल सकता है। बलूचिस्तान जैसे क्षेत्रों में अस्थिरता दोनों देशों को आमने-सामने ला सकती है। यदि स्थिति बिगड़ती है, तो दक्षिण और पश्चिम एशिया के ऊर्जा मार्ग प्रभावित होंगे। तेल-गैस की कीमतें बढ़ेंगी और लाभ वैश्विक बाजारों को नियंत्रित करने वाली शक्तियों को मिलेगा। युद्ध एशिया में होगा, पर मुनाफा कहीं और दर्ज होगा। इतिहास गवाह है कि बाहरी ताकतें स्थानीय विवादों को हवा देकर अपने हित साधती रही हैं। वे कभी मध्यस्थ बनती हैं, तो कभी सैन्य सहायता के नाम पर ठिकाने स्थापित कर लेती हैं। अफगानिस्तान इसका उदाहरण है, जहां दशकों तक संघर्ष चला और अंततः वही देश सर्वाधिक तबाह हुआ। दक्षिण-पूर्व एशिया में कंबोडिया-थाईलैंड विवाद भी चिंताजनक है। सीमा क्षेत्रों को लेकर पुराना तनाव हाल में सैन्य रूप लेता दिखा है। यह क्षेत्र दुर्लभ खनिजों से समृद्ध है, जिनकी मांग नई तकनीक और ऊर्जा परिवर्तन के दौर में बढ़ रही है। ऐसे में बाहरी हस्तक्षेप संसाधनों तक पहुंच का माध्यम बन जाता है और नुकसान स्थानीय जनता को उठाना पड़ता है।

ग्लोबल साउथ की यह स्थिति अचानक नहीं बनी। विकसित देशों ने एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका को कच्चे माल के स्रोत और बाजार के रूप में इस्तेमाल किया। औपनिवेशिक शासन समाप्त हुआ, पर आर्थिक ढांचा नहीं बदला। अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थाएं कर्ज देती हैं, पर शर्तों के माध्यम से नीतिगत स्वतंत्रता सीमित कर देती हैं। समाधान आर्थिक स्वावलंबन और क्षेत्रीय सहयोग में है। संसाधनों पर नियंत्रण तभी संभव है, जब स्थानीय उद्योग मजबूत हों और मूल्यवर्धन पर जोर दिया जाए। आत्मनिर्भरता का अर्थ अलगाव नहीं, बल्कि बराबरी के आधार पर वैश्विक जुड़ाव है। अंततः एशिया का भविष्य उसके अपने हाथों में है। यदि यह महाद्वीप टकराव में उलझा रहा, तो अस्थिरता बनी रहेगी, पर यदि यह एकजुट होकर अपने संसाधनों और नीतियों पर नियंत्रण स्थापित करता है, तो वैश्विक शक्ति संतुलन बदल सकता है। ग्लोबल साउथ को दया नहीं, न्याय चाहिए, हस्तक्षेप नहीं, सम्मान चाहिए। यही न्यायपूर्ण विश्व व्यवस्था की दिशा है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

बालमन की आरंभिक अभिव्यक्ति

दीवार पर चित्रकारी

वरिष्ठ पत्रकार कुमार सौवीर की कलम का कायल हूं। पिछले दिनों उनसे मिलने कलाकार मित्र भूपेंद्र अस्थाना के साथ उनके आवास मोतीनगर, लखनऊ जाना हुआ। देर रात तक ढेरों बतकही और चर्चाओं के बीच रात्रि भोजन का दौर चला।

सुमन कुमार सिंह
कलाकार/कला लेखक

अपनी तरह के संभवतः इकलौते मन मिजाज वाले इन जैसों से मिलना, नई जानकारियों एवं संस्मरणों का पिटारा खुलने जैसा लगता है। इन सभी बातों के बावजूद उनके इस घर ने जिस चीज से बेहद प्रभावित किया, वह था पूरे घर की दीवारों पर मौजूद चित्रकारी। पूरे घर में कोई भी ऐसी दीवार या कोना नहीं था, जो चित्रों से सजा नहीं था। वैसे इससे पहले भी हमने कई घर की दीवारों पर बच्चों द्वारा बनाए चित्र देखे हैं, किंतु पहली बार किसी ऐसे घर में था, जिसका इंच दर इंच इन चित्रों से भरा था।

हम कलाकारों का तो मानना है कि इस तरह के बच्चों को भरपूर प्रोत्साहन मिलना चाहिए। क्योंकि घर की दीवारों को तो आप कभी भी साफ कर सकते हैं। किंतु अपने बच्चों का बचपन आप दुबारा लौटा नहीं सकते हैं। शायद इसीलिए निदा फाजली साहब ने कहा है: बच्चों के छोटे हाथों को चांद सितारे छूने दो/चार किताबें पढ़कर ये भी हम जैसे हो जाएंगे।

बच्चों द्वारा रेखाएं खींचने या घर की दीवारों पर चित्र बनाने की इस प्रक्रिया के बारे में समझा जाता है कि इसके जरिए वे अपनी उपस्थिति दर्शाना चाहते हैं। यहां यह प्रयास कुमार सौवीर के नाती भावार्थ मिश्र की अभिव्यक्ति थी। बच्चों द्वारा इस अभिव्यक्ति पर वरिष्ठ कला इतिहासकार/समीक्षक जोनी एमएल की टिप्पणी है कि -" चित्र बनाना मनुष्य की स्वाभाविक प्रवृत्ति है। दरअसल इसके जरिए वे किसी न किसी रूप में इस संसार पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराना चाहते हैं। दीवारों पर चित्र बनाना इसी मूल प्रवृत्ति का प्रारंभिक रूप है, जो मनुष्य में बचपन से ही दिखाई देता है। बच्चे जब दीवारों पर चित्र बनाते हैं, तो वे केवल खेल नहीं कर रहे होते, बल्कि अपनी दुनिया को समझने और उसे व्यक्त करने का प्रयास कर रहे होते हैं।

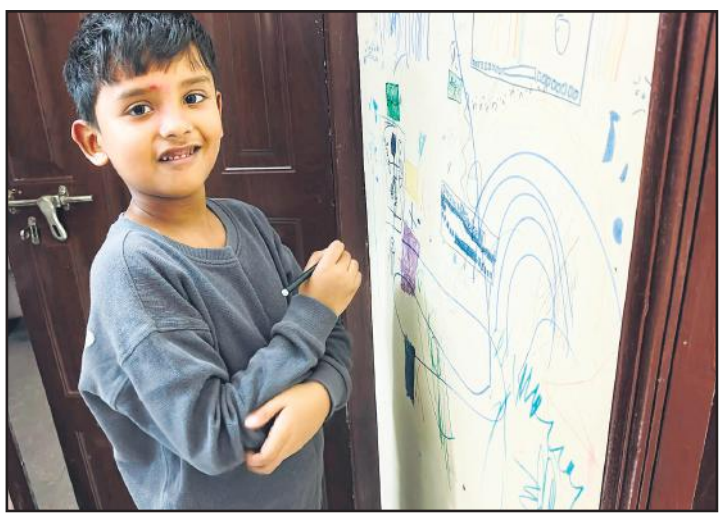

बड़ों को ये चित्र भले ही सरल, भोले या अर्थहीन प्रतीत हों, परंतु वास्तव में ये चित्र बच्चों की अपनी जटिल प्रतीकात्मक भाषा का हिस्सा होते हैं। उनके लिए यह अपने आसपास की दुनिया से संवाद और सामंजस्य बनाने की प्रक्रिया का सर्वाधिक सहज और सुलभ माध्यम है। आगे चलकर जब उन्हें अभिव्यक्ति के अन्य साधन मिल जाते हैं, तो अधिकांश लोग इस तरह के चित्र बनाना अक्सर छोड़ ही देते हैं, लेकिन कुछ लोग जो इस प्रवृत्ति को बनाए रखते हैं, वही आगे चलकर चित्रकार बनते हैं।"

वहीं मनोविज्ञान बच्चों द्वारा घर की दीवारों पर चित्र बनाने की इस प्रवृत्ति को शरारत या अनुशासनहीनता के रूप में नहीं, बल्कि उनके स्वाभाविक विकासक्रम के एक महत्वपूर्ण चरण के रूप में देखता है। विकासात्मक मनोवैज्ञानिक जैसे जीन पियाजे का मानना है कि प्रारंभिक अवस्था में बच्चा प्रतीकों के माध्यम से संसार को समझना शुरू करता है। दीवार पर रेखाएं खींचना उसके लिए केवल आकृति बनाना नहीं, बल्कि अनुभवों को व्यवस्थित करने का प्रयास है। इसी प्रकार सिगमंड फ्रायड की मनोविश्लेषणात्मक दृष्टि से यह क्रिया दबी हुई इच्छाओं, जिज्ञासा और आत्म-अभिव्यक्ति का रूप हो सकती है। आधुनिक बाल मनोविज्ञान इसे स्किल विकास, रचनात्मकता और आत्म पहचान के निर्माण से भी जोड़ता है।

इस तरह से देखें तो दीवारों पर बने चित्र बच्चे की आंतरिक दुनिया, उसकी भावनाओं और परिवेश से उसके संवाद का दृश्य दस्तावेज माने जाते हैं। इसलिए अनुरोध है कि अब जब भी आपका बच्चा घर की दीवारों पर अपनी दुनिया उकेरने लगे तो उसे रोकिए नहीं, बल्कि प्रोत्साहन स्वरूप पुरस्कार प्रदान करें। क्योंकि यह उस बच्चे की अपनी दुनिया रचने या सिरजने के लिए खुला आकाश दे दीजिए। मेरे लिए ऐसे तमाम माता-पिता और अभिभावक स्तुत्य हैं, जो अपने बच्चों के लिए घर की दीवारों की सफेदी की कुर्बानी देने से हिचकते नहीं हैं। वैसे तो इन बाल कलाकार का नाम है 'भावार्थ मिश्रा', लेकिन नानाजी यानी कुमार सौवीर ने इन्हें नाम दिया है 'च्यवनप्राश'।

अनोखी परंपरा

डेनमार्क में अविवाहितों का खास दिन मसालों की होली

शादी को लेकर एक मशहूर कहावत है- "शादी का लड्डू जो खाए वो पछताए और जो न खाए वो भी पछताए।" यह कहावत भले ही मजाकिया अंदाज में कही जाती हो, लेकिन दुनिया के अलग-अलग देशों में विवाह और अविवाहित जीवन से जुड़ी अनेक रोचक परंपराएं प्रचलित हैं। ऐसी ही एक अनोखी परंपरा यूरोप के देश डेनमार्क में देखने को मिलती है, जिसके बारे में जानकर आपको हैरानी भी होगी और मुस्कान भी आ जाएगी।

डेनमार्क में यदि कोई युवक या युवती 25 वर्ष की आयु तक अविवाहित रहता है, तो उसके मित्र एक विशेष रस्म निभाते हैं। इस अवसर पर उसे किसी लैंप पोस्ट, खंभे या पेड़ से बांध दिया जाता है और फिर उस पर दालचीनी पाउडर सहित विभिन्न मसालों की वर्षा की जाती है। पूरा वातावरण मसालों की खुशबू और उड़ते पाउडर से भर उठता है। दृश्य इतना रंगीन और उत्साहपूर्ण होता है कि देखने वालों को भारत की होली की याद आ जाए। फर्क बस इतना है कि यहां रंगों की जगह गरम मसालों का प्रयोग होता है।

यह परंपरा केवल मजाक या शरारत भर नहीं है, बल्कि इसके पीछे एक ऐतिहासिक पृष्ठभूमि भी बताई जाती है। पुराने समय में डेनमार्क में मसाले बेचने वाले सेल्समैन एक शहर से दूसरे शहर घूमते रहते थे। लगातार यात्राओं के कारण वे समय पर विवाह नहीं कर पाते थे। ऐसे अविवाहित पुरुषों को 'पेबरस्वेन्ड्स' और महिलाओं को 'पेबरमो' कहा जाता था। धीरे-धीरे उन्हें मसालों से सराबोर करने की परंपरा शुरू हुई, जो आज तक एक सामाजिक उत्सव के रूप में निभाई जाती है। मान्यता यह भी है कि जैसे-जैसे उम्र बढ़ती जाती है, वैसे-वैसे मसालों की मात्रा भी बढ़ाई जाती है। इस रस्म के दौरान दोस्त और परिजन खुले मैदान, पार्क या लॉन में एकत्र होते हैं। हंसी-ठिठोली, खाने-पीने और मस्ती के बीच अविवाहित व्यक्ति को सिर से पांव तक दालचीनी से ढक दिया जाता है। अंत में पानी डालकर मसालों को धोया जाता है। पूरा आयोजन उत्सव जैसा माहौल पैदा कर देता है। यदि भारतीय परंपराओं से इसकी तुलना करें, तो शादी से पहले होने वाली हल्दी की रस्म का स्मरण हो आता है। भारत में हल्दी लगाने को शुभ माना जाता है। मान्यता है कि यह दूल्हा-दुल्हन को नकारात्मक प्रभावों से बचाती है। कई स्थानों पर हल्दी के बाद वर-वधू को घर से बाहर निकलने की अनुमति नहीं होती और उन्हें बुरी नजर से बचाने के लिए पवित्र धागा या ताबीज भी बांधा जाता है।

डेनमार्क की यह परंपरा भले ही हंसी-मजाक से जुड़ी हो, पर इसे वहां आज भी उत्साहपूर्वक निभाया जाता है। दिलचस्प बात यह है कि इसे शुभ संकेत माना जाता है और विश्वास किया जाता है कि इस रस्म के बाद अविवाहित युवक-युवतियों को शीघ्र ही उपयुक्त जीवनसाथी मिल जाता है।

आर्ट गैलरी

प्रकृति का प्रचंड रूप और शाश्वत शांति : द ग्रेट वेव ऑफ कानागावा

'द ग्रेट वेव ऑफ कानागावा' विश्व कला इतिहास की सर्वाधिक प्रसिद्ध कृतियों में से एक है। यह काष्ठछाप (वुडब्लॉक प्रिंट) उन्नीसवीं शताब्दी के प्रारंभ में बनाई गई थी और यह 'थर्टी-सिक्स व्यूज ऑफ माउंट फूजी' श्रृंखला का हिस्सा है। चित्र में समुद्र की एक विकराल लहर अपने चरम पर उठी हुई दिखाई देती है। उसकी फेनिल धाराएं पंजों की भांति फैलकर सामने चल रही नौकाओं को अपने आगोश में लेने को तत्पर प्रतीत होती हैं। इन छोटी नौकाओं में बैठे मछुआरे प्रकृति की प्रचंड शक्ति के सामने अत्यंत क्षुद्र और असहाय नजर आते हैं।

चित्र की पृष्ठभूमि में शांत, स्थिर और दूर खड़ा फूजी पर्वत दिखाई देता है। उग्र समुद्र और अडिग पर्वत के बीच का यह विरोधाभास जीवन के गहरे दार्शनिक अर्थों को व्यक्त करता है, अस्थिरता और स्थिरता, भय और विश्वास, क्षणभंगुरता और शाश्वतता। चित्र में प्रयुक्त गहरा नीला रंग, विशेषत: 'प्रशियन ब्लू', समुद्र की गहराई और रहस्यमयता को उभारता है। यह कृति केवल एक प्राकृतिक दृश्य नहीं, बल्कि मनुष्य और प्रकृति के संबंध का सशक्त प्रतीक है।

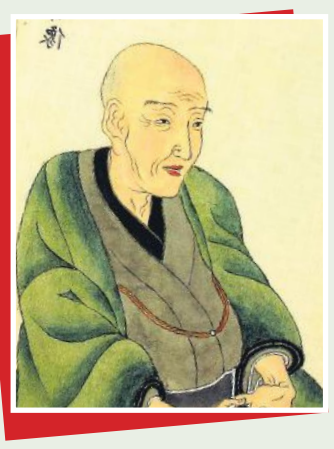

कात्सुशिका होकुसाई के बारे में

कात्सुशिका होकुसाई (1760–1849) जापान की 'उकियो-ए' कला परंपरा के महानतम कलाकारों में गिने जाते हैं। 'उकियो-ए' का अर्थ है- "क्षणभंगुर संसार के चित्र।" इस शैली में नगर जीवन, प्रकृति, अभिनेत्रियां, योद्धा और दैनिक जीवन के विविध दृश्य अंकित किए जाते थे। होकुसाई ने अपने लंबे और सक्रिय जीवन में लगभग तीस हजार से अधिक चित्र, रेखांकन और काष्ठछाप कृतियां निर्मित कीं। वे अत्यंत प्रयोगशील और जिज्ञासु स्वभाव के कलाकार थे। उन्होंने अपने जीवनकाल में कई बार अपना नाम बदला, जो उनके निरंतर विकसित होते कलात्मक व्यक्तित्व का संकेत था। होकुसाई का मानना था कि वे जीवन के अंतिम चरणों में जाकर ही सच्चे अर्थों में उत्कृष्ट कला रच पाएंगे। उनकी रचनाओं में प्रकृति के प्रति गहरा आकर्षण, सूक्ष्म अवलोकन और रेखाओं की अद्भुत ऊर्जा दिखाई देती है। होकुसाई का प्रभाव केवल जापान तक सीमित नहीं रहा। उन्नीसवीं शताब्दी के उत्तरार्ध में यूरोप में 'जापोनिज्म' आंदोलन के दौरान उनकी कृतियों ने अनेक पाश्चात्य कलाकारों को प्रेरित किया। आज वे विश्व कला जगत में एक कालजयी नाम के रूप में प्रतिष्ठित हैं और 'द ग्रेट वेव ऑफ कानागावा' उनकी अमर पहचान बन चुकी है।

लोकायन

प्रेम, आस्था और संस्कारों का संगम

विवाह केवल दो व्यक्तियों का नहीं, बल्कि दो कुलों और परंपराओं का संगम माना जाता है। इसी सांस्कृतिक विरासत का एक महत्वपूर्ण अंग है कोहबर की परंपरा, जो आज भी पूरी आस्था और उत्साह के साथ निभाई जाती है। कोहबर परंपरा आज भी बिहार खासकर मिथिलांचल में प्रचलित है। कोहबर केवल दीवार पर बनाई गई एक आकृति भर नहीं है, बल्कि यह नवदंपति के जीवन की मंगलकामना, कुलदेवता के आशीर्वाद और पारिवारिक परंपराओं का जीवंत प्रतीक है।

अरूणिमा सिंह
लेखिका

'कोहबर' शब्द का अर्थ है वह स्थान जहां विवाह के बाद वर-वधू का प्रथम मिलन होता है। जिस कक्ष में कुलदेवता की स्थापना की जाती है, उसे भी कोहबर कहा जाता है। इसे कुछ स्थानों पर 'कौतुकगार' नाम से भी जाना जाता है। विवाह के बाद जब वधू पहली बार वर का दर्शन करती है, उस पावन क्षण को भी कोहबर की संज्ञा दी जाती है।

मातृपूजन, जिसे मटकोर या भत्तवान भी कहा जाता है, उसी दिन कोहबर बनाने की शुरुआत होती है। एक ओर मंडप में पूजा-अर्चना चलती है, तो दूसरी ओर परिवार की नेगहरुवा बुआ या कोई अनुभवी महिला गोबर से दीवार पर कोहबर की रूपरेखा उकेरती हैं। सबसे पहले गोबर से आधार तैयार किया जाता है और बीच में पांच पिंडियां बनाई जाती हैं। कुलदेवता के समीप जो मुख्य कोहबर बनता है, उसमें इक्कीस पिंडियां लगाई जाती हैं, जबकि अन्य स्थानों पर पांच-पांच पिंडियां ही होती हैं।

आमतौर पर एक बड़ा कोहबर कुलदेवता के पास बनाया जाता है, दो उसी कक्ष के द्वार के दोनों ओर और दो मुख्य द्वार के दोनों तरफ। मातृपूजन के दिन कोहबर बन जाने के बाद कुलदेवता, सिल-लोढ़ा और पहरुवा प्रतीकात्मक रूप से बांध दिए जाते हैं। विवाह वाले दिन प्रातः गोबर से बने कोहबर को गेरू से सजाकर अधिक आकर्षक रूप दिया जाता है। विवाह से पूर्व इन प्रतीकों को खोलते हुए आग्रह किया जाता है कि वे भी वर-वधू को आशीर्वाद देने चलें।

विवाह उपरांत नवदंपति को कुलदेवता के समीप बने कोहबर में ले जाया जाता है। वहीं 'लपकौर' की रस्म होती है, जिसमें दही-गुड़ एक-दूसरे को खिलाया जाता है और 'बाती मिलाने' की रस्म निभाई जाती है। इसी स्थान पर अंगूठी खोजने की रस्म भी होती है। यह परंपरा दोनों पक्षों में अलग-अलग अवसरों पर संपन्न की जाती है।

नब्बे के दशक तक कई घरों में विवाह से पूर्व वर-वधू का मिलना सामान्य नहीं था। ऐसे में कोहबर ही वह अवसर बनता था, जब दोनों पहली बार एक-दूसरे से खुलकर मिलते थे। बाती मिलाने के समय दूल्हे का मुस्कराते हुए शर्त रखना- "पहले दुल्हन का मुख दिखाइए" इन पलों को और भी मधुर बना देता था। कभी-कभी कुछ क्षण अकेले में बातचीत की अनुमति भी मिल जाती थी। कोहबर में बिताए ये छोटे-छोटे पल ही नवजीवन की नींव रखते थे। इन्हीं स्मृतियों के सहारे वर-वधू विवाह और गौने के बीच के समय को मधुर प्रतीक्षा में बिताते थे। यही कारण है कि कोहबर केवल एक रस्म नहीं, बल्कि प्रेम, विश्वास और पारिवारिक आशीर्वाद का अमिट प्रतीक है।

भारत की आदिवासी-लोक चित्रकला

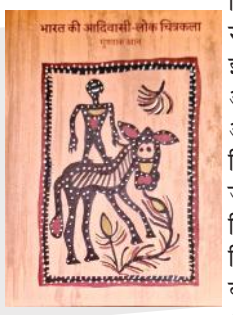

वर्तमान में ऐसे आदिवासी- लोक शिल्पियों एवं कलाकारों की संख्या बहुत ही कम रह गई है, जो अपनी कला के अतीत एवं पारंपरिक ज्ञान के बारे में बता सकते हैं। यह मेरा सौभाग्य रहा कि मैं ऐसे अनेक कलाकारों से मिल सका और उनके वर्षों के अनुभवों को लिपिबद्ध कर सका। मैंने भारत के मध्यप्रदेश क्षेत्र के लगभग सत्तर आदिवासी–लोक चित्रकारों की पहचान की, उनके साक्ष्य में विवरण जुटाए, उनके फोटोग्राफ लिए, जिनका संकलन इस पुस्तक में प्रस्तुत किया गया है।

भारत अपनी सांस्कृतिक विविधता के लिए विश्वविख्यात है। यहां प्रत्येक सांस्कृतिक अंचल की अपनी विशिष्ट आदिवासी-लोक कलाएं हैं। लोक शब्द दो शब्दों से मिलकर बना है- लोक एवं कला। लोक से आशय उन सामान्य जनों से है, जो ग्रामीण भारत में बसते हैं अथवा वहां से निकलकर नगरों में आ बसे हैं, परंतु अपनी ग्रामीण परंपराओं, लोक–रीतियों, विश्वासों और मान्यताओं से गहरे जुड़े हैं। इन्हीं सामान्य जन द्वारा किया गया कलाकर्म लोककला है। इस पुस्तक में भारत की आदिवासी- लोक चित्रकला को परिभाषित एवं व्याख्यायित कर उसके विभिन्न क्षेत्रीय रूपों के उदाहरणों को समाहित किया गया है। पुस्तक का एक अध्याय आदिवासी-लोक चित्रकला को परिभाषित करने, उसकी व्याख्या करने और उसे वर्गीकृत करने में समर्पित है, जिसके कुछ अंश यहां प्रस्तुत हैं-भारतीय लोक जीवनमान में चित्रों की मान्यताओं के सांस्कृतिक महत्व को प्राचीन काल से ही स्वीकार किया गया है। इसके माध्यम से परंपरागत एवं अलौकिक शक्तियों से संवाद स्थापित करने में प्रयासरत रहे हैं। उन्होंने सामुदायिक स्तर पर एक चित्रभाषा विकसित की जिसमें अनेक प्रतीक, अभिप्राय एवं संकेतों को विकसित कर लिया गया, जिन्हें वे अपनी पीढ़ियों को सहज ही हस्तांतरित करते चले गए। प्रत्येक पीढ़ी ने इन्हें अपने समय के अनुरूप समृद्ध किया है और आज इनमें रूपांतरित स्वरूप हमारे समक्ष है।

अपने परंपरागत स्वरूप में आदिवासी-लोक चित्रकला क्षेत्र विशेष या समुदाय विशेष के जन-सामान्य द्वारा किया गया वह कलाकर्म है, जिसके मूल में शुभ और विवेक होता है और अवसर विशेष से जुड़े अनुष्ठान एवं मान्यताओं को संपन्न करने हेतु किया जाता है। मूलतः यह कलाकर्म आर्थिक लाभ हेतु नहीं, बल्कि अपने जीवन की कठिनाइयों और समस्याओं से उबरने हेतु, सुख एवं शांति पाने हेतु पारंपरिक श्रद्धाओं से आशीर्वाद प्राप्ति के लिए किया जाता है। यह चित्र प्रार्थनाएं हैं, जिनके माध्यम से वे लोक एवं परलोक के मध्य संवाद स्थापित करते हैं, अपने इष्ट देवी-देवताओं को आह्वान करते हैं, उन्हें मनाते हैं, उनका धन्यवाद ज्ञापित करते हैं और उनकी अपेक्षाएं रखते हैं। यह चित्र मात्र सजावटी वस्तु नहीं, आदिवासी-लोक जीवन का महत्वपूर्ण अंग है। यह आदिवासी-लोक कलाकारों के विश्वदृष्टि एवं सामाजिक-धार्मिक मान्यताओं का ही है, जो उनकी कला में व्यक्त होती हैं। नगर कला जहां मानव का मानव को संबोधन है, वहीं पारंपरिक आदिवासी-लोक चित्रकला मानव का मानव के साथ देवताओं को संबोधन भी है। लोक एवं परलोक के मध्य इस संवाद के अर्थ वहीं उन चित्रों के साथ आदिवासी-लोक कलाकारों की विश्वदृष्टि एवं सामाजिक-धार्मिक मान्यताओं में निहित हैं। इन्हें समझे बिना पारंपरिक आदिवासी लोक चित्रकला को समझना भी संभव नहीं है।

मुश्ताक खान
लेखक, नई दिल्ली

रंग तरंग

होली जैसे मैंने देखी

बरेली में होली अनोखे ढंग से मनाई जाती रही है। पिछले लगभग 80 वर्षों में मैंने इसके स्वरूप में अनेक परिवर्तन होते देखे हैं। पहले होली की तैयारी पंद्रह दिन पहले ही शुरू हो जाती थी और एक सप्ताह पूर्व से ही रंगबाजी प्रारंभ हो जाती थी। मोहल्लों के लड़के गलियों के बाहर, नुक्कड़ों पर झुंड बनाकर खड़े हो जाते थे और राह चलते लोगों पर पानी और रंग डालते थे। इस दौरान झगड़ा भी हो जाता था, और ऊंची आवाज में हुड़दंग करते दिखाई देते थे। लड़कों को इसमें बड़ा आनंद आता था। होली के एक दिन पहले बड़े-बड़े कड़ावों और ड्रमों में रंग घोलकर तैयारियां की जाती थीं। हैंडपंपों से रंगों के मोर्चे लगते थे और एक-दूसरे के चेहरे पर रंगों की बौछार की जाती थी। जिसका मुंह पहले पलट जाता, उसे हारा हुआ माना जाता था। इन रंगीले मुकाबलों के बाद सब एक-दूसरे को रंग लगाते और हुरियारे मिलकर होली के नारे लगाते थे। साथ ही बमनपुरी से होली की राम बारात निकलती थी, जो आज भी परंपरा के रूप में निकलती है।

अब समय बदल गया है और होली के उत्सव में भी बड़ा परिवर्तन आया है। आज होली केवल एक या आधे दिन का उत्सव बनकर रह गई है। पहले जैसे हुरियारों के बड़े झुंड दिखाई नहीं देते। लड़ाई-झगड़े लगभग समाप्त हो गए हैं। आज होली अपेक्षाकृत शालीनता और प्रेम के साथ मनाई जाती है। दोपहर के बाद लोग नए कपड़े पहनकर होली मिलाप मेले में पहुंचते हैं। वहां एक-दूसरे से गले मिलते हैं, बधाइयां देते हैं। छोटे-बड़े सभी आपसी सम्मान के साथ मिलते हैं और छोटे, बड़ों के पैर छूकर आशीर्वाद लेते हैं।

–महेंद्र कुमार सक्सेना, चित्रकार

अमृत विचार

बरेली , बुधवार,4 मार्च 2026

व्यापारी का गायब सामान दूसरी वैन में मिला

बिसौली, अमृत विचार: जिला बरेली के आंवला क्षेत्र के गांव महमूदपुर निवासी आदेश कुमार वार्ष्णेय पुत्र प्रमोद कुमार अपने दो अन्य परिजनों के साथ सोमवार की दोपहर किराना का सामान खरीदने वैन से बिसौली आए थे।

उन्होंने चौराहा बाजार से करीब 30 हजार रुपये का सामान खरीदा। एक ई-रिक्शा से सामान पिंदारा रोड पर खड़ी अपने वैन तक भिजवाया। सामान रखकर तीनों लोगों ने वैन लॉक की और फिर से सामान खरीदने चले गए। कुछ समय के बाद वापस लौटे तो वैन से सामान गायब था। सूचना पर पुलिस पहुंची। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज चेक की गई। ई-रिक्शा चालक पर शक जताने के बाद पुलिस ने उसे खोज लिया। उसने बताया कि व्यापारी के बताए स्थान पर दो वैन खड़ी थीं। दूसरी वाली वैन में सामान रखा था।

फाग उत्सव में कलाकारों ने बांधा समां, फूल और गुलाल से खेली होली

बदायूं क्लब में आयोजित किया गया समारोह, कलाकारों की रंगारंग प्रस्तुति से श्रोता हुए भाव विभोर, क्लब के सदस्यों के लिए कराईं प्रतियोगिताएं

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : बदायूं क्लब की ओर से परिसर में फाग उत्सव मनाया गया। रंगारंग कार्यक्रमों और प्रतियोगिताएं हुईं। संस्कृति विभाग के कलाकारों ने ने शानदार कार्यक्रम प्रस्तुत करते समां बांधा। बदायूं क्लब के सदस्यों ने गुलाल और फूलों से होली खेली। एक दूसरे को होली के त्योहार की बधाई दी।

क्लब में सोमवार देर रात तक आयोजन हुआ। क्लब सदस्यों के लिए आयोजित इस कार्यक्रम में मनोरंजन से पूर्ण अनेक कार्यक्रमों ने सदस्यों का भरपूर मनोरंजन किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि नगर विधायक महेश चंद्र गुप्ता, विशिष्ट अतिथि शर्मा इंटरप्राइजेज के निदेशक प्रमोद शर्मा, गोपाल बाथ सोलुशन के निदेशक गोपाल रस्तोगी, महिमा ज्वैल पैलेस के एमडी विनय वैश्य, यामाहा वर्ल्ड के निदेशक कमल आहूजा, जय श्री मसाले के निदेशक मनीष आनंद विशिष्ट अतिथि रहे। कार्यकारिणी की ओर से सभी का माल्यार्पण कर एवं प्रतीक चिन्ह देकर सम्मान किया गया। संस्कृति विभाग के कलाकार रवि प्रकाश डांस ग्रुप ने गणेश वंदना की। क्लब सदस्यों के बच्चों ने सांस्कृतिक प्रस्तुति दीं। रिचा अशेष ने हास्य परिहास से परिपूर्ण प्रतियोगिताएं कराईं। मिमिक्री कलाकार दीपक ठाकुर ने फिल्मी कलाकारों की मिमिकरी से लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कलाकारों ने होली पर मोहक नृत्य प्रस्तुत किया। महारास, डांडिया, राजस्थानी, हरियाणवी लोक नृत्य और अंत में फूलों की होली में सभी सदस्य रंग मय हो गए। कलाकारों के नृत्य प्रस्तुति से समां बांध दिया।

क्लब सदस्य विशाल शर्मा और प्रशांत दीक्षित ने होली के गीत और अविधा अरोरा, सिद्धि पाठक, टिया वर्मा ने नृत्य प्रस्तुत किया। रंगारंग कार्यक्रम में पूरा पंडाल फागमय हो गया। सदर विधायक ने होली की बधाई देते हुए कहा कि बदायूं क्लब के सांस्कृतिक कार्यक्रम जिले की संस्कृति को आगे बढ़ाने का काम कर रहे हैं। त्योहारों पर यह आयोजन समाज में एकता, समरसता और भाईचारे को बनाए रखने में कारगर है। जो निसंदेह प्रशंसनीय है। जिसके लिए डॉ. अक्षत अशेष और टीम बधाई की पात्र है। इस मौके पर क्लब के सचिव डॉ. अक्षत अशेष, अनूप रस्तोगी, दीपक सक्सेना, संजय रस्तोगी के साथ अजय पाल गुप्ता, वीरेंद्र ढींगरा, रमेश गुप्ता, ज्ञानानंद पाण्डेय, नीरज रस्तोगी, शरद रस्तोगी, सुधांशु शर्मा, प्रदीप शर्मा, प्रशांत कोहली, वेद त्रिवेदी, संजीव सक्सेना, डॉ. शैलेंद्र कबीर, उपेंद्र गुप्ता, तन्मय रस्तोगी, विकास आहूजा, नितिन वैश्य, नरेश शंखधार आदि उपस्थित रहे। संचालन सांस्कृतिक सचिव रविन्द्र मोहन सक्सेना और अनमोल आहूजा ने किया।

फाग उत्सव में नृत्य प्रस्तुत करती बच्ची।

कलाकारों के साथ फूलों की होली खेलतीं क्लब परिवार की महिलाएं। ● अमृत विचार

प्रतियोगिता में प्रतिभाग करतीं क्लब के सदस्यों की परिजन। ● अमृत विचार

मंच पर कार्यक्रमों की प्रस्तुति देते कलाकार। ● अमृत विचार

एक ही स्थान पर दो बार जली होली

एक स्थान पर दोनों होली।

बिसाली, अमृत विचार: थाने के निकट होलिका दहन सोमवार देर रात कर दिया गया। जो क्षेत्र में चर्चा का विषय बना। इसके बाद दोबारा से होली रखी गई। जिसका दहन बुधवार की सुबह किया गया।

नगर में अनेक होली स्थल हैं। सभी का दहन बुधवार सुबह होना माना जा रहा था। ऐसे में किसी एक स्थान पर समयपूर्व दहन से लोगों को आश्चर्य हुआ। जिसको लेकर चर्चाओं का बाजार गरमा गया। इस होली स्थल से सम्बद्ध अधिकतर लोग इस काम के लिए इस समय से अनजान थे, उनके ऐतराज के चलते दहन के जिम्मेदारों ने मंगलवार को फिर होली रखी और अब इसका दहन बुधवार को होना तय हुआ है। जानकारी के अनुसार दहन किसी और ने नहीं वरन जो जिम्मेदार थे उन्हीं के द्वारा किया गया, तिथि को लेकर अलग विचारों के चलते ऐसी अनोखी घटना देखने को मिली।

ईरान के सुप्रीम लीडर की मौत पर कैंडल मार्च

बदायूं, अमृत विचार : अमेरिका के हमले में ईरान के सुप्रीम लीडर अली खामेनेई की मौत के विरोध में शिया मुस्लिम समुदाय ने सोमवार देर शाम कैंडल मार्च निकाला। नमाज के बाद जुलूस निकाला गया। जो सय्यद बाड़ा से शुरू होकर कादरी गेट होते हुए कर्बला काजी हाउस पर जाकर संपन्न हुआ।

जुलूस में बड़ी संख्या में लोगों ने शिरकत की। हाथों में कैंडल लेकर खामोशी से एतराज जताया। कार्यक्रम के समापन पर अनवर आलम व गुलाम अब्बास ने तकरीर पेश करते हुए घटना के बारे में बताया। समुदाय से अमन व सब्र बनाए रखने का आह्वान किय। जुलूस जाबिर जैदी के नेतृत्व में निकाला।

बरेली न्यूरो एण्ड स्पाईन सुपर स्पेशलिटी सेंटर

डा. मोहित गुप्ता

M.Ch., Neurosurgery (AIIMS)
Senior Consultant Neurosurgeon
मस्तिष्क, रीढ़ एवं नस रोग विशेषज्ञ
Reg. No. UPMCI 65389
समय - प्रातः 10 से 12:30 बजे तक
एवं सायं 6 से 8:30 बजे तक
अब डॉ. मोहित गुप्ता रविवार को भी मिलेंगे
प्रातः 10 से दोपहर 1 बजे तक

सुविधायें
ब्रेन हैमरेज | स्लिप डिस्क
ब्रेन ट्यूमर | मिर्गी का दौरा
गर्दन दर्द (सर्वाइकल)
रीढ़ की चोट, टी.बी
सिर दर्द, माइग्रेन
कमर दर्द, कंधों में दर्द
पीठ दर्द, रीढ़ की गांठ
सिर की चोट (हेड इंजरी)
हाथ पैरों में झनझनाहट
फालिज (लकवा)
नसों का दर्द
सियाटिका (कमर में पैरों का दर्द)
दिमागी में पानी व खून जमना
दिमाग, रीढ़ एवं नस सम्बन्धित सभी बीमारियों का इलाज एवं ऑपरेशन

Bareilly Neuro and Spine Super Speciality Centre
Google Maps Location
सी-427, डिवाइन अस्पताल के सामने, के.के. अस्पताल रोड, राजेन्द्र नगर, बरेली
7417389433, 7017678157
9897287601, 8191879754

सूतक में बंद रहे मंदिरों के कपाट

तीन बजे के बाद लगा चंद्र ग्रहण, शाम साढ़े पौने सात बजे तक रहा प्रभाव

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार: साल का चंद्र ग्रहण मंगलवार पड़ा। चंद्र ग्रहण से पहले सूतक काल का प्रभाव स्पष्ट रूप से देखने को मिला। होली जैसे प्रमुख पर्व के साथ पड़े चंद्र ग्रहण को लेकर धार्मिक आस्थाओं की वजह से शहर सहित देहात क्षेत्रों के मंदिरों के कपाट सुबह से ही बंद कर दिए गए। श्रद्धालुओं को मंदिर परिसर में प्रवेश तो मिला, लेकिन नियमित पूजा-अर्चना और मूर्ति स्पर्श पर रोक लगी। चंद्र ग्रहण के दौरान भजन कीर्तन का दौर चलता रहा। शाम को चंद्र ग्रहण हटने के बाद मंदिरों में शुद्धिकरण करने के बाद पूजा पाठ किया।

हिंदू धर्म में सूतक काल को विशेष महत्व दिया जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार ग्रहण से पहले का समय वातावरण में नकारात्मक ऊर्जा के बढ़ने का संकेत देता है, इसलिए इस अवधि में विशेष सावधानियां बरतने की सलाह दी जाती है। पंडित पवन कुमार मिश्रा ने बताया कि चंद्र ग्रहण का सूतक ग्रहण प्रारंभ होने से ठीक 9 घंटे पहले शुरू हो जाता है। इसी परंपरा का पालन करते हुए मंदिरों में भी निर्धारित समय से पहले कपाट बंद कर दिए गए। होली के उत्साह के बीच सूतक काल की वजह से धार्मिक गतिविधियों में संयम दिखाई दिया। बाजारों में जहां त्योहार की रौनक रही, वहीं मंदिरों में शांति और अनुशासन का वातावरण बना रहा। ग्रहण समाप्त होने के बाद मंदिरों में विशेष पूजा और आरती का आयोजन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल हुए।

चंद्र ग्रहण के दौरान बंद बिरुआबाड़ी मंदिर का द्वार ● अमृत विचार

- चंद्र ग्रहण के बाद शुरू हुआ पूजा पाठ, मंदिरों में किया गया भजन कीर्तन
- होली के उत्साह के बीच सूतक काल की वजह से धार्मिक गतिविधियों थमीं

दोपहर 3:21 पर शुरू हुआ चंद्र ग्रहण

साल 2026 का पहला चंद्र ग्रहण दोपहर 3 .21 बजे शुरू हुआ था। यह शाम 6 .47 बजे तक रहा। इसके पहले ग्रहण का सूतक काल सुबह शुरू हो गया था। इस दौरान शहर के बिरुआबाड़ी, हर प्रसाद, गौरी शंकर, बालाजी धाम, शक्तिपीठ सहित अन्य छोटे बड़े मंदिरों के कपाट मंगलवार सुबह ही बंद कर दिए। शाम को चंद्र ग्रहण हटने के बाद मंदिरों में शुद्धिकरण किया गया। इसके बाद पूजा अर्चना की गई।

पुलिस ने की फ्लैग मार्च कर शांति की अपील

मस्जिद के निकट तैनात पुलिस के जवान ● अमृत विचार

संवाददाता, कादरचौक

अमृत विचार : थाना अध्यक्ष विक्रम सिंह ने होली और रमजान के मद्देनजर क्षेत्र में शांति सुरक्षा और भाईचारा बनाए रखने के लिए पुलिस बल के साथ भ्रमण (रूट मार्च) किया। उन्होंने अराजक तत्वों को चेतावनी देते हुए क्षेत्र में अवैध शराब व हुड़दंग के खिलाफ विशेष निगरानी और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हैं।मंगलवार को थाना थाना अध्यक्ष ने आगामी त्यौहार को लेकर पूरे कस्बे में रोड ग्रस्त की। थाना अध्यक्ष ने बताया होली 4 मार्च को मनाई जाएगी। आज पूरे कस्बे में अपने समस्त पुलिस स्टाफ के साथ ब्लैक मार्च किया। रंगों की मार्केट में दुकानदारों का जायजा लिया। दुकानदारों से बात भी की।

उन्होंने लोगों से अपील की कि त्योहारों को शांतिपूर्ण ढंग से मनाएं और पुलिस का सहयोग करें। खुराफात करने वालों की पुलिस को सूचना दे इस मौके पर प्रदीप गुप्ता, दिनेश कुमार प्रधान, अंकित गुप्ता, सुनील गुप्ता, आदर्श कुमार, सोनपाल मिश्रा आदि लोग में मौजूद रहे।

कच्ची शराब बनाने की फैक्ट्री पकड़ी

संवाददाता, दातागंज : दातागंज पुलिस ने गांव सलेमपुर में एक मकान में अवैध कच्ची शराब बनाने की फैक्ट्री मय उपकरण सहित बरामद की है। कोतवाल वीपी सिंह ने ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर गांव सलेमपुर में माया देवी पत्नी वेद प्रकाश के मकान पर पुलिस ने छापा मारकर वहां बनाई जा रही अवैध कच्ची शराब की दस-दस लीटर की दो जेरीकेन, एक सिलेंडर व अन्य उपकरण बरामद किए हैं। वहीं ढाई सौ लीटर लहन नष्ट कराया है। सूरज कश्यप पुत्र वेद प्रकाश को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है। पुलिस टीम में उपनिरीक्षक मुकेश त्यागी, सिपाही सन्नी चौधरी, राहुल सिंह, पवन कुमार, अमित कुमार मौजूद रहे।

पुलिस की गिरफ्त में कच्ची शराब बनाने की फैक्ट्री संचालित करने का आरोपी।

नहीं रुक रही गन्ना की अवैध बिक्री बाहर भेजी जा रहीं ट्रैक्टर-ट्रालियां

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : कुछ गन्ना माफियाओं पर रिपोर्ट दर्ज हो जाने के बाद भी जनपद मे गन्ने की अवैध बिक्री जारी है। चोरी छिपे कुछ माफिया रात गन्ने को जिले से बाहर ले जाते हैं। अवैध बिक्री पर रोक नहीं लगने पर गन्ना किसानों में भारी रोष है।

बिसौली चीनी मिल सहित अन्य चार चीनी मिलें गन्ने के अभाव में बंद हो चुकी हैं लेकिन दूसरे जिलों की कुछ चीनी मिलें चल रही हैं जिन पर माफियाओं द्वारा गन्ना ले जाया जा रहा है। गन्ना विभाग ने पिछले दिनों एक चीनी मिल मालिक सहित दो अन्य माफियाओं के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करने को थाने में तहरीर दी थी। पुलिस ने इसमें भी खेल कर दिया। गन्ना विभाग और चीनी मिल से साठ गाठ कर मिल मालिक का नाम हटा दिया गया जबकि दो गन्ना माफियाओं के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गयी। इसके बाद भी जिले में गन्ने की अवैध बिक्री पर रोक नहीं लगी है। गन्ना विभाग की तमाम कोशिशों के बाद भी दूसरे जिलों को गन्ना जा रहा है। गुलड़िया के गन्ना किसानों ने बताया कि कुछ गन्ना माफिया किसानों से औने पौने दामों में गन्ना खरीद रहे हैं और रातों रात दूसरे जिले की चीनी मिल को बेच रहे हैं।

माफियाओं का यह खेल गन्ना विभाग की लापरवाही के चलते काफी दिनो से जारी है जिससे गन्ना किसानों को आर्थिक नुकसान हो रहा है। किसानों का कहना है कि गुलड़िया, लखनपुर, आमगांव, सहित करीब बीस गांवों में अभी भी गन्ना खड़ा है जबकि उनकी चीनी मिल बंद हो चुकी है। इसलिए बिचौलियों की चांदी कट रही है। अवैध बिक्री पर रोक नहीं होने पर स्थानीय चीनी मिल को भी गन्ना बहुत कम जा रहा है।

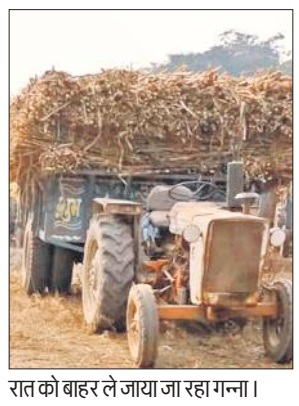

रात को बाहर ले जाया जा रहा गन्ना।

- गन्ना माफिया हावी, दूसरे जिलों की मिलों पर ले जा रहे गन्ना
- विभाग की लापरवाही से औने पौने दामों पर खरीदा जा रहा गन्ना

शेखूपुर का गन्ना खरीद रहे माफिया

बिसौली चीनी मिल बंद हो हो जाने के बाद लखनपुर गांव में शेखूपुर चीनी मिल के दो गन्ना क्रय केंद्र खोले गए। जिन पर खरीद भी हो रही है। इसके बाद भी गन्ना किसान दूसरे जिले की चीनी मिल को गन्ना ले ला रहे हैं। शेखूपुर चीनी मिल पर गन्ना कम हो रहा है। दो दिन तक बंद रही चीनी मिल पर करीब सौ से अधिक ट्रैक्टर ट्रालियां खड़ी हैं। इस समस्या को लेकर माफिया गन्ना खरीद रहे हैं।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
9756905552, 8445507002

आवश्यकता है
अनुभवी व्यक्तियों की
● ओ.टी. टेक्नीशियन
● लैब टेक्नीशियन
● पी.आर.ओ (पब्लिक रिलेशन आफिसर)
● कंप्यूटर ऑपरेटर
वेतन योग्यतानुसार
सम्पर्क करें
एच.आर. ऑफिस एडमिन ब्लाक वरुण अर्जुन मेडिकल कॉलेज एवं रोहिलखण्ड अस्पताल एन.एच.-30, बन्थरा, शाहजहाँपुर
समय : प्रातः 10 बजे से सायं 04 बजे तक
मो. 7521001986

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

पुलिस ने हवन पूजन कर मनाई होली

हवन पूजन करते एसपी ग्रामीण व अन्य पुलिस अधिकारी।

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- एक दूसरे के साथ गले मिलकर अधिकारियों ने एक दूसरे दी होली की बधाई

अमृत विचार: होली का त्योहार पुलिस अधिकारियों ने हर्षोल्लास के साथ मनाया। अधिकारियों ने एक दूसरे को गले लगाकर होली की बधाई दी।होलिका दहन से पूर्व रिजर्व पुलिस लाइन में हवन पूजन हुआ। जिसमें एसपी देहात डॉ ह्रदेश सिंह कठेरिया, क्षेत्राधिकारी नगर रजनीश कुमार उपाध्याय, क्षेत्राधिकारी लाइन डा देवेन्द्र कुमार द्वारा होलिका पूजन विधि-विधान से किया गया। इसके बाद उनके द्वारा बच्चों में होली के रंग, उपहार एवं चॉकलेट वितरित किये गये तथा सभी को सुरक्षित एवं हर्षोल्लास से होली पर्व बनाने हेतु हार्दिक शुभकामनाएं और शुभाशीष दिया गया। इस अवसर पर प्रतिसार निरीक्षक इन्द्रजीत सिंह एवं अन्य अधिकारी, कर्मचारीगण मौजूद रहे।

ट्रक की टक्कर से ईको सवार साले-बहनोई की मौत

संभल/रजपुरा, अमृत विचार: दो युवकों की बुलंदशहर में हुए भीषण सड़क हादसे में मौत हो गई। हादसे के बाद ट्रक चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया। थाना बबराला क्षेत्र के गांव पाठकपुर निवासी सुरेंद्र (30) पुत्र भूरे सिंह अपने बहनोई थाना रजपुरा क्षेत्र के गांव सैतुआ निवासी कन्हई लाल (26) पुत्र छोटे लाल के साथ ईको से दिल्ली जा रहे थे। मंगलवार सुबह लगभग सात बजे जब उनकी कार बुलंदशहर रोड स्थित गांव दुगरऊ करनपुर के पास ईंट भट्टे के समीप पहुंची, तभी सामने से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने टक्कर मार दी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर इतनी भीषण थी कि ईको के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार सुरेंद्र व कन्हई लाल गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने दोनों घायलों को अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने सुरेंद्र को मृत घोषित कर दिया।

Lifelines MEDICAL OF BAREILLY
अमृत विचार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली 731-098-7005

● 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
● बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
● आयुष्मान/सीजीएचएस/ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
● कैशलेस ईलाज

स्वास्थ्य जागरूकता अभियान
नि : शुल्क परामर्श
कैम्प में समस्त ब्लड जाँचें, ई.सी.जी., एक्स-रे 50% के छूट पर किये जायेंगे।
रजिस्ट्रेशन शुल्क 20/-
महीने के प्रत्येक रविवार को
समय : सुबह 10 से 5 बजे तक
डॉ. दीपक माहेश्वरी
MBBS., MD, Consultant Physucuan & Critical Care Specialist
ब्लड प्रेशर, हृदय रोग
श्वांस रोग, गम्भीर रोग विशेषज्ञ
प्रेमलोक हॉस्पिटल
नरियावल अड्डा,
शाहजहाँपुर रोड, बरेली।
9084307201, 9412244430
डॉ. नितिन अग्रवाल हृदय रोग विशेषज्ञ मो.9457833777

सात से 15 वर्ष के बच्चों का आधार में बायोमेट्रक अपडेट मुफ्त

नयी दिल्ली। भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) ने छह महीने के भीतर देशभर के एक लाख से अधिक स्कूलों में अनिवार्य बायोमेट्रिक अपडेट का अभियान पूरा कर लिया है। इस अभियान से करीब 1.2 करोड़ स्कूली बच्चे लाभांवित हुए हैं। आधिकारिक बयान के मुताबिक, इस अभियान के तहत सात से 15 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों के लिए आधार में फिंगरप्रिंट एवं आंखों की पुतलियों के स्कैन को अद्यतन करने की सुविधा अक्टूबर, 2025 से एक वर्ष की अवधि के लिए मुफ्त रखी गई है।

अमृत विचार

बरेली, बुधवार ,4 मार्च 2026

www.amritvichar.com

कारोबार

बिजनेस ब्रीफ

ब्रिटानिया को 6.37 करोड़ का जीएसटी मांग का नोटिस

नयी दिल्ली। ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज को 6.37 करोड़ रुपये का माल एवं सेवा कर (जीएसटी) मांग का नोटिस जारी किया है। कंपनी ने कहा कि वह इस आदेश के खिलाफ उपलब्ध कानूनी विकल्पों पर विचार कर रही है। कंपनी ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि यह आदेश केंद्रीय माल एवं सेवा कर (सीजीएसटी) और केंद्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त, ठाणे कार्यालय की ओर से जारी किया गया है। यह मामला वित्त वर्ष 2020-21 से 2023-24 के बीच का है। विभाग ने कंपनी से 2.12 करोड़ रुपये कर और 4.24 करोड़ रुपये जुर्माना जमा करने को कहा है। इस तरह कुल 6.37 करोड़ रुपये की मांग की गई है।

बिग एफएम का रियल एस्टेट में प्रवेश, 4,000 करोड़ राजस्व का लक्ष्य

नयी दिल्ली। रेडियो नेटवर्क बिग एफएम ने रियल एस्टेट कारोबार में कदम रखने की घोषणा की है। कंपनी ने बिग एफएम रियल्टी ब्रांड नाम से इस क्षेत्र में कदम रखते हुए अगले तीन साल में 3,500 से 4,000 करोड़ रुपये के कुल राजस्व का लक्ष्य रखा है। कंपनी ने मंगलवार को बयान में कहा कि अपनी पहली प्रमुख परियोजना के तहत कंपनी ने उत्तर प्रदेश के बहराइच में लखनऊ-बहराइच रोड पर लगभग 300 करोड़ रुपये में 80 एकड़ भूमि का अधिग्रहण किया है। इस परियोजना से करीब 1,200 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त होने का अनुमान है।

जियो प्लेटफॉर्म्स के अध्यक्ष बने डैन बेली

नई दिल्ली। जियो प्लेटफॉर्म्स लिमिटेड ने मंगलवार को डैन बेली को अपने अंतरराष्ट्रीय कारोबारी पहल का नेतृत्व करने के लिए अध्यक्ष के पद पर नियुक्त करने की घोषणा की। डैन बेली जियो इन्फोकॉम लिमिटेड के चेयरमैन आकाश अंबानी को रिपोर्ट करेंगे। बेली के पास परामर्श और निवेश बैंकिंग में 35 साल से अधिक का अनुभव है।

भारत के पास आठ सप्ताह का कच्चा तेल भंडार

नयी दिल्ली, एजेंसी

पश्चिम एशिया में बढ़ते सैन्य संघर्ष और तनाव के बीच भारत सरकार के शीर्ष सूत्रों ने आश्वस्त किया है कि देश के पास पेट्रोल, डीजल और अन्य ईंधनों की घरेलू मांग को पूरा करने के लिए छह से आठ सप्ताह का पर्याप्त भंडार मौजूद है। भारत के कच्चे तेल और एलपीजी आयात का लगभग आधा हिस्सा 'होर्मुज जलडमरूमध्य' से होकर गुजरता है। ईरान पर अमेरिका और इजराइल के हमलों के बाद इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग पर जहाजों की आवाजाही में रुकावट आई है।

पेट्रोलियम मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि सरकार निरंतर स्थिति की निगरानी कर रही है और इस संकट से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है। देश के पास वर्तमान में लगभग 25 दिन की खपत के बराबर कच्चे तेल और इतनी ही अवधि के लिए तैयार ईंधन का भंडार उपलब्ध है। हालांकि, तत्काल कमी की संभावना नहीं है, लेकिन कच्चे तेल की वैश्विक कीमतों में उछाल और परिवहन लागत में वृद्धि से भारत के आयात बिल और मुद्रास्फीति पर प्रभाव पड़ सकता है। मंत्रालय ने एक अलग बयान में कहा कि पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने वर्तमान परिस्थितियों में देश की तैयारियों पर मीडिया को जानकारी दी है।

जमशेदपुर में टाटा समूह के संस्थापक जमशेदजी टाटा को श्रद्धांजलि देते टाटा ग्रुप के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन।

187वीं जयंती पर जेएन टाटा को दी श्रद्धांजलि

जमशेदपुर, एजेंसी

उद्योगपति और परोपकारी जमशेदजी नसरवानजी टाटा की 187वीं जयंती मंगलवार को झारखंड के जमशेदपुर में मनाई गई। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिये इस अवसर पर जे एन टाटा को याद किया। मुख्यमंत्री ने कहा, 'राष्ट्र को औद्योगिक प्रगति की राह दिखाने वाले टाटा समूह के संस्थापक जमशेदजी टाटा की जयंती पर मैं उन्हें शत-शत नमन करता हूं।'

उन्होंने कहा कि जमशेदजी टाटा ने जिस आधुनिक, समृद्ध और मजबूत औद्योगिक प्रणाली की कल्पना की थी, वह आज देश की विकास यात्रा की मजबूत नींव बन गई है। झारखंड से शुरू हुई टाटा समूह की यह यात्रा निरंतर और मजबूती के साथ आगे बढ़ती रहे।

इस अवसर पर टाटा स्टील द्वारा भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन नोएल टाटा और उनके परिवार के अलावा टाटा स्टील व टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन शामिल हुए।

कार्यक्रम में टाटा स्टील के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) एवं प्रबंध निदेशक टी वी नरेंद्रन और निदेशक मंडल के अन्य सदस्य भी मौजूद रहे।

खाड़ी युद्ध: भारत के ऊर्जा क्षेत्र को झटका, एलएनजी में कटौती

बढ़ रही परिवहन लागत, संघर्ष लंबा चला तो 100 डॉलर प्रति बैरल पहुंचेंगे कच्चे तेल के दाम

नयी दिल्ली, एजेंसी

- **कतर ने बंद की रास लाफान इंडस्ट्रियल सिटी स्थित एलएनजी सुविधाएं**
- **तेल की बढ़ती आयात लागत से महंगा हो सकता भारत में घरेलू ईंधन**

भारत और विश्व ऊर्जा बाजार पर पश्चिम एशिया के तनाव का प्रभाव साफ नजर आने लगा है, क्योंकि ईरान और अमेरिका-इजरायल संघर्ष ने तेल, गैस और शिपिंग की आपूर्ति में बड़े व्यवधान पैदा किये हैं। देश की ऊर्जा कंपनियां अब तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) की आपूर्ति में कटौती और कीमतों में वृद्धि के लिए तैयार हैं, जो भारी मशीनरी, उर्वरक और पेट्रो केमिकल प्लांट सहित कई उद्योगों में ईंधन का काम आती है। इस बीच खाड़ी में स्थिति के कारण समुद्री मार्गों पर भी गंभीर व्यवधान आ रहे हैं।

भारत के एलएनजी आपूर्ति के बड़े स्रोत कतर ने रास लाफान इंडस्ट्रियल सिटी स्थित अपनी प्रमुख एलएनजी सुविधाओं को बंद कर दिया है। कतर की यह बंदी विश्व के सबसे बड़े एलएनजी निर्यातक के उत्पादन को रोक देती है और गैस की कीमतों को तेजी से बढ़ा सकती है। यह फैसले ईरान के ड्रोन हमलों के बाद लिये गये हैं, जिनके कारण रास लाफान और मेसाइद औद्योगिक क्षेत्रों की उत्पादन गतिविधियां रुक गयी हैं। भारत जैसे बड़े एलएनजी आयातक देश पर इसका सीधा असर दिख रहा है।

कतर तथा संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) जैसे खाड़ी देशों से एलएनजी आयात पर निर्भरता के कारण उपयोगकर्ता कंपनियों को आपूर्ति में कमी का सामना करना पड़ रहा है। इस कारण गैस आपूर्ति में कटौती कर दी गयी है और पेट्रोनेट एलएनजी तथा अन्य आयातक कम्पनियों ने ग्राहक इकाइयों को सीमित आपूर्ति की सूचना दी है। साथ ही, संकट की दूसरी बड़ी वजह तेल की कीमतों में उछाल है।

खाड़ी के तनाव के बीच ब्रेंट कच्चे तेल की कीमत 80 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर चली गयी हैति पर द और कुछ बाजारों में यह 82 डॉलर तक पहुंच चुकी है। इससे तेल की बढ़ती आयात लागत से भारत के घरेलू ईंधन की कीमतों एवं मुद्रास्फीति दबाव बढ़ सकता है। महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग होर्मुज़ जलडमरूमध्य से व्यापार की वस्तुओं का एक बड़ा हिस्सा गुजरता है।

दुनिया का लगभग 20 प्रतिशत वैश्विक तेल एवं गैस तो इस मार्ग से आती ही है, साथ ही भारत का करीब 60 प्रतिशत एलएनजी तथा लगभग आधा कच्चा तेल इसी मार्ग से आता है। इससे होने वाले व्यवधान से पोतवहन, लागत, बीमा प्रीमियम और परिवहन दरों में तेज बढ़ोतरी देखने को मिल रही है, जो ऊर्जा आपूर्ति की लागत को और बढ़ा सकती है। विश्लेषक चेतावनी दे रहे हैं कि अगर संघर्ष लंबा रहा, तो तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल तक बढ़ सकती हैं।

अधिक जोखिम वाले इलाकों से गुजरने पर जहाजों को देना होगा अधिक प्रीमियम

नयी दिल्ली,एजेंसी

एएआई ने अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा परिचालकों से ईंधन भंडार का विवरण मांगा

नयी दिल्ली/मुंबई। सार्वजनिक क्षेत्र के भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) ने पश्चिम एशिया में बढ़ते संकट के मद्देनजर देश के सभी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा संचालकों से उपलब्ध ईंधन भंडार और अगले सात दिन के लिए अनुमानित आवश्यकता का विवरण देने को कहा है। सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। यह निर्देश पश्चिम एशिया में अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच बढ़ते संघर्ष की पृष्ठभूमि में आया है, जिससे वैश्विक तेल आपूर्ति प्रभावित होने का खतरा है। सूत्र ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों पर ईंधन आपूर्ति की स्थिति को स्पष्ट रूप से समझने के लिए एहतियाती उपाय के तौर पर ये विवरण मांगे गए हैं। भारत में दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु, हैदराबाद और चेन्नई सहित 33 अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे हैं। मंत्रालय के उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, दो मार्च को देश के हवाई अड्डों से 355 उड़ानें रवाना हुईं और 344 उड़ानें आईं।

पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के बीच मालवाहक जहाजों के लिए युद्ध जोखिम से जुड़ा बीमा प्रीमियम बढ़ने की आशंका जताते हुए विशेषज्ञों ने मंगलवार को कहा कि अधिक जोखिम वाले इलाकों से गुजरने वाले जहाजों को अब अतिरिक्त प्रीमियम चुकाना होगा।

पॉलिसीबाजार के प्रमुख (समुद्री बीमा) बालसुंदरम आर. ने कहा कि कच्चे तेल और एलएनजी के परिवहन में शामिल शिपिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एससीआई) के जहाजों की लाल सागर जैसे संवेदनशील समुद्री क्षेत्रों से गुजरने पर युद्ध जोखिम कवरेज हासिल करने पर लागत बढ़ सकती है। बीमा क्षेत्र के विशेषज्ञों का कहना है कि युद्ध जोखिम और हड़ताल, दंगे तथा नागरिक अशांति कवर के लिए बीमा कंपनियां आमतौर पर तीन से सात दिन के नोटिस पर कवरेज रद्द कर सकती हैं।

प्रूडेंट इंश्योरेंस ब्रोकर्स के समुद्री विशेषज्ञता प्रमुख गौरव अग्रवाल ने कहा कि हाल ही में जहाज पर युद्ध कवरेज रद्द करने का नोटिस जारी किया गया है और मालवाहक बीमा पर भी ऐसा कदम जल्द उठाया जा सकता है। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि बीमा कवरेज रद्द होने के बाद नया युद्ध जोखिम कवर उपलब्ध भी होता है, तो उसकी कीमत काफी अधिक हो सकती है। इंश्योरेंस ब्रोकर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (आईबीएआई) के हरि राधाकृष्णन ने कहा कि कुछ मामलों में प्रीमियम दर 0.25-0.5 प्रतिशत से बढ़कर लगभग एक प्रतिशत तक पहुंच गई हैं। इससे ढुलाई लागत में उल्लेखनीय वृद्धि होगी और वैश्विक व्यापार प्रवाह पर असर पड़ेगा। बीमा सलाहकारों का मानना है कि संघर्ष लंबा चलने की स्थिति में जहाज खेप की लागत, ढुलाई खर्च और जोखिम प्रीमियम दोनों बढ़ जाएंगे।

कृषि खाद्य क्षेत्र में संबंधों को मजबूत करेंगे भारत-कनाडा

नयी दिल्ली, एजेंसी

- **दोनों देशों के संस्थानों ने सहमति पत्र पर किये हस्ताक्षर**

भारत और कनाडा ने कृषि खाद्य क्षेत्र में आपसी सहयोग को और मजबूत किया है। इसके लिए राष्ट्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी उद्यमिता एवं प्रबंधन संस्थान-कुंडली (निफ्टेम-के) और (यूनिवर्सिटी ऑफ़ सस्केचेवान यू-सास्क) के बीच पांच साल के सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किए गए।

एक सरकारी बयान के मुताबिक, इस समझौते पर निफ्टेम-के के निदेशक हरिंदर सिंह ओबेरॉय और यू-सास्क के उपाध्यक्ष (शोध) बलजीत सिंह ने सस्केचेवान के प्रीमियर स्कॉट मोए और भारत के खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में हस्ताक्षर किए। यह साझेदारी दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों द्वारा दाल प्रोटीन में एक साझा समर्थित उत्कृष्टता केन्द्र की घोषणा के बाद हुई है, जिसे निफ्टेम-के और यू-सास्क नेतृत्व करेंगे। सहमति पत्र में साझा शोध परियोजनाओं, ऑनलाइन शिक्षण और प्रशिक्षण कार्यक्रम, शिक्षक और छात्रों के आदान-प्रदान, खाद्य प्रसंस्करण प्रौद्योगिकी में एकीकृत डिग्री प्रोग्राम और उद्योग-उन्मुख अल्पावधिक पाठ्यक्रम शामिल हैं।

इसमें नवाचार, टिकाऊ खाद्य प्रणाली, खाद्य सुरक्षा और मूल्य श्रृंखला विकास को आगे बढ़ाने के मकसद से मिलकर वित्तपोषण प्रस्ताव, सेमिनार और वर्कशॉप की भी बात है। अधिकारियों ने कहा कि इस सहयोग से शोध से चलने वाले औद्योगिक विकास को बढ़ावा मिलने और कृषि खाद्य क्षेत्र में भारत-कनाडा सहयोग को और मज़बूती मिलने की उम्मीद है।

साथ ही खाद्य प्रौद्योगिकी और उद्यमशीलता में निफ्टेम-के का वैश्विक जुड़ाव बढ़ेगा।

अंतर-मंत्रालयीय समूह रखेगा पश्चिम एशिया पर नजर

नयी दिल्ली, एजेंसी। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को कहा कि सरकार ने पश्चिम एशिया में हो रहे घटनाक्रमों पर करीबी नजर रखने के लिए एक अंतर-मंत्रालयीय समूह का गठन किया है। निर्यातकों ने आशंका जताई है कि अमेरिका और इजराइल के ईरान पर संयुक्त हमलों के कारण पश्चिम एशिया क्षेत्र में बढ़ते तनाव का भारत के व्यापार पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है।

बजट के बाद आयोजित एक वेबिनार को संबोधित करते हुए गोयल ने कह कि हमने एक अंतर-मंत्रालयीय समूह का गठन किया है जो प्रतिदिन बैठक कर रहा है और पश्चिम एशिया में हो रहे घटनाक्रमों पर बारीकी से नजर रख रहा है ताकि हमारे पोत परिवहन, लॉजिस्टिक, निर्यात या यहां तक कि महत्वपूर्ण आयात में किसी भी तरह की कमजोर रुख का आकलन किया जा सके।

चीन से आयातित पीवीसी रेजिन के खिलाफ प्रतिपूर्ति शुल्क जांच शुरू

नयी दिल्ली,एजेंसी

घरेलू कंपनियों की शिकायतों के बाद भारत ने चीन से आयातित पीवीसी (पॉलीविनाइल क्लोराइड) रेजिन के खिलाफ प्रतिपूर्ति शुल्क जांच शुरू कर दी है। इस उत्पाद का उपयोग पाइप, बोतल और केबल सहित कई क्षेत्रों में किया जाता है।

वाणिज्य मंत्रालय की इकाई व्यापार उपचार महानिदेशालय (डीजीटीआर) ने केम्प्लास्ट कुड्डालोर विनाइल्स, डीसीएम श्रीराम और डीसीडब्ल्यू लिमिटेड द्वारा दायर एक आवेदन के बाद यह जांच शुरू की है। आवेदकों ने आरोप लगाया है कि चीन अपने पीवीसी सस्पेंशन रेजिन निर्माताओं को सब्सिडी दे रहा है और वे कंपनियां भारतीय बाजारों में सस्ते दामों पर माल 'डंप' कर रही हैं, जिससे घरेलू उद्योग पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है।

डीजीटीआर ने एक अधिसूचना में कहा कि घरेलू उद्योग द्वारा दिए गए पुख्ता आवेदन और सब्सिडी की मौजूदगी एवं उससे होने वाली क्षति के प्रथम दृष्टया साक्ष्यों से संतुष्ट होने के बाद प्राधिकरण इसके द्वारा सब्सिडी-रोधी जांच शुरू करता है। महानिदेशालय कथित सब्सिडी की मौजूदगी, सीमा और प्रभाव का निर्धारण करेगा।

इसके बाद वह प्रतिपूर्ति शुल्क की उस राशि की सिफारिश करेगा, जो लागू होने पर घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति को दूर करने के लिए पर्याप्त होगी। आवेदकों का आरोप है कि चीन के उत्पादकों और निर्यातकों को वहां की सरकार द्वारा विभिन्न स्तरों पर दी जाने वाली सब्सिडी का लाभ मिला है।

समय सीमा बढ़ी, 19 मार्च तक दें एनईपी के मसौदे पर सुझाव

नयी दिल्ली,एजेंसी। बिजली मंत्रालय ने राष्ट्रीय विद्युत नीति-2026 के मसौदे पर संबंधित पक्षों से सुझाव आमंत्रित करने की समयसीमा एक माह बढ़ाकर 19 मार्च तक कर दी है।

मंत्रालय ने 25 फरवरी को जारी एक अधिसूचना में कहा कि कई पक्षों ने विद्युत नीति के मसौदे के प्रावधानों पर गौर करने के लिए अतिरिक्त समय मांगा था। उनके अनुरोध पर यह समयसीमा बढ़ाई गई है। इससे पहले, टिप्पणियां और सुझाव देने की अंतिम तिथि 19 फरवरी थी। राष्ट्रीय विद्युत नीति (एनईपी) 2026 का उद्देश्य वितरण कंपनियों के उच्च घाटे और ऋण, शुल्क के लागत के अनुरूप न होने और एक की कीमत पर दूसरे को सब्सिडी जैसी समस्याओं का समाधान करना है। मंत्रालय ने पहले कहा था कि 2005 से कई उपलब्धियां हासिल करने के बावजूद यह सुधार किया जा रहा है।

मुआवजे में देरी: नियोक्ता को ही भरना होगा जुर्माना

नयी दिल्ली, एजेंसी

- **सुप्रीम कोर्ट ने कहा-बीमा कंपनी की जिम्मेदारी केवल मूल मुआवजा और ब्याज तक सीमित**

सुप्रीम कोर्ट ने कर्मचारी मुआवजा अधिनियम को लेकर एक बड़ा फैसला सुनाया है। अदालत ने स्पष्ट किया है कि कार्यस्थल पर दुर्घटना के शिकार कर्मचारी को मुआवजा देने में देरी होने पर लगने वाला जुर्माना केवल नियोक्ता को ही भरना होगा। इसे बीमा कंपनी के मत्थे नहीं मढ़ा जा सकता। जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस पी.बी. वराले की पीठ ने दिल्ली हाईकोर्ट के एक पुराने आदेश को पलटते हुए यह व्यवस्था दी। कोर्ट ने कहा कि बीमा कंपनी की जिम्मेदारी केवल मूल मुआवजा और ब्याज तक सीमित है। चूंकि देरी नियोक्ता की व्यक्तिगत लापरवाही का परिणाम है, इसलिए इसके दंड का बोझ भी उसी को उठाना होगा। अदालत ने कहा कि 1995 में कानून में किए गए बदलावों का उद्देश्य ही यह था कि मुआवजे और जुर्माने को अलग-अलग रखा जाए। यह एक 'सामाजिक कल्याण कानून' है, जिसका मकसद पीड़ित कर्मचारी या उसके परिवार को तुरंत राहत पहुंचाना है। यदि नियोक्ता एक महीने के भीतर भुगतान नहीं करता, तो उस पर मुआवजे की राशि का 50 प्रतिशत तक जुर्माना लगाया जा सकता है।

क्या था पूरा मामला?

यह मामला 2017 में एक कमर्शियल ड्राइवर की मौत से जुड़ा है। लेबर कमिश्नर ने करीब 7.36 लाख रुपये मुआवजा और 50% जुर्माना तय किया था। हाईकोर्ट ने बीमा कंपनी को पूरा पैसा देने को कहा था, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने साफ कर दिया कि बीमा कंपनी एम्प्लॉयर की निजी गलती (देरी) के लिए उत्तरदायी नहीं है। अब नियोक्ता को 2.57 लाख रुपये का जुर्माना अपनी जेब से देना होगा।

एआई और आईटी क्षेत्र में सुधार से 12 फीसदी बढ़ीं नियुक्तियां

मुंबई, एजेंसी

कृत्रिम मेधा (एआई) को अपनाए जाने और सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) क्षेत्र में सुधार के चलते देश में दफ्तर में बैठकर काम करने वाले पेशेवरों (व्हाइट कॉलर) की नियुक्तियों में इस साल फरवरी में सालाना आधार पर 12 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। मंगलवार को जारी एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। 'नौकरी जॉबस्पीक इंडेक्स' के अनुसार, व्हाइट-कॉलर नौकरियों के बाजार ने हाल के वर्षों में फरवरी महीने का अपना सबसे शानदार प्रदर्शन किया है। इंडेक्स फरवरी, 2025 के 2,890 अंक के मुकाबले 12 प्रतिशत बढ़कर फरवरी, 2026 में 3,233 अंक पर पहुंच गया।

रिपोर्ट के मुताबिक, जनवरी की तुलना में फरवरी में नियुक्तियों की रफ्तार में 23 प्रतिशत की तेजी देखी गई, जो सामान्य तौर पर देखी जाने वाली 13-16 प्रतिशत की वृद्धि से काफी अधिक है।

फरवरी में आईटी क्षेत्र में नियुक्तियों में सालाना आधार पर छह प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज की गई, जबकि इस क्षेत्र में नए लोगों (फ्रेशर्स) की भर्ती में आठ प्रतिशत का इजाफा हुआ। रिपोर्ट कहती है कि भारत स्थित बहुराष्ट्रीय आईटी कंपनियां इसकी मुख्य चालक रहीं, जहां नियुक्तियों में 55 प्रतिशत का उछाल देखा गया।

आईटी क्षेत्र के भीतर एआई-मशीन लर्निंग' से जुड़ी नियुक्तियों में 40 प्रतिशत की वृद्धि हुई। यह दर्शाता है कि फरवरी का प्रदर्शन उच्च-कौशल और उच्च-मूल्य वाले प्रतिभा क्षेत्रों पर केंद्रित रहा।

रिपोर्ट के अनुसार, नए लोगों की भर्ती में सालाना आधार पर 17 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि 20 लाख रुपये प्रति वर्ष से अधिक के वेतन पैकेज वाले पदों की मांग में 23 प्रतिशत का इजाफा हुआ। वहीं, गैर-आईटी क्षेत्रों ने भी नियुक्ति की गति को बनाए रखा। इसमें बीमा क्षेत्र 28 प्रतिशत की वृद्धि के साथ सबसे आगे रहा।

जरूरी बात | एचडीएफसी बैंक पहली अप्रैल से बढ़ा रहा है अपने सेवा शुल्क

महंगा होगा लॉकर, बदल जाएंगे एटीएम-यूपीआई के नियम

नयी दिल्ली, एजेंसी

- **लॉकर के उपयोग पर 184 फीसदी तक अधिक शुल्क देना होगा**
- **पांच मुफ्त ट्रांजैक्शन के बाद यूपीआई से आहरण पर भी देना होगा शुल्क**

एचडीएफी बैंक के करोड़ों ग्राहकों के लिए खबर बहुत जरूरी है। पहली अप्रैल से बैंक ने अपने सेवा शुल्कों में बड़ा बदलाव करने जा रहा है। बैंक ने जो फैसला किया है उससे आपकी जेब पर खासा असर पड़ने वाला है।

नए वित्त वर्ष की शुरुआत से ही बैंक ने अपने लॉकर किराये में 184% तक की भारी बढ़ोत्तरी करने का निर्णय किया है। साथ ही एटीएम से कैश निकालने के नियमों को भी सख्त कर दिया है। आइये जानते हैं कि आने वाले महीने के साथ एचडीएफसी बैंक ग्राहकों के लिए क्या-क्या बदलने वाला है...

लॉकर किराया: 184% तक की जबरदस्त बढ़ोत्तरी : बैंक ने लॉकर के वार्षिक किराये को बदला है. सबसे ज्यादा असर एक्सट्रा मीडियम और छोटे आकार के लॉकर लेने वाले ग्राहकों पर पड़ेगा। मेट्रो शहरों में एक्सट्रा मीडियम लॉकर का किराया 4400 रुपये से सीधे बढ़कर 12500 हो जाएगा, अर्थात पूरे 184% की वृद्धि की गयी है। वहीं एक्सट्रा स्मॉल लॉकर का किराया 1350 रुपये से बढ़कर 3300 रुपये किया गया है। अर्थात 144% की वृद्धि की गयी है।

बैंक ने एक नई प्रीमियम कैटेगरी मेट्रो प्लस शुरू की है, जहां चार्ज और भी ज्यादा होंगे। यहां एक्सट्रा लार्ज लॉकर के लिए आपको सालाना 40000 रुपये तक चुकाने पड़ सकते हैं। इतना ही नहीं अब लॉकर को एक्सेस करने के लिए आधार आधारित बायोमेट्रिक वेरिफिकेशन अनिवार्य हो जाएगा।

इसके अलावा अब एटीएम से कैशन निकालना भी महंगा होने वाला है। अभी तक तक कई ग्राहक एटीएम से बिना कार्ड के यूपीआई के जरिए कैश निकाल लेते थे, लेकिन पहली अप्रैल 2026 से इसका गणित बदल जाएगा। अब यूपीआई के जरिए किए गए कैश विड्रॉल को आपकी मासिक फ्री एटीएम ट्रांजेक्शन लिमिट में गिना जाएगा। अगर आप एचडीएफसी बैंक के एटीएम पर अपनी 5 फ्री ट्रांजेक्शन की सीमा पार कर लेते हैं, यूपीआई से पैसा आहरण करने पर भी आपको 23 रुपये प्लस जीएसटी अतिरिक्त देना होगा।

बैंक के अनुसार उसका उद्देश्य कैश ट्रांजेक्शन के बजाय डिजिटल पेमेंट को बढ़ावा देना और एटीएम के बढ़ते रखरखाव खर्च को कवर करना है।

बता दें कि धीरे-धीरे बैंकिंग अधिक डिजिटल और महंगी होती जा रही है। अन्य बैंक भी एचडीएफसी बैंक के इस कदम से प्रेरित होकर अपने सेवा शुल्कों में बदलाव कर सकते हैं। इसलिए अपनी बैंकिंग आदतों को बदल लीजिए।

पाकिस्तान में 16 जगहों पर हमले, जवाबी कार्रवाई में 67 अफगान तालिबान मारे गए

इस्लामाबाद, एजेंसी

- पाकिस्तानी वायुसेना ने रात भर चलाया सीमा क्षेत्र में अभियान

पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने मंगलवार तड़के दक्षिण-पश्चिमी सीमा पर 16 स्थानों पर हुए हमलों को नाकाम कर दिया और रातभर जारी अभियानों में अफगान तालिबान के 67 और लड़ाकों को मार गिराया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

सूचना मंत्री अताउल्ला तरार ने अफगान तालिबान के हमलों के जवाब में 26 फरवरी को शुरू किए गए ऑपरेशन 'गजब-लिल-हक' के बारे में जानकारी दी। तरार ने बताया कि खैबर पख्तूनख्वा प्रांत से सटे सीमावर्ती क्षेत्र में रात भर चले अभियानों में अफगान तालिबान के 40 लड़ाके मारे गए।

उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर किये गए एक पोस्ट में बताया कि एक स्थान पर शारीरिक हमला करने का प्रयास किया गया, जबकि 12 स्थानों पर गोलीबारी की गई, जिन्हें बिना किसी जानमाल के नुकसान के नाकाम कर दिया गया। अफगान तालिबान ने उत्तरी बलूचिस्तान के किला सैफुल्लाह, नोश्की और चमन जिलों में 16 स्थानों पर सीमा पार से शारीरिक हमला किया, जबकि पाकिस्तानी सैनिकों ने 25 स्थानों पर गोलीबारी की। उन्होंने कहा कि सभी ठिकानों पर हुए हमलों को नाकाम कर दिया गया, जिसमें अफगान तालिबान के 27 लड़ाके मारे गए और कई घायल हुए। मंत्री ने यह भी बताया कि उत्तरी बलूचिस्तान में तैनात अर्धसैनिक बल फ्रंटियर कोर (एफसी) का एक जवान शहीद हो गया, जबकि पांच जवान घायल हो गए। सोमवार को मंत्री ने कहा था कि पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने 435 अफगान तालिबान लड़ाकों को मार गिराया और 630 अन्य घायल हो गए।

वर्ल्ड ब्रीफ

दक्षिण अफ्रीका में इमारत ढही, नौ मरे

जोहानिसबर्ग। दक्षिण अफ्रीका के जोहानिसबर्ग शहर में एक इमारत ढहने से मरने वालों की संख्या मंगलवार को बढ़कर नौ हो गई। आपातकालीन सेवाओं और शहर के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। सरकार इमारत को अवैध बताते हुए उसे ध्वस्त करने की तैयारी कर रही है। जोहानिसबर्ग आपातकालीन प्रबंधन सेवाओं की प्रवक्ता जोलिले खुमाओलो ने कहा कि दो और शव बरामद किए गए हैं जबकि एक अन्य शव मलबे में पड़ा दिखा है। बचाव टीम शवों को कंक्रीट के मलबे से बाहर निकालने में व्यस्त हैं। जोहानिसबर्ग के सार्वजनिक सुरक्षा अधिकारी मिनी त्शावाकू ने पुष्टि की।

रजा पहलवी का समान अधिकारों का वादा

वॉशिंगटन। ईरान से निर्वासित पूर्व शाह के बेटे रजा पहलवी ने देश के जातीय समुदायों से एकजुट रहने का आह्वान किया है। उन्होंने अपने बयान में कहा, भविष्य में धर्म और राज्य की अलग-अलग व्यवस्था पर आधारित शासन में जनता को किसी भी भेदभाव का सामना नहीं करना पड़ेगा। पहलवी ने कहा कि हम इस शासन के पतन की कगार पर हैं। उन्होंने स्थिति का फायदा उठाने की कोशिश करने वाली अवसरवादी ताकतों से सतर्क रहने का आग्रह किया और संकल्प लिया कि इस्लामिक गणराज्य के बाद के ईरान में सभी समुदाय कानून के शासन और समान नागरिकता अधिकारों के तहत रहेंगे।

ईरान के गेराश में 4.3 तीव्रता का भूकंप

तेहरान। दक्षिणी ईरान के गेराश शहर के निकट मंगलवार को 4.3 तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किए गए। संयुक्त राज्य भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसजीएस) द्वारा जारी आंकड़ों में यह जानकारी दी गयी है। भूकंप का केंद्र भूमि की सतह से लगभग 10 किलोमीटर की गहराई में था। विशेषज्ञों के अनुसार, इतनी कम गहराई वाले भूकंप सामान्यत: प्राकृतिक टेक्टोनिक गतिविधियों से जुड़े होते हैं और इस भूगर्भीय रूप से सक्रिय क्षेत्र में ऐसे झटके असामान्य नहीं माने जाते।

चुनौतियों के बीच चीन में होगी वार्षिक संसद

बीजिंग। रियल एस्टेट क्षेत्र की सुस्ती, छोटे व्यवसायों की मुश्किलें और युवाओं में बढ़ती बेरोजगारी चीन की रफ्तार को थाम रही हैं। चीनी नेता शी जिनपिंग की उच्च प्रौद्योगिकी और एआई पर आधारित महत्वाकांक्षाओं और धीमी पड़ती आर्थिक वृद्धि की कठोर वास्तविकताओं के बीच संसद नेशनल पीपुल्स कांग्रेस की वार्षिक बैठक गुरुवार से शुरू हो रही है।

परमाणु पर प्रहार या तेल का खेल

अमेरिका और इजराइल द्वारा 28 फरवरी, 2026 को ईरान पर किए गए सैन्य हमलों ने दुनिया को हिला दिया। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में शुरू हुए इस अभियान का आधिकारिक उद्देश्य ईरान को परमाणु हथियार बनाने से रोकना बताया गया है, लेकिन इसके पीछे की भू-राजनीतिक परतें कहीं अधिक गहरी हैं। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की हत्या और प्रमुख परमाणु केंद्रों पर हमलों ने खाड़ी क्षेत्र को एक भीषण युद्ध की ओर धकेल दिया है। फरवरी महीने के अंतिम दिनों में शुरू हुआ यह हमला केवल एक सैन्य अभियान नहीं, बल्कि दशकों से चल रहे अमेरिका-ईरान तनाव का चरम बिंदु है। अमेरिका का तर्क है कि ईरान ने परमाणु बम बनाने के समय को घटाकर एक हफ्ते से भी कम कर दिया था, जिससे वैश्विक सुरक्षा को खतरा पैदा हो गया। हालांकि, आलोचक इसे तेल का खेल और सत्ता परिवर्तन की चाल मान रहे हैं।

अमेरिका-ईरान जंग

हमले की अमेरिकी वजह

- परमाणु संवर्धन : अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा अभिकरण (आईएईए) की रिपोर्ट के अनुसार, ईरान ने यूरेनियम को 60% से अधिक शुद्धता तक संवर्धित कर लिया था, जो सैन्य ग्रेड के बहुत करीब है।
- मिसाइल कार्यक्रम : अमेरिका का दावा है कि ईरान ऐसी लंबी दूरी की मिसाइलें विकसित कर रहा था जो यूरोप और अमेरिकी मुख्य भूमि तक पहुंच सकती हैं जिससे उनकी सुरक्षा को खतरा पैदा हो गया था।
- सत्ता परिवर्तन : राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरानी जनता से सरकार को उखाड़ फेंकने का आह्वान किया है। ईरान में आम लोग खामेनेई के शासन के खिलाफ हैं।

क्या है यह तेल का खेल

- ईरान पर अमेरिका-इजराइल के हमले के आधिकारिक कारणों में तेल का जिक्र नहीं है, लेकिन होर्मुज जलडमरूमध्य पर ईरान का नियंत्रण वैश्विक तेल आपूर्ति का 20% हिस्सा तय करता है। रणनीतिकारों का मानना है कि ईरान की क्षेत्रीय शक्ति को कुचलकर अमेरिका ऊर्जा मार्गों पर अपना वर्चस्व बनाए रखना चाहता है। आलोचकों का कहना है कि मध्य पूर्व में सऊदी अरब के अलावा इराक, यूएई, कुवैत और ईरान कच्चे तेल के बड़े उत्पादक हैं।
- ईरान पर हमले के पीछे भी वेनेजुएला की तरह तेल की बू आती है। अमेरिका तेल उत्पादन और उसके परिवहन में अपना दबदबा कायम करना चाहता है। ईरान पर हमले के पीछे यह भी बड़ी वजह हो सकती है। पिछले दिनों अमेरिका ने वेनेजुएला पर हमला बोलकर वहां के राष्ट्रपति मादुरो को गिरफ्तार कर लिया था। जिसकी दुनिया भर में निंदा की गई थी। वेनेजुएला के पास दुनिया का सबसे बड़ा प्रमाणित तेल भंडार है लेकिन उत्पादन कम।

मध्य पूर्व के बड़े तेल उत्पादक

- बड़े खिलाड़ी : सऊदी अरब के अलावा इराक, यूएई, कुवैत और ईरान तेल के बड़े खिलाड़ी हैं। ईरान पर अमेरिकी प्रतिबंधों के बावजूद वह भारी मात्रा में उत्पादन कर रहा है।
- सऊदी अरब : यह क्षेत्र का सबसे बड़ा और दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा तेल उत्पादक है। 2024 में इसका उत्पादन लगभग 10.87 मिलियन बैरल प्रतिदिन था।
- ईरान : भारी प्रतिबंधों के बावजूद ईरान का उत्पादन बढ़ा है। 2024 में यह लगभग 4.62 मिलियन बैरल प्रतिदिन उत्पादन के साथ क्षेत्र का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक था।
- इराक : यह लगभग 4.50 मिलियन बैरल प्रतिदिन उत्पादन के साथ प्रमुख खिलाड़ी है।

भारत की मजबूत अर्थव्यवस्था विश्व के लिए आशा की किरण

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, हमारी अर्थव्यवस्था में तीव्र वृद्धि विकसित भारत की मजबूत नींव

- बजट 2026-27 पर राष्ट्रीय वेबिनार का किया उद्घाटन

नई दिल्ली, एजेंसी

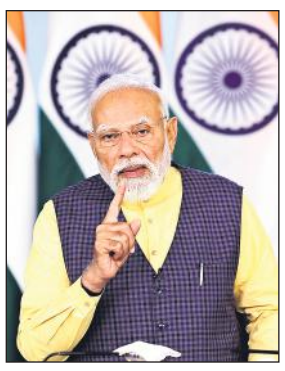

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में बदलाव के आज के दौर में भारत की मजबूत अर्थव्यवस्था विश्व के लिए आशा की किरण बन गई है इसकी तीव्र वृद्धि विकसित भारत की मजबूत नींव है।

प्रधानमंत्री ने बजट 2026-27 पर राष्ट्रीय वेबिनार की इस वर्ष की श्रृंखला की दूसरी कड़ी के उद्घाटन संबोधन में कहा कि इस बार के बजट में अर्थव्यवस्था के उन स्तंभों और क्षेत्रों को मजबूत करने के ठोस कदम उठाए गए हैं जो वैश्विक परिवर्तनों को देखते हुए भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि दुनिया इस समय विनिर्माण के लिए मजबूत भागीदारों की तलाश में है और भारत ने हाल में विभिन्न देशों और समूहों से जो मुक्त व्यापार समझौते किये हैं उससे देश के उद्योग-व्यवसाय जगत के लिए अवसरों का एक बड़ा द्वार खुला है। इसका फायदा उद्योग जगत को ही उठाना है और इसके लिए उसे अनुसंधान, बाजारों के अध्ययन और नवाचार पर समय तथा साधन खर्च करने होंगे। उन्होंने कहा कि भारतीय उद्योगों को अवसरों का पूरा लाभ उठाना है तो उन्हें गुणवत्ता को अपना महामंत्र बनाना होगा। प्रधानमंत्री ने विकसित भारत के लक्ष्य की प्रति के लिए सभी हितधारकों के बीच सामूहिक हिस्सेदारी की आवश्यकता को रेखांकित किया। आर्थिक वृद्धि की निरंतरता बनाए रखने और रफ्तार तेज करने के विषय पर आयोजित इस वेबिनार में प्रधानमंत्री ने अधिक निर्माण करो, अधिक उत्पादन करो, अधिक संपर्क स्थापित करो और अधिक निर्यात करो के मूल मंत्रों को दोहराया।

बाधाओं को दूर करने को सरकार अग्रसर

प्रधानमंत्री ने विनिर्माण क्षेत्र में प्रमुख क्षमताओं को मजबूत करने और मौजूदा बाधाओं को दूर करने के लिए सरकार के प्रयासों का उल्लेख किया। मोदी ने जोर देते हुए कहा, दुर्लभ खनिज तत्वों के लिए समर्पित रेयर अर्थ कॉरिडोर और कंटेनर विनिर्माण जैसे क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करने का उद्देश्य व्यापार के लिए अनुकूल परिवेश को मजबूत करना है। प्रधानमंत्री ने बजट में घोषित 'बायोफार्मा शक्ति मिशन' का भी उल्लेख किया जिसका उद्देश्य भारत को जैविक औषधियों और अगली पीढ़ी की उपचार प्रणालियों के वैश्विक केंद्र के रूप में स्थापित करना है। कहा, हम उन्नत बायोफार्मा अनुसंधान और विनिर्माण में नेतृत्व की ओर बढ़ना चाहते हैं। मोदी ने वैश्विक परिस्थितियों में हो रहे बदलावों के संदर्भ में कहा कि दुनिया विश्वसनीय और मजबूत विनिर्माण साझेदारों की तलाश में है।

चर्चाएं और उससे निकलने वाले सुझावों की होगी महत्वपूर्ण भूमिका

प्रधानमंत्री ने प्रतिभागियों से कहा, निश्चित रूप से, आज आप लोगों के बीच होने वाली चर्चाएं और उनसे निकलने वाले सुझाव महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। प्रधानमंत्री ने विभिन्न क्षेत्रों के बीच तालमेल के संबंध में बोलते हुए यह स्पष्ट किया कि विनिर्माण, संचालन व्यवस्था, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) और शहरी केंद्र अलग-अलग इकाइयां नहीं हैं बल्कि एक ही आर्थिक संरचना के परस्पर जुड़े हुए स्तंभ हैं। उन्होंने विस्तार से बताया कि किस प्रकार विनिर्माण निर्यात को बढ़ावा देता है जबकि प्रतिस्पर्धी एमएसएमई लचीलेपन और नवाचार को प्रोत्साहित करते हैं। मोदी ने कहा, इस वर्ष के बजट ने इन सभी स्तंभों को बहुत मजबूती प्रदान की है। उन्होंने कहा कि उद्योग, वित्तीय संस्थानों और राज्य सरकारों की सक्रिय भागीदारी के बिना केवल नीतिगत दिशा-निर्देशों से ही परिणाम प्राप्त नहीं होंगे। उन्होंने हितधारकों से विनिर्माण और उत्पादन बढ़ाने तथा लागत संरचना को अधिक प्रतिस्पर्धी बनाने पर चर्चा को प्राथमिकता देने का आग्रह किया।

पश्चिम एशिया संघर्ष : मोदी ने ओमान के सुल्तान व कुवैत के प्रिंस से की बात

- बातचीत के दौरान दोनों देशों पर किए गए हमलों पर जताई चिंता

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को ओमान के सुल्तान हैथम बिन तारिक, कुवैत के युवराज शेख सबाह अल-खालिद अल-हमद अल-मुबारक अल-सबाह और कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल थानी से बात की और पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के दौरान उनके देश पर हुए हमलों को लेकर चिंता जताई।

अधिकारियों के मुताबिक टेलीफोन पर हुई बातचीत में, प्रधानमंत्री मोदी ने इन नेताओं से वहां रह रहे भारतीय समुदाय के लोगों के कल्याण और सुरक्षा पर भी चर्चा की। एक अधिकारी ने बताया कि प्रधानमंत्री ने मंगलवार दोपहर बाद खाड़ी क्षेत्र के तीन महत्वपूर्ण नेताओं से बातचीत की।

प्रधानमंत्री ने ओमान के सुल्तान हैथम बिन तारिक, कुवैत के युवराज शेख सबाह अल-खालिद अल-हमद अल-मुबारक अल-सबाह और कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल थानी से फोन पर बातचीत की। मोदी ने इन नेताओं से बातचीत के दौरान, उनके देश पर हुए हमलों को लेकर चिंता जताई और वहां रह रहे भारतीय समुदाय के लोगों के कल्याण और सुरक्षा पर चर्चा की। अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान के खिलाफ शुरू किए गए संयुक्त हमले के बाद फोन पर यह बातचीत हुई। प्रधानमंत्री मोदी ने पिछले दो दिन में बहरीन के शाह और सऊदी अरब के युवराज से बात की तथा दोनों देशों पर हाल ही में हुए हमलों की निंदा की। मोदी ने कहा कि भारत इस कठिन घड़ी में उनके साथ एकजुटता से खड़ा है। प्रधानमंत्री ने जॉर्डन के शाह अब्दुल्ला द्वितीय से भी बात की है और क्षेत्र में बिगड़ती स्थिति पर चिंता व्यक्त की। मोदी ने संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान और इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से भी बात की है। खाड़ी देशों और पश्चिम एशिया में लगभग 90 लाख भारतीय रहते हैं। इनमें से लगभग 10,000 भारतीय नागरिक ईरान में हैं, जबकि 40,000 से अधिक लोग इजराइल में रहते हैं। पश्चिम एशिया का हवाई क्षेत्र अभी लगभग बंद है। पश्चिम एशिया में सैन्य तनाव बढ़ने के कारण उड़ानों के बाधित होने से सैकड़ों भारतीय दुबई, दोहा और अन्य प्रमुख हवाई अड्डों पर फंसे हुए हैं।

हमला नहीं करते तो ईरान कुछ महीनों में प्राप्त कर लेता परमाणु प्रतिरोधक क्षमता : नेतन्याहू

यरूशलम। इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने मंगलवार को कहा कि इजराइल और अमेरिका ने ईरान पर हमला इसलिए किया क्योंकि तेहरान ने अपना परमाणु कार्यक्रम फिर से शुरू कर दिया था और वह कुछ ही महीनों में परमाणु प्रतिरक्षा प्राप्त कर लेता। नेतन्याहू ने कहा कि ईरान पर हमला करना बेहद जरूरी था क्योंकि तेहरान अपने मिसाइल एवं परमाणु कार्यक्रमों को हमलों से बचाने के लिए नए भूमिगत ठिकाने बना रहा था। उन्होंने कहा, ईरान ने नए ठिकाने, नए स्थल, भूमिगत बंकर बनाना शुरू कर दिया, जो उसके बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम और परमाणु बम कार्यक्रम को कुछ ही महीनों में सुरक्षित कर देते। अभी कोई कार्रवाई नहीं की जाती तो भविष्य में भी कोई कार्रवाई नहीं हो पाती। इजराइली प्रधानमंत्री ने कहा, हमें अभी कार्रवाई करनी पड़ी, इसका कारण यह है कि पिछले साल जून में हुए 12 दिवसीय युद्ध में उनके परमाणु ठिकानों और बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम पर हमला करने के बाद उन्होंने नए ठिकाने और भूमिगत बंकर बनाने शुरू कर दिए, जो कुछ ही महीनों में उनके बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम और परमाणु बम कार्यक्रम को सुरक्षित कर देते।

कोर्ट के आदेशों के खिलाफ अपील प्रवृत्ति पर लगे रोक

नई दिल्ली, एजेंसी

- विधि अधिकारियों ने ऐसे मामलों को बताया बड़ी चुनौती

अदालती आदेशों के खिलाफ केंद्रीय मंत्रालयों और विभागों द्वारा बिना सोचे-समझे अपील दाखिल करने की प्रवृत्ति को सरकार से जुड़े मुकदमों पर अंकुश लगाने के लिए एक प्रमुख चुनौती बताया गया है।

सरकारी मुकदमों के प्रभावी और कुशल प्रबंधन पर हाल ही में आयोजित एक सम्मेलन में, दो दर्जन से अधिक केंद्रीय सचिवों और शीर्ष विधि अधिकारियों ने सेवा और अन्य मामलों में अपीलों के लिए स्पष्ट मानदंड, मुकदमों के समन्वित निपटान के लिए प्रत्येक विभाग में एक विशिष्ट अधिकारी की नियुक्ति और अदालती फैसलों के समयबद्ध कार्यान्वयन के लिए तंत्र की सिफारिश की ताकि अवमानना संबंधी मुकदमों को कम किया जा सके। केंद्रीय विधि मंत्रालय द्वारा शनिवार को आयोजित सम्मेलन में, सेवा संबंधी मुकदमों, जवाबी हलफनामा दाखिल करने से पहले उचित परामर्श का अभाव, विभिन्न मंत्रालयों द्वारा अपनाए गए भिन्न रुख, विभागों और पैनल वकीलों के बीच समन्वय की कमी तथा सुविचारित नीतिगत निर्णय के बजाय बिना किसी सोच-विचार के अपील दाखिल करने की प्रवृत्ति जैसी प्रमुख चुनौतियों पर प्रकाश डाला गया। अधिकारियों और मंत्रालय द्वारा विभिन्न मामलों से संबंधित विवरण साझा किए गए।

मेलानिया ट्रंप ने की संरा सुरक्षा परिषद की बैठक की अध्यक्षता

संयुक्त राष्ट्र। अमेरिका की प्रथम महिला मेलानिया ट्रंप ने सोमवार को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक की अध्यक्षता की। यह बैठक संघर्षरत क्षेत्रों में बच्चों के मुद्दे पर केंद्रित थी, जो उनके प्रमुख अभियानों में से एक रहा है।

यह बैठक ऐसे समय में हुई है जब अमेरिका, इजराइल के साथ मिलकर ईरान पर हमले कर रहा है। संयुक्त राष्ट्र का कहना है कि वह वैश्विक संस्था के सबसे शक्तिशाली निकाय में अध्यक्ष का पद संभालने वाली पहली महिला हैं जो दुनिया के किसी राष्ट्र प्रमुख की पत्नी हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की पत्नी को यह अवसर इसलिए दिया गया है क्योंकि अमेरिका मार्च के लिए परिषद की अध्यक्षता संभाल रहा है।

टीडीबी के पूर्व अध्यक्ष वासु से ईडी की पूछताछ

कोच्चि, एजेंसी

- शबरिमला सोना चोरी मामले में एजेंसी कर रही जांच

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शबरिमला मंदिर में सोना चोरी होने की घटना से जुड़े धन शोधन मामले की जांच के सिलसिले में त्रावणकोर देवस्वओम बोर्ड (टीडीबी) के पूर्व अध्यक्ष एन. वासु से मंगलवार को पूछताछ की।

वासु को पिछले साल शबरिमला में सोने की चोरी के मामलों में एक विशेष जांच दल (एसआईटी) ने गिरफ्तार किया था और हाल ही में उन्हें वैधानिक जमानत पर रिहा किया गया था। जांच के तौर पर ईडी ने अब तक शबरिमला के पूर्व प्रशासनिक अधिकारियों एस श्रीकुमार और मुरारी बाबू, पूर्व टीडीबी सचिव एस जयश्री और अभिनेता जयराम से पूछताछ की है।

एजेंसी ने इस साल जनवरी में केरल पुलिस की दो प्राथमिकियों के आधार पर धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत मामला दर्ज किया था।

एजेंसी की ओर से दर्ज किए गए मामले में शबरिमला स्थित भगवान अयप्पा मंदिर के द्वारपालक (संरक्षक देवता) की मूर्तियों और श्रीकोविल (गर्भगृह) के दरवाजों से कथित तौर पर सोने की हेराफेरी का आरोप लगाया गया था।

केरल उच्च न्यायालय द्वारा गठित और उसकी देखरेख में गठित विशेष जांच समिति मंदिर से कथित तौर पर सोने के गबन की जांच कर रही है।

कैसा रहेगा आपका आज का दिन

मेष आज नई परियोजनाओं में धन निवेश कर सकते हैं। विद्यार्थियों के लिये दिन बहुत अच्छा है। विद्या को सीखने का प्रयास करेंगे।

वृष आज कार्यक्षेत्र में उच्चाधिकारी आपसे अत्यधिक प्रसन्न रहेंगे। अपने खर्चों पर धीरे-धीरे नियन्त्रण कर लेंगे।

मिथुन आज जीवनसाथी की भावनाओं का ध्यान रखें। प्रशासन से जुड़े लोगों के लिए दिन बहुत शुभ है। आपके स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है।

कर्क आज कार्यक्षेत्र में नए मित्र बन सकते हैं। किसी सामाजिक कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे। अपने मन की बातें प्रेमीजन से साझा कर सकते हैं।

सिंह आज अधिकारी वर्ग की आज्ञा का उल्लन्घन न करें। शाम को तनाव से राहत मिलेगी। पेट में दर्द की शिकायत हो सकती है।

कन्या आज प्रतिभा को विकसित करने में सफल रहेंगे। कड़ी मेहनत का उत्तम परिणाम मिलेगा। छोटी-छोटी गलतियों को सुधारने का प्रयास करें।

तुला आज परिवार एवं समाज में प्रतिष्ठा की चिंता रहेगी। अपने विरोधियों को हल्के में न लें। आपका मन उदास हो सकता है।

वृश्चिक आज आपकी एकाग्रता में वृद्धि होगी। सभी दिशाओं से शुभ समाचार मिलेंगे। इससे आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।

धनु आज बच्चों के साथ पिकनिक की योजना बना सकते हैं। आय के साधनों में वृद्धि होगी। विवाह योग्य लोगों को उत्तम प्रस्ताव मिलेंगे।

मकर आज घर की बातें बाहर वालों से शेयर न करें। व्यवसाय में उत्तम धन लाभ होगा। मन की नकारात्मकता दूर होगी।

कुंभ आज थकान की वजह से आप अपने कार्यों में अधिक ध्यान नहीं दे पायेंगे। धन से जुड़े मामलों में लापरवाही करना उचित नहीं है।

मीन आज बुरी नीयत वाले लोग आपको धोखा देने की कोशिश करेंगे। दिन का शुरुआती भाग बहुत शुभ रहेगा।

आज का पंचांग

-पं. मनोज कुमार द्विवेदी

आज की ग्रह स्थिति : 4 मार्च, बुधवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- चैत्र, पक्ष-कृष्ण पक्ष, प्रतिपदा 04.48 तक तत्पश्चात द्वितीया।

दिशाशूल- उत्तर, **ऋतु-** वसंत।
चन्द्रबल- मिथुन, सिंह, तुला, वृश्चिक, कुम्भ, मीन।
ताराबल- अश्विनी, भरणी, कृत्तिका, रोहिणी, आर्द्रा, पुष्य, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, अनुराधा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद।
नक्षत्र- पूर्वाफाल्गुनी 07.39 तक तत्पश्चात उत्तरफाल्गुनी।

सुडोकू - 78 का हल

4	7	3	6	9	5	1	8	2
1	9	5	2	4	8	3	7	6
8	2	6	3	1	7	4	9	5
6	1	7	4	2	3	9	5	8
9	5	2	7	8	1	6	4	3
3	4	8	9	5	6	7	2	1
7	8	1	5	3	4	2	6	9
5	6	9	1	7	2	8	3	4
2	3	4	8	6	9	5	1	7

सुडोकू -79

		6	9		1			
1			2	4				
2		4			9	9		5
		7	5		4		4	
6		3	1					9
	8					6		
9		8				2		6
				2	8			7
			6		3	1		

अमेरिका-ईरान जंग

हमलों को लेकर अंतराष्ट्रीय कानून की प्रासंगिता पर उठ रहे सवाल

ईरान में बालिका विद्यालय पर हमले के बाद छिड़ी नई बहस

जोंडालुप, एजेंसी

- मिनाब शहर में हुए हमले में हुई थी करीब डेढ़ सौ छात्राओं की मौत

अमेरिका और इज़राइल द्वारा ईरान पर संयुक्त सैन्य कार्रवाई शुरू किए जाने के बाद दक्षिणी शहर मिनाब में शजराह तैय्यबेह बालिका प्राथमिक विद्यालय पर हमले की खबरों ने अंतर्राष्ट्रीय कानून की प्रासंगिकता पर नई बहस छेड़ दी है। खबरों के अनुसार, हमले के समय विद्यालय में बड़ी संख्या में छात्राएं मौजूद थीं।

ईरानी अधिकारियों ने दावा किया है कि इस घटना में 150 से अधिक लोगों की मौत हुई, जिनमें बच्चे भी शामिल हैं, जबकि 60 अन्य घायल हुए हैं। इन आंकड़ों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। अंतर्राष्ट्रीय मीडिया द्वारा सत्यापित वीडियो में बचावकर्मियों को मलबे में तलाश करते, स्कूल बैग निकालते और दीवारों पर जलने के निशान देखे जा सकते हैं। अमेरिकी अखबार 'न्यूयॉर्क टाइम्स' का कहना है कि उसने ऐसे वीडियो सत्यापित किए हैं जिनमें विद्यालय के पास इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर (आईआरजीसी) का एक नौसैनिक अड्डा और उस अड्डे पर हमले के दृश्य दिखाई देते हैं।

संयुक्त राष्ट्र में ईरान के प्रतिनिधियों ने इसे नागरिक बुनियादी ढांचे को जानबूझकर निशाना बनाने का मामला बताते हुए युद्ध अपराध और मानवता के खिलाफ अपराध करार दिया है। अमेरिका और इज़राइल ने सार्वजनिक रूप से विद्यालय को निशाना बनाने की पुष्टि नहीं की है। अमेरिकी सैन्य कमान 'सेंटकॉम' ने कहा कि नागरिकों को हुए संभावित नुकसान की रिपोर्टों को गंभीरता से लिया जा रहा है और जांच की जा रही है। उसने कहा कि नागरिकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और अनपेक्षित क्षति को न्यूनतम करने के लिए सभी एहतियाती कदम उठाए जाते हैं।

कानूनी विशेषज्ञों का कहना है कि सशस्त्र संघर्ष की स्थिति में अंतर्राष्ट्रीय मानवीय कानून लागू होता है, जो भेद, अनुपातिकता और सैन्य आवश्यकता जैसे सिद्धांतों पर आधारित है। इन सिद्धांतों के तहत केवल सैन्य ठिकानों और लड़ाकों को निशाना बनाया जा सकता है, जबकि स्कूल, अस्पताल और सार्वजनिक परिवहन जैसे नागरिक ढांचे संरक्षित माने जाते हैं। किसी लक्ष्य की प्रकृति को लेकर संदेह होने पर उसे असैन्य माना जाना चाहिए।

यूनेस्को ने सांस्कृतिक विरासत स्थलों के भविष्य पर जताई चिंता

पेरिस। संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) ने अमेरिका-इजरायल हवाई हमले के बाद ईरान के गोलेस्तान पैलेस को हुए नुकसान पर चिंता व्यक्त की है। संयुक्त राष्ट्र की सांस्कृतिक एजेंसी ने ईरान में अमेरिका-इजरायल बमबारी के बाद मध्य पूर्व में कई विरासत स्थलों के भविष्य पर चिंता जताई है। ईरान की मेहर समाचार एजेंसी के अनुसार, सोमवार को तेहरान में अर्ग स्क्वायर पर हुए हवाई हमले के कारण गोलेस्तान पैलेस चपेट में आ गया। कथित तौर पर महल की खिड़कियों, दरवाजों और शीशों को नुकसान पहुंचा है। गोलेस्तान पैलेस तेहरान के ऐतिहासिक केंद्र के बीचोबीच स्थित है। यह चारदीवारी वाला महल शहर के सबसे पुराने परिसरों में से एक है। यूनेस्को के अनुसार, 1779 में सत्ता में आने वाले कजार परिवार ने तेहरान को देश की राजधानी बनाया तथा यह पैलेस सत्ता का केंद्र बन गया। तालाबों और बगीचों से घिरे इस महल ने अपनी सजावट और प्रमुख विशिष्टताएं 19वीं शताब्दी में प्राप्त की थी।

बिल क्लिंटन ने एप्स्टीन से संबंधों को नकारा

वाशिंगटन। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन ने सांसदों के समक्ष बंद कमरे में दी गवाही में यौन अपराधी जेफ्री एप्स्टीन से दूरी बनाने की कोशिश की। यह बयान उन्होंने प्रतिनिधि सभा की निगरानी समिति के समक्ष दी गयी गवाही में दिया, जिनके वीडियो सोमवार को जारी किए गए। क्लिंटन ने कहा कि 2008 में एप्स्टीन द्वारा एक नाबालिग लड़की से वेश्यावृत्ति कराने के आरोप में दोष स्वीकार करने से कई वर्ष पहले ही उन्होंने उससे संबंध समाप्त कर लिए थे।, उनकी पत्नी हिलेरी क्लिंटन ने कहा कि उन्हें एप्स्टीन से मुलाकात की याद तक नहीं है। एप्स्टीन ने 2019 में न्यूयॉर्क में नाबालिग लड़कियों के यौन शोषण और तस्करी के आरोपों में जेल में आत्महत्या कर ली थी।

एक बात बहुत साफ है कि हम प्रेशर से भागें नहीं। हम इसे अपनाएं, हम इसका सामना करें, और अगर कभी हमें लगे कि हम प्रेशर में हैं, तो पक्का करें कि हम पॉजिटिव रास्ता अपनाएं। इस गेम का मजा लें, इस स्पोर्ट के लिए, आपने अपनी पूरी जिंदगी यही खेला है।
-गौतम गंभीर

स्टेडियम

बरेली, बुधवार, 4 मार्च 2026

अमृत विचार

www.amritvichar.com

सेमीफाइनल में आज

टीम	समय
न्यूजीलैंड-द. अफ्रीका	शाम 7 बजे

हाईलाइट

भारत-इंग्लैंड की टीमें एक-दूसरे को बखूबी जानती हैं : कुरेन

मुंबई। भारत के खिलाफ टी-20 विश्व कप सेमीफाइनल से पहले इंग्लैंड के सैम कुरेन ने कहा कि दोनों टीमें एक दूसरे के खिलाफ इतना खेल चुकी हैं कि कुछ छिपाने के लिए नहीं है लेकिन उन्हें अपनी टीम से बेहतरीन प्रदर्शन की उम्मीद है। इंग्लैंड ने 2022 में भारत को सेमीफाइनल में दस विकेट से हराने के बाद खिताब जीता था जबकि भारत ने 2024 में इंग्लैंड को 78 रन से हराने के बाद खिताब जीता था। कुरेन ने वानखेड़े स्टेडियम पर इंग्लैंड के अभ्यास सत्र से पहले कहा इस मैदान पर हम काफी खेल चुके हैं लिहाजा कुछ छिपा नहीं है। उन्होंने कहा हमारे पास अभ्यास के लिये दो दिन का समय है जिससे हालात के अनुकूल ढलने में मदद मिलेगी। इन स्टेडियमों में हम इतना खेल चुके हैं कि अलग अलग हालात की आदत हो गई है।

चंद्र ग्रहण की वजह से अभ्यास में विलंब

मुंबई। भारतीय क्रिकेट टीम ने इंग्लैंड के खिलाफ टी-20 विश्व कप सेमीफाइनल से पहले चंद्र ग्रहण की वजह से मंगलवार शाम के ट्रेनिंग सत्र में एक घंटे से अधिक का विलंब किया। टी20 विश्व कप के सह मेजबान भारत को पहले यहां वानखेड़े स्टेडियम में शाम छह से नौ बजे तक ट्रेनिंग करनी थी लेकिन टीम आखिरकार शाम सात बजकर 20 मिनट के करीब मैदान पर उतरी। सहयोगी स्टाफ के कुछ सदस्य खिलाड़ियों और कोच से पहले मैदान पर पहुंच गए थे लेकिन ट्रेनिंग कुछ देर बाद शुरू हुई। स्टेडियम की फ्लडलाइट भी शाम करीब छह बजकर 50 मिनट पर चालू कर दी गईं थी।

प्रेशर से भागो मत सामना करो : गंभीर

नई दिल्ली। इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर ने अपने प्लेयर्स से नॉकआउट के प्रेशर को अपनाने की अपील की है, क्योंकि डिफेंडिंग चैंपियन टीम गुरुवार को मशहूर वानखेड़े स्टेडियम में टी20 वर्ल्ड कप 2026 के सेमीफाइनल में दो बार की विनर इंग्लैंड का सामना करने के लिए तैयार है। बोर्ड ऑफ कंट्रोल फॉर क्रिकेट इन इंडिया (बीसीसीआई) द्वारा शेयर किए गए एक वीडियो में बोलते हुए, गंभीर ने साफ किया कि इंडिया इस मौके की अहमियत से पीछे नहीं हटेगा। भारत की 2007 और 2011 वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम के सदस्य गंभीर ने माना कि घर पर नॉकआउट खेलने का ज्यादा वजन होता है, लेकिन उन्होंने जोर दिया कि टीम को पॉजिटिव लेना चाहिए।

लक्ष्य ने शी युकी को हराकर किया उलटफेर

बर्मिंघम। भारत के लक्ष्य सेन ने मंगलवार को यहां अपनी मानसिक मजबूती और शारीरिक ताकत का शानदार प्रदर्शन करते हुए ऑल इंग्लैंड बैडमिंटन चैंपियशिप के पुरुष एकल के पहले दौर में चीन के शी युकी को तीन गेम तक चले रोमांचक मुकाबले में हरा दिया। लक्ष्य ने इस मुकाबले में 23-21, 19-21, 21-17 से जीत हासिल की। उन्होंने दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी युकी को व्यक्तिगत मुकाबले में पहली बार हराया। लक्ष्य ने 2023 में एशियाई खेलों की टीम चैंपियनशिप में चीन के इस खिलाड़ी को हराया था।

दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड के कप्तानों की भूमिका होगी अहम

टी-20 विश्व कप : पहला सेमीफाइनल आज, आत्मविश्वास से भरी हैं दोनों टीमें

दक्षिण अफ्रीका के कप्तान एडेन मार्करम।

न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सैंटनर।

कोलकाता, एजेंसी

दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड के बीच बुधवार को यहां टी-20 विश्व कप के पहले सेमीफाइनल में रोमांचक मुकाबला होने की संभावना है, जिसमें दोनों टीम के कप्तानों की भूमिका अहम होगी। दक्षिण अफ्रीका के कप्तान एडन मार्करम और न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सैंटनर इस समय शानदार फॉर्म में हैं। अमूमन ऐसा नहीं होता कि दोनों टीमों के कप्तान ही सबसे बेहतर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी हों। ऐसे में मार्करम और सैंटनर के बीच मुकाबला दिलचस्प होगा, जो ईडन गार्डन्स में हजारों दर्शकों को रोमांच से भर देगा। न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका के बीच आईसीसी प्रतियोगिताओं में प्रतिद्वंद्विता 2015 में वनडे विश्व कप के सेमीफाइनल के दौरान अपने चरम पर पहुंच गई थी। तब न्यूजीलैंड ने एक रोमांचक मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका को हरा दिया था जिससे डेल स्टेन और एबी डी विलियर्स जैसे खिलाड़ियों को करारा झटका लगा था।

दक्षिण अफ्रीका अब शुकरी कॉनराड के मार्गदर्शन में खतरनाक टीम बन गई है, जिसने पिछले साल विश्व टेस्ट चैंपियनशिप जीतकर अपने दृढ़ संकल्प का परिचय दिया था। दक्षिण अफ्रीका ने हालांकि अभी तक सीमित ओवरों की कोई ट्रॉफी नहीं जीती है लेकिन ''चोकर'' का विख्यात तमगा अब उनके क्रिकेट शब्दकोश का हिस्सा नहीं है। इस मुकाबले के केंद्र में दो ऐसे कप्तान हैं, जिनकी अक्सर उतनी प्रशंसा या चर्चा नहीं होती जितनी होनी चाहिए थी क्योंकि वह रणनीतिक और तकनीकी रूप से उन कप्तानों से कहीं बेहतर हैं जिनकी कहीं अधिक प्रशंसा की जाती है। मार्करम ने अभी तक इस टूर्नामेंट में 175 से अधिक के स्ट्राइक रेट से 268 रन बनाए हैं। उन्होंने पावर प्ले में गेंदबाजों को अच्छी तरह से निशाना बनाया है। दूसरी तरफ सैंटनर ने 6.35 की इकॉनमी रेट के साथ बल्लेबाजों को बांधे रखा है। उन्होंने बल्लेबाजी में भी कमाल दिखाया है। मार्क्रम, क्विंटन डीकॉक, डेवाल्ड ब्रेविस, रयान रिकलेटन, ट्रिस्टन स्टब्स, डेविड मिलर और मार्को यानसन जैसे दमदार बल्लेबाजों से सजी दक्षिण अफ्रीका की टीम किसी भी विरोधी टीम की नींद उड़ा सकती है। लेकिन सैंटनर के पास रचिन रविंद्र (सात से कम इकॉनमी रेट से नौ विकेट), ग्लेन फिलिप्स और कोल मैककॉन्ची जैसे स्पिनर होंगे जिन्होंने अभी तक मिलकर अच्छा प्रदर्शन किया है। अगर भारत को छोड़ दिया जाए तो दक्षिण अफ्रीका की टीम पहली बार इतने अच्छे स्पिन आक्रमण का सामना करेगी। न्यूजीलैंड के पास दक्षिण अफ्रीका को चुनौती देने के लिए एक अच्छे लेग स्पिनर की कमी है क्योंकि ईश सोढ़ी ने अब तक खेले गए मैचों में कुछ खास प्रदर्शन नहीं किया है।

टीम

न्यूजीलैंड : मिचेल सैंटनर (कप्तान), फिन एलन, टिम सीफर्ट, रचिन रविंद्र, डेवोन कॉनवे, काइल जैमीसन, जैकब डफी, ग्लेन फिलिप्स, डैरिल मिचेल, लॉकी फर्ग्यूसन, मार्क चैपमैन, मैट हेनरी, इश सोढ़ी, लॉकी फर्ग्यूसन, कोल मैककॉन्ची, जेम्स नीशम।

दक्षिण अफ्रीका : एडेन मार्करम (कप्तान), क्विंटन डीकॉक, रयान रिकलटन, डेवाल्ड ब्रेविस, डेविड मिलर, ट्रिस्टन स्टब्स, मार्को यानसन, कॉर्बिन बॉश, कैगिसो रबाडा, केशव महाराज, लुंगी एनगिडी, जॉर्ज लिंडे, क्वेना मफाका, एनरिक नॉर्किया, जेसन स्मिथ।

अभ्यास सत्र के दौरान दक्षिण अफ्रीका के खिलाड़ी।

अपने साथी के साथ न्यूजीलैंड के ईश सोढ़ी (बाएं)।

दक्षिण अफ्रीका के क्वेना मफाका।

बुमराह को पावरप्ले में कम से कम दो ओवर मिलने चाहिए : गावस्कर

बेंगलुरु, एजेंसी

अपने जमाने के दिग्गज बल्लेबाज सुनील गावस्कर का मानना है कि हैरी ब्रूक और जसप्रीत बुमराह के बीच की जंग भारत और इंग्लैंड के बीच टी-20 विश्व कप सेमीफाइनल मुकाबले का नतीजा तय करेगी तथा उन्होंने भारतीय टीम प्रबंधन से अपनी तेज गेंदबाजी के अगुआ को पावरप्ले में कम से कम दो ओवर देने का आग्रह किया।

मौजूदा चैंपियन भारत गुरुवार को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में इंग्लैंड से भिड़ेगा। इससे पहले 2022 और 2024 में भी इन दोनों टीमों के बीच सेमाईफाइल खेला गया था। इंग्लैंड ने 2022 में एडिलेड में भारत को 10 विकेट से हराया, जबकि रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टीम ने दो साल बाद वेस्टइंडीज के प्रोविडेंस में इसका बदला चुकता कर दिया था।गावस्कर ने चैम्प्स फाउंडेशन के लिए आयोजित की जा रही डीपी वर्ल्ड सेलिब्रिटी गोल्फ प्रतियोगिता से पहले मीडिया से कहा मेरा मानना है कि बुमराह को पावरप्ले में कम से कम दो ओवर करने चाहिए, क्योंकि नई गेंद से अगर वह शुरू में विकेट ले लेते हैं, तो भारत का पलड़ा भारी हो जाएगा। वह जोस बटलर, फिल साल्ट और हैरी ब्रूक के विकेट लेकर इंग्लैंड की बल्लेबाजी को ध्वस्त कर सकते हैं। बुमराह पावरप्ले के दौरान एक ओवर ही गेंदबाजी करते रहे हैं, क्योंकि टीम डेथ ओवरों के लिए उनके कम से कम दो ओवर बचाकर रखती है। गावस्कर ने कहा कि बुमराह को चार ओवर के बाद गेंद सौंपने का कोई मतलब नहीं है।

> जहां तक बुमराह का सवाल है तो उनको समझना आसान नहीं है। वह पहले वाइड गेंद फेंकते हैं तो अक्सर लगता है कि गेंद अंदर की तरफ आएगी। लेकिन वह गेंद को स्विंग करा सकते हैं। इसीलिए वह तीनों प्रारूप में इतने खतरनाक गेंदबाज हैं।
> **-सुनील गावस्कर**

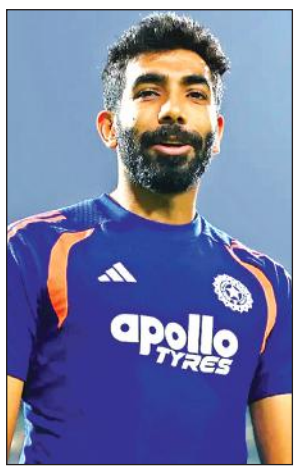

उन्होंने कहा जब चार ओवर पहले ही फेंके जा चुके हैं और बल्लेबाजों को लगभग 20 गेंदें खेलने को मिल चुकी हैं, तो इसका मतलब होगा कि जब बुमराह गेंदबाजी करने के लिए आएंगे तो दोनों बल्लेबाजों को 8-10 गेंदें खेलने को मिल चुकी है और उन्होंने क्रीज पर अपने पांव जमा लिए होंगे। बुमराह और भारत दोनों के लिए यह बेहतर नहीं होगा कि बुमराह शुरू में गेंदबाजी करके विकेट हासिल करें। इस गुरु भारतीय कप्तान ने कहा कि दोनों टीमों के बीच कड़ा मुकाबला होने की संभावना है लेकिन भारतीय बल्लेबाजी में लचीलापन है।

मंधाना महिला वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर

दुबई। भारत की सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हाल में संपन्न तीन मैच की शृंखला में उम्दा प्रदर्शन की बदौलत मंगलवार को जारी आईसीसी महिला एकदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंच गईं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज में 58 और 31 रन की पारियां खेलने वाली स्मृति के 790 अंक हैं और उन्होंने दक्षिण अफ्रीका की लॉरा वोलवार्ट को पछाड़ा जिनके 782 अंक हैं। वोलवार्ट के पास मार्च और अप्रैल में न्यूजीलैंड के खिलाफ शृंखला के दौरान फिर से शीर्ष स्थान हासिल करने का मौका होगा।

अपने अंतिम एकदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय मैच में शतक जड़ने वाली एलिसा हीली ने 744 अंक के साथ रैंकिंग में चौथे स्थान पर रहते हुए अलविदा कहा। बेथ मूनी तीसरे जबकि एशले गार्डनर (724) पांचवें स्थान पर रहीं। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर नौवें स्थान के साथ शीर्ष 10 में जगह बनाने में सफल रहीं जबकि जेमिमा रोड्रिग्स 12वें स्थान पर हैं।

विश्व कप विजेता महिला टीम लॉरेस पुरस्कार के लिए नामित

मैड्रिड, एजेंसी

भारत की महिला क्रिकेट टीम को पिछले साल पहली बार विश्व कप खिताब जीतने के लिए लॉरेस की साल की सर्वश्रेष्ठ टीम के पुरस्कार के लिए नामित किया गया है। लॉरेस स्पोर्ट ने मंगलवार को नामांकन की पुष्टि की। भारतीय टीम इस पुरस्कार के लिए नामित होने वाली पहली महिला क्रिकेट टीम है। यह विश्व कप में टीम के शानदार प्रदर्शन की पहचान है। भारतीय महिला टीम ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल में जीत के दौरान महिलाओं के एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के इतिहास के सबसे बड़े लक्ष्य को हासिल किया था।

हरमनप्रीत कौर की अगुआई वाली टीम को इंग्लैंड की महिला फुटबॉल टीम, यूरोपीय राइडर कप टीम, फ्रांस की फुटबॉल लीग की टीम पेरिस सेंट जर्मेन और मैकलारेन फॉर्मूला वन टीम जैसी बड़ी टीमों के साथ नामित किया गया है। लॉरेस स्पोर्ट ने प्रेस विज्ञप्ति में कहा ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ क्रिकेट विश्व कप सेमीफाइनल में भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के इतिहास के सबसे बड़े लक्ष्य (339) को हासिल किया। इसके बाद टीम ने दक्षिण अफ्रीका अफ्रीका के खिलाफ अपना पहला खिताब जीता और इस पुरस्कार के लिए नामित होने वाली पहली महिला क्रिकेट टीम है। बीसीसीआई के सचिव देवजीत सैकिया ने कहा कि भारतीय महिला टीम की जीत देश के क्रिकेट पारिस्थितिकी तंत्र में एक अहम पल था।

सैकिया ने बयान में कहा विश्व कप 2025 की जीत ना केवल टीम के लिए बल्कि हमारे देश के पूरे क्रिकेट पारिस्थितिकी तंत्र के लिए एक अहम पल था। टीम ने युवा लड़कियों की एक नई पीढ़ी को क्रिकेट अपनाने के लिए प्रेरित किया है और हम उन नींव और सहयोग प्रणाली को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध हैं जो आने वाले वर्षों तक इस कामयाबी को बनाए रखेंगे।

एएफसी एशियाई कप | मैच से पहले सामने आया शर्मनाक सच, अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ के भीतर कुप्रबंधन उजागर

भारतीय महिला टीम के पास उचित खेल किट नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया में एएफसी महिला एशिया कप के मैच से ठीक एक दिन पहले टीम की खिलाड़ियों ने उचित किट नहीं होने का मामला उठाया है जिससे अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के भीतर कुप्रबंधन भी उजागर होता है। भारत बुधवार को पर्थ में वियतनाम के खिलाफ अपना पहला मैच खेलेगा। उससे पहले टीम की सभी 26 खिलाड़ियों ने एआईएफएफ के उप महासचिव एम सत्यनारायणन को पत्र लिखकर उचित कपड़ों और खेल किट की कमी पर अपनी निराशा व्यक्त की। उन्होंने कहा कि इससे उनके मनोबल पर असर पड़ा है और उनका ध्यान भंग हुआ है।

पत्र में कहा गया है, अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए पेशेवर मानकों को पूरा करना जरूरी होता है। जिसमें खिलाड़ियों को फिट आने वाली उचित पोशाक भी शामिल है। इससे एआईएफएफ प्रबंधन में पेशेवरपन की कमी का पता चलता है। पत्र के अनुसार पिछले कुछ दिनों में खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ को उचित पोशाक नहीं होने के कारण टूर्नामेंट से पहले ही चुनौतियों का सामना करना पड़ा है। इस महत्वपूर्ण प्रतियोगिता के लिए गलत मैच किट के आने से मनोबल पर बुरा असर पड़ा है और इससे हमारे एकाग्रता भंग हुई है। इस पत्र पर कप्तान स्वीटी देवी नागमबम और देश की तरफ से सर्वाधिक मैच खेलने वाली ग्रेस डांगमेई समेत आठ खिलाड़ियों ने हस्ताक्षर किए हैं। पत्र में कहा गया है कि अन्य खिलाड़ी भी इस पत्र से सहमत हैं। पत्र में सभी 26 खिलाड़ियों के नाम दिए गए हैं। पत्र के अनुसार, सभी खिलाड़ियों ने दो मार्च को दोपहर दो बजे बैठक की और सर्वसम्मति से यह पत्र लिखने का फैसला किया। बैठक में स्वीटी देवी, मनीषा कल्याण, ग्रेस डांगमेई, संगीता बसफोरे, पंथोई चानू, संजू, प्यारी ज़ाक्सा, श्रेया ने अहम भूमिका निभाई।

भारत का पहला मैच वियतनाम से, अंतर्राष्ट्रीय मैचों का कम अनुभव पड़ सकता है भारी

पर्थ। भारतीय टीम बुधवार को यहां अपने से अधिक रैंकिंग वाली वियतनाम की टीम के खिलाफ एएफसी महिला एशियाई कप फुटबॉल टूर्नामेंट के अपने अभियान की शुरुआत करेगी जिसमें उसे अंतरराष्ट्रीय मैचों में खेलने का कम अनुभव भारी पड़ सकता है। भारत चार टीमों के ग्रुप में रैंकिंग के लिहाज से सबसे निचले पायदान पर है और उसने इस साल एक भी अंतर्राष्ट्रीय मैच नहीं खेला है। ग्रुप की अन्य तीन टीमें वियतनाम, जापान और चीनी ताइपे हैं। भारतीय टीम ने आखिरी अंतर्राष्ट्रीय मैच अक्टूबर 2025 में ईरान व नेपाल के खिलाफ खेले थे।